सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर - 12

दोनों सदनों में राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार- 12

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपीन सहमत - 13

लोग आते जाते रहेंगे लेकिन टीम कल्चर हमेशा सुधार से जुड़ा होना चाहिए : गंभीर- 14

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

23.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.28

सूर्यास्त 06.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी 02:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 6 अगस्त 2025, वर्ष 3, अंक 353, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही, 4 की मौत

धराली में खीर गंगा नदी में आई बाढ़, 50 से अधिक लापता, कई मकान, दुकान और होटल बहे

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच उत्तरकाशी में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मची है। खीर गंगा नदी में आई बाढ़ का रौद्र रूप पूरे धराली बाजार को बहा ले गया। कई मकान, दुकान और होटल तबाह होने से हाहाकार मचा है। 50 से ज्यादा लोगों के लापता होने की खबर है जबकि 4 लोगों की मौत की पुष्टि की जा चुकी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस बड़ी आपदा में लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए राज्य से लेकर केंद्र सरकार हाई अलर्ट मोड पर है। सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले की भटवाड़ी तहसील में हर्षिल के नजदीक खीर गंगा में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे के आसपास जलस्तर बढ़ने से धराली बाजार में भारी मलबा आ गया। कुछ ही मिनट में मलबा कई भवनों, होटलों एवं दुकानों को क्षतिग्रस्त कर गया। बाढ़ के कारण भारी जानमाल के नुकसान को देखते हुए सेना के साथ ही राहत और बचाव दलों को लोगों की मदद के लिए लगाया गया है।

उत्तरकाशी के जिलाधिकरी प्रशांत आर्य ने इस आपदा में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। आपदा में कई लोगों के दबे होने और मारे जाने की आशंका है। धराली बाजार में कई होटल, दुकानें और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान मलबे में दबे हैं। कई घर भी इस आपदा में तबाह हो गए हैं।

राज्य सरकार ने केंद्र से दो 2 एमआई तथा एक चिनूक हेलीकॉप्टर की मांग की है ताकि राहत और बचाव कार्यों में आसानी हो। वायुसेना से भी राहत और बचाव करने में सहायाता की मांग की गयी है। घटना के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश तथा देहरादून के कई चिकित्सालयों में बेड आरक्षित कर दिये गये हैं और एम्बुलेंस घटना स्थल पर भेज दी गयी हैं।

धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए। इनसेट : कई भवन मलबे में पूरी तरह दब गए।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने शोक जताया

उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गहरा दु:ख प्रकट किया है। प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में हुए जन-धन की हानि पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बातचीत की तथा घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य सरकार को हर संभव केंद्रीय सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। कहा कि प्रभावित नागरिकों को शीघ्र राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दौरा छोड़ आंध्र प्रदेश से लौटे मुख्यमंत्री धामी

मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दौरे पर गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दौरा बीच में ही छोड़कर देहरादून लौट आए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन एवं केंद्रीय आपदा प्रबंधन की टीमें जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। वह इस सम्बन्ध में वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है।

सेना के कैंप में पानी घुसा, 10 जवान लापता

स्थानीय सूत्रों के अनुसार घटना में 20 से 25 होटल तथा होमस्टे पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। कई लोगों के दबे होने की आशंका है। लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। बाढ़ के चलते खीर गंगा नदी के तट पर स्थित प्राचीन कल्प केदार मंदिर के भी पूरी तरह से मलबे में दबने की सूचना है। हर्षिल सेना कैंप के पास बहने वाली तेलगाड़ नदी भी उफान पर है जिससे कैम्प में भी पानी घुस गया, 8 से 10 जवान लापता हैं। गंगोत्री हाईवे भी बंद हो गया है। जिला प्रशासन ने सूचना हासिल करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 01374222126, 222722 और 9456556431 जारी किए हैं।

उप्र में थम नहीं रहा नदियों का जलस्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना समेत अन्य नदियों का जलस्तर थम नहीं रहा है। बाढ़ का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, ऐसे में हालात विकराल हैं। कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ का संकट जारी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

जौनपुर में गोमती नदी का जलस्तर जहां खतरे के निशान से ऊपर है तो वहीं गाजीपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांव पानी में डूब गए। वहीं, बांदा में केन और यमुना नदी में बाढ़ आने के कारण कई गांव पानी में डूब गए। प्रयागराज में भी गंगा नदी के उफान से निचले इलाके जलमग्न हैं। तीन दिनों से हो रही मानसूनी बारिश से प्रयागराज, वाराणसी समेत लगभग 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मंगलवार को बिजनौर में प्रदेश में सर्वाधिक 248 मिमी बारिश दर्ज की गई। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार से मानसूनी बारिश के थमने के आसार हैं।

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की धीरज वधावन की बेल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कई करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) कंपनी के पूर्व प्रवर्तक धीरज वधावन को दी गई जमानत(बेल) मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया और वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने वधावन के स्वास्थ्य के आधार पर नौ सितंबर, 2024 को जमानत देते हुए कहा था कि वह एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर यह आदेश जारी किया।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। डेरे के प्रवक्ता और वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। सिंह ने सिरसा पहुंचने के बाद एक वीडियो संदेश में अपने अनुयायियों से डेरे में न आने और डेरे के वरिष्ठ लोगों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। गुरमीत सिंह 15 अगस्त को 58 साल का हो जाएगा।

अंदर देखें ... रंगोली

बांके बिहारी मंदिर का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना अध्यादेश का उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- उप्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रखा अपना पक्ष

उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय से मंगलवार को कहा कि बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के लिए अध्यादेश लाने का उसका उद्देश्य मथुरा के वृंदावन स्थित धार्मिक स्थल का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है।

न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को झटका देते हुए सोमवार को कहा था कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारा विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को

दी गई मंजूरी को स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गुप्त तरीके से अदालत पहुंचने के दृष्टिकोण की निंदा की थी और प्राचीन मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 लाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाया था। पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि 2025 के अध्यादेश का मंदिर प्रशासन के स्वामित्व के लंबित मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है। मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी और निर्देश पारित किए गए थे। कहा कि अध्यादेश मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए जारी किया गया था।

विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा : मुख्यमंत्री

योगी ने अलीगढ़ और आगरा से देशवासियों को किया सचेत, दी अरबों रुपये की सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। हमारा पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, अव्यवस्था और विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने में इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने त्योहारों पर स्वदेशी सामान खरीदने और उपहार में देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की विकास योजनाओं और आगरा में अटल पुरम की सौगात देने के बाद आयोजित कार्यक्रमों में देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए सचेत किया। कहा कि जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश दंगों और अराजकता से जूझ रहे थे। आज बेहतर कानून व्यवस्था के कारण विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।

अलीगढ़ में मुख्यमंत्री को ताला भेंट करते बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह व अन्य।

हर घर तिरंगा फहराएं, स्वच्छता अपनाएं

योगी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान की अपील की और कहा कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर, प्रतिष्ठान और शिक्षण संस्थान में तिरंगा लहराएं। स्वच्छता अभियान पर जोर देते हुए कहा कि सभी लोग स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं। योगी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने अलीगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का जल्द ही शुभारंभ अलीगढ़ को उच्च शिक्षा का नया केंद्र बनाएगा।

औरैया में वितरित की बाढ़ राहत सामग्री

औरैया। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को औरैया कलेक्ट्रेट में बाढ़ से प्रभावित लोगों में राहत सामग्री का वितरण किया साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक दिए। जिला प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने, आपदा प्रभावितों को सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। औरैया के अस्ता मुस्तकिल के सुभाष चंद्र व देवीदयाल, अजीतमल तहसील के फरिहा गांव के सुधी सिंह, जगत नारायण को कृषि अनुदान का चेक दिया। दैवीय आपदा से प्रभावित चपटा गांव की शशि देवी, लक्ष्मी देवी, सैदपुर की प्रियंका देवी, क्योंटरा की रोली देवी व शिवप्रकाश को मुख्यमंत्री आवास योजना का सर्टिफिकेट प्रदान किया। भरसेन गांव के सत्तार अली के निधन पर उनकी पत्नी सितारा बानो, ग्राम सलैया की भीखा देवी के निधन पर उनके पति मुन्नीलाल तथा जयकरन का पूर्वा गांव की शिखा की मां सुधा को चार-चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी

- उनके कार्यकाल में आज ही के दिन हटा था अनुच्छेद-370
- प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त की दिवंगत के प्रति शोक संवेदना

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का दोपहर 1:12 बजे यहां राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में निधन हो गया।

उनके स्टाफ ने बताया कि वह लंबे समय से अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था।

आरएमएल अधिकारियों ने बताया कि मलिक मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से लंबे समय से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, उन्होंने केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने मलिक के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है।

बैंक फ्राड मामले में अनिल अंबानी से ईडी की पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय में हुए पेश

रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी अपने समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामलों से जुड़े धन शोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। अंबानी सुबह करीब 10:50 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि निदेशालय 66 वर्षीय व्यवसायी का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज कर रहा है। ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ एक 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है। साथ ही, इस जांच के तहत उनके समूह के कुछ अधिकारियों को भी इस सप्ताह पूछताछ के लिए तलब किया गया है। इसी से जुड़े एक मामले में, ईडी ने हाल में ओडिशा की एक कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) पार्थ सारथी बिस्वाल को अनिल अंबानी समूह की एक कंपनी के लिए 68 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अंकपत्र व प्रमाणपत्र के सत्यापन का अब शुल्क लेगा यूपी बोर्ड

प्रयागराज। उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) अंकपत्र, प्रमाणपत्र एवं सह अंकपत्र प्रमाणपत्र के सत्यापन का अब शुल्क लेगा जिसकी तैयारी यूपी बोर्ड मुख्यालय में शुरू हो गई है।

यूपी बोर्ड के पांच क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज, वाराणसी, बरेली, मेरठ और गोरखपुर हैं। जहां प्रतिवर्ष 10 लाख से ज्यादा अंकपत्र, प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। जिस भी विभाग में यूपी बोर्ड के विद्यार्थी नौकरी पाते हैं। उनके अंकपत्र, प्रमाणपत्र का सत्यापन का शुल्क अभी तक नहीं लगता था। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि शुल्क के लिए प्रारुप तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है, मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा।

बौखलाहट अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

ट्रंप बोले-24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे

साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अड़चन यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। अब मैं यह कहूंगा कि भारत अब तक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा। लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

भारत के पलटवार से तिलमिलाए ट्रंप

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया। भारत ने आलोचना को पुरजोर तरीके खारिज करते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए दोहरे मानदंड अपनाने की बात कही है।

रूस ने भारत के अधिकार का किया समर्थन

मास्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार और आर्थिक सहयोग में अपने साझेदार चुनने का अधिकार है। रूस ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद कही है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पर कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार साझेदार स्वयं चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापार और आर्थिक सहयोग के तरीकों को निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए।

अमृत विचार

अयोध्या, बुधवार, 6 अगस्त 2025

पीडीए की पाठशाला नहीं सिलेबस पर हो रहा घमासान

वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है बवंडर, एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग कर रही समाजवादी पार्टी

अजय दयाल, लखनऊ

- आखिर कितनी कारगर है भाजपा सरकार की एफआईआर से काट

अमृत विचार: पीडीए पाठशाला को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक घमासान है। सपा नेता पाठशाला लगाने से पीछे नहीं हट रहे तो वहीं व्यवस्था ऐसे नेताओं पर मुकदमा ठोकने से भी नहीं चूक रही। सपा अपने इस अभियान से प्राथमिक स्कूलों के मर्जर पर विरोध जता रही है, वहीं भाजपा सरकार इस तरीके को असमाजिक, कानून विरोधी ठहरा रही है। दोनों तरफ की कवायद राजनीति से परे नहीं लेकिन समझना यह है कि ऐसी पाठशाला कितनी कानून सम्मत है और गैरकानूनी है तो क्यों?

दरअसल, लड़ाई पीडीए की पाठशाला की नहीं, बल्कि इसमें पढ़ाए जाने वाले सिलेबस की है। घमासान भी वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है। पाठ पढ़ाया जा रहा है ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल। इतना तो तय है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सपा एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग करने पर आमादा है। वहीं, राज्य सरकार का तर्क है कि पीडीए पाठशाला के जरिए सरकार विरोधी सामग्री का प्रचार किया जा रहा है। बच्चों की भावनाओं से राजनीतिक खेल किया जा रहा है जो कि कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में एफआईआर तो होनी ही है।

> हमारी पार्टी यह अभियान राइट टू एजुकेशन के समर्थन में चला रही है। प्राथमिक स्कूलों का मर्जर कर सरकार इस कानून उल्लंघन कर रही है। यह लोकतंत्र, संविधान विरोधी है। हम परंपरागत अर्थ के बजाय वर्णमाला की पहचान सिखा रहे हैं। ए फॉर अखिलेश पढ़ाना क्हां से गलत है। हमारा अभियान गैरकानूनी कतई नहीं।
>
> – डॉ. रागिनी सोनकर, सपा विधायक

> प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के नाम पर पीडीए पाठशाला पूरी तरह सतही नाटक है, जो गैरकानूनी तो है ही, समाज में फूट डालने और अराजकता फैलाने का कुत्सित प्रयास है। सरकार सर्व शिक्षा अभियान चला रही है और ये पीडीए पाठशाला के नाम पर राजनीतिक षड्यंत्र कर रहे हैं। ए से अखिलेश पढ़ाकर, आप कैसा सन्देश देना चाहते हैं।
>
> – डॉ. नीरज बोरा, भाजपा विधायक

एफआईआर के विरोध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अंग्रेजों ने भी कभी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं लिखवाई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस हमारी पाठशाला बंद करा देगी। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बच्चों और नौनिहालों के मन में राजनीति घुसाना घोर अपराध है। उन्होंने सपा पर बच्चों को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि आने वाले समय में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इतना तो तय है कि पीडीए पाठशाला की सरगर्मी से उत्साहित सपा इस अभियान को आगे भी बढ़ाएगी। सपा इसको विधानसभा चुनाव के मैनिफेस्टो में शामिल कर सकती है।

समाजवादी पार्टी का तर्क समझें तो पाएंगे कि प्राथमिक स्कूलों में ज्यादातर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग से बच्चे पढ़ते हैं। स्कूलों के मर्जर से इनकी शिक्षा प्रभावित होगी, इसलिए उन्हें न्याय दिलाने को हम गांव-गांव, गली-गली पाठशाला लगा रहे हैं। इस तर्क से साफ है कि यूपी में स्कूल मर्जर के विरोध में शुरू की गई सपा की पाठशाला पीडीए वर्ग में पैठ बनाने का जरिया है। अब भाजपा इस अपने मुख्य विपक्षी दल के इस नये राजनीतिक हथियार की काट कैसे निकालती है यह तो वक्त ही बताएगा?

गांव में भी आशियाना बनाने को मिलेगा ऋण

अमृत विचार, लखनऊ : गांव में भी अपना आशियाना बनाने को ऋण मिलेगा। राजस्व, वित्त और न्याय समेत सभी संबंधित विभागों ने घरौनी कानून के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इस प्रस्ताव को अब मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। इसके तहत आबादी के भीतर अविवादित जमीन पर ग्रामीणों को मालिकाना हक दिया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, आबादी की ऐसी जमीन, जिस पर कोई विवाद नहीं है, लेखपाल मालिकाना हक को लेकर अपनी रिपोर्ट लगाएंगे। राजस्व रिकॉर्ड में इसे कानूनगो की लिखित स्वीकृति से दर्ज करवाया जा सकेगा। उत्तराधिकार, बैनामा, गिफ्ट डीड, और न्यायालय की डिक्री के आधार पर कानूनगो घरौनी तैयार कर सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

ओबीसी छात्रावासों की मरम्मत को 4.99 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने पिछड़े वर्ग के जर्जर पड़े छात्रावासों को चमकाने के लिए शासन की ओर चार करोड़ 99 लाख रुपये स्वीकृत किये गए हैं। मरम्मत कार्य के तहत राजधानी स्थित राजकीय महिला पॉलीटेक्निक समेत प्रदेश के 10 छात्रावासों में कार्य होगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ, इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रयागराज, राजकीय पॉलीटेक्निक हंडिया प्रयागराज, वीरभूमि राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय महोबा, राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा, सर्वोदय इंटर कॉलेज मिहीपुरवा बहराइच, राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद, काशीनरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर संत रविदासनगर 24 लाख और फैज-ए-आम इंटर कॉलेज मेरठ में मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

बिजली दरों के प्रस्ताव पर जवाब तलब

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों की जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की आपत्ति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन समेत सहायक वितरण निगमों से जवाब तलब किया है। आयोग ने सप्ताह भर में बिंदुवार जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। बिजली दरों के निर्धारण को लेकर आयोग ने पिछले दिनों सभी निगमों के स्तर पर जनसुनवाई की थी। इस दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में बढ़ोतरी व निजीकरण के प्रस्ताव का सख्त विरोध किया था। उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा निगमों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रही धनराशि के एवज में दरों में कमी किये जाने की मांग की थी। उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश के सभी वितरण निगमों में बिजली दरों में एक मुश्त 45 प्रतिशत की कमी या अगले पांच वर्षों तक 9 प्रतिशत की कमी किये जाने की मांग रखी थी।

जटिल कैंसर का इलाज गोरखपुर में भी संभव

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर पीड़ितों को अब सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटाया है।

बारिश बाद सड़कें होंगी गड्ढामुक्त ठेकेदार पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने आगरा मंडल के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आगरा मंडल के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व विधान परिषद सदस्यों के साथ विकास कार्यों से संबंधित मंडलीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ को विकास में शामिल करने पर जोर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को परखा। बनते ही सड़कों के टूटने और बदहाली के मुद्दे पर विधायकों समेत अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कहा कि बारिश बाद सड़कें गड्ढामुक्त करने की तैयारी शुरू कर दें। गारंटी में सड़कें टूटने और कार्य में लापरवाही पर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

मंडलायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में आगरा मंडल के चार जिलों, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी हर विधायक से उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं, जन अपेक्षाओं और विकास प्राथमिकताओं पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। कहा कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभवों को विकास कार्यों में शामिल करना है। विकास कार्यों के लिए धन के अभाव से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर उनसे प्रस्ताव लें और विकास कार्यों के लिए प्राप्त संपूर्ण धनराशि का व्यय करें। उन्होंने चेताया कि समय से कार्य योजना, प्रस्ताव और स्वीकृति न होने पर कई विभागों का बजट वापस चला जाता है, जो सरकार की मंशा के खिलाफ है।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा विधानसभावार प्रस्तावित सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाइपास और इंटर-स्टेट बॉर्डर कनेक्टिविटी के कार्यों को कार्ययोजना में शामिल किया जाए। उन्होंने बरसात के बाद युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की तैयारी अभी से पूर्ण करने को कहा।

आगरा को मिली अटल पुरम की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा में विकास को नई दिशा देते हुए 'अटल पुरम टाउनशिप' की शुरुआत की। यह परियोजना आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा 36 वर्षों बाद विकसित की जा रही सबसे बड़ी आवासीय योजना है। यह योजना आगरा इनर रिंग रोड के पास 340 एकड़ भूमि पर बनाई जा रही है, जो सरकार की शहरी विस्तार और आधुनिक विकास की नीति का एक बड़ा प्रमाण है। तीन चरणों और 11 सेक्टरों में टाउनशिप विकसित होगी।

योगी ने बाढ़ क्षेत्रों का किया हवाई सर्वे कहा- सरकार पीड़ितों के साथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित, तेजी से चल रहे राहत व बचाव कार्य
- मुख्यमंत्री ने औरैया में और टीम-11 ने जिलों में वितरित की बाढ़ राहत सामग्री

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को आगरा में आयोजित कार्यक्रमों के बाद औरैया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पीड़ितों को राहत सामग्री और धनराशि देते हुए योगी ने कहा कि पूरी सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। बताया कि यूपी के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। सभी जगह तेजी से राहत-बचाव कार्य चल रहे हैं। एनडीआरएफ की 16, एसडीआरएफ की 18 और पीएसी फ्लड यूनिट की 31 टीमें तैनात की गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार कहा कि पिछले 10-15 दिन के अंदर अत्यधिक बरसात के कारण प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण और राहत कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ प्रभावी ढंग से सकुशल संचालन करने के लिए हर प्रभारी मंत्रियों की तैनाती की गई है। मंत्री अपनी देखरेख में जिला व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे है।

सीएम ने कहा कि सरकार की संवेदना हर बाढ़ पीड़ित के साथ है। सरकार हर सहयोग करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। उसके सर्वेक्षण के भी आदेश दिए गए हैं। रिपोर्ट आते ही तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम ने नागरिकों से अपील की कि अभी अगस्त का प्रथम सप्ताह है, इसलिए अलर्ट मोड पर रहना होगा, क्योंकि बाढ़ की आशंका सितंबर तक बनी रहती है।

बाढ़ में विलीन मकानों के मालिकों को मिलेंगे नए घर

सीएम योगी ने कहा कि जनहानि होने पर परिवार को आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये, किसी परिवार का मकान बहने या नदी में विलीन होने पर मुख्यमंत्री आवास योजना से आच्छादित करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पशुधन की हानि पर मुआवजा दिया जा रहा है। जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किए गए हैं। इस सीजन में एंटी रैबीज वैक्सीन, सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम की भी व्यवस्था सीएचसी, जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं।

लाल किले पर ध्वजारोहण की साक्षी बनेंगी 14 लखपति दीदियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी इन महिलाओं को केंद्र सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया जाएगा। देशभर से आ रही 700 से अधिक महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व यूपी का रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप प्रदेश की लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं। ये महिलाएं घर पर ही घी, अचार, पापड़, नमकीन के उद्यम स्थापित करते हुए अन्य घरेलू उत्पाद तैयार कर न केवल अपना बल्कि अन्य महिलाओं का भी जीवन संवार रही हैं। इन्हीं प्रेरणादायक महिलाओं में से चयनित 14 लखपति दीदियां 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर दिल्ली में लाल किले पर होने वाले समारोह की साक्षी बनेंगी।

मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि प्रत्येक लखपति दीदी को उनके पति या किसी एक सहयोगी के साथ दिल्ली भेजा जाएगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से ठहरने और भोजन की पूरी व्यवस्था की जाएगी।

16 करोड़ रुपये से कालिंजर किला बनेगा पर्यटन हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 16 करोड़ रुपये की योजनाओं से कालिंजर किला पर्यटन हब बनेगा। बांदा स्थित कालिंजर का किला देशी-विदेशी पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है, जिसे राज्य सरकार और विकसित करने जा रही है। लगभग 800 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह किला न केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि भारत के सबसे विशाल और मजबूत किलों में भी गिना जाता है।

राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कालिंजर किले में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 12 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कालिंजर-पन्ना एवं कालिंजर-बांदा मार्ग पर डेकोरेटिव पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए 4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दोनों परियोजनाओं के लिए कुल 16 करोड़ रुपए राशि की स्वीकृति मिली है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कालिंजर किला देखने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 में कालिंजर आने वालों की संख्या 1,35,566 थी, जो 2023 में बढ़कर 4,54,177 हो गई। साल 2024 में पर्यटकों की संख्या लगभग 6,25,000 रही, तो मौजूदा वर्ष 2025 के जनवरी से जुलाई तक करीब 4,03,012 रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर लखनऊ में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य। अमृत विचार

प्रदेशभर में मनाई गई जनेश्वर मिश्र की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों एवं अन्य राज्यों में भी मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम मंगलवार को गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ। यहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट स्थित उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर नमन किया गया।

जर्जर स्कूल भवनों के ध्वस्तीकरण का अभियान तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी की चेतावनी के बाद हर जिले में जर्जर भवनों की पहचान, मूल्यांकन व तत्काल ध्वस्तीकरण की तैयारी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थित जर्जर भवनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए मंत्री संदीप सिंह और शासन के आला अधिकारियों ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर सत्यापन, मूल्यांकन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता दें।

विभिन्न जिलों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जर्जर भवनों की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक जिले में जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर तकनीकी समिति को सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु सूची सौंपी जाएगी। यह कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। पूर्व में चिह्नित ढांचों के भी शीघ्र सत्यापन और रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। कहा गया है कि जिन्हें ध्वस्त न किया जा सके, उन्हें 'निष्प्रयोज्य' घोषित कर सील किया जाएगा। छतों की सफाई और जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी जर्जर भवन के गिरने या किसी प्रकार की दुर्घटना की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे उत्तरदायी मानते हुए उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सुरक्षित वैकल्पिक स्थानों पर होगी पढ़ाई

तकनीकी समिति द्वारा जर्जर घोषित किए गए भवनों में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं की जाएंगी। विद्यार्थियों के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था अन्य सुरक्षित कक्षों, विद्यालय भवनों, पंचायत भवनों या ग्राम सचिवालय आदि में कराना जाना अनिवार्य किया गया है।

जर्जर भवनों से प्रभावित हुई छवि

निर्माण यूनिट के विशेषज्ञ श्यामकिशोर तिवारी ने कहा कि कई विद्यालय परिसरों में अब भी ऐसे ढांचे मौजूद हैं, जो अत्यंत जर्जर हो चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। इससे बच्चों और शिक्षकों की जान को गंभीर खतरा बना रहता है। हालांकि, शासन स्तर से इस संबंध में पूर्व में कई निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरों ने विभाग की छवि को प्रभावित किया है।

तैयारी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों को गति देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

यूपी में डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक का तैयार हो रहा मसौदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान किए जाएंगे समाप्त
- प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवाएं व प्रक्रियाएं होंगी सरल

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए दो ऐतिहासिक 'डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक' का मसौदा तैयार कर रही है, जिनके माध्यम से राज्य और समवर्ती सूची के अधिनियमों में 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान समाप्त किए जाएंगे। ऐसे में व्यवसाय से जुड़े कानून इस कदर शिथिल कर दिए जाएंगे कि किसी व्यवसायी को अधिकांश प्रकरणों में जेल जाने की नौबत न आए। माना जा रहा है कि यह उत्तर प्रदेश को एक प्रगतिशील और व्यापार-अनुकूल विधिक ढांचा प्रदान करेगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को और अधिक सुगम एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'अनुपालन न्यूनीकरण एवं विनियमन शिथिलीकरण 2025' पहल की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सुधारों की दिशा में हुई प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया।

मुख्य सचिव ने समयबद्ध, समन्वित कार्रवाई और फीडबैक आधारित सुधारों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल व्यवस्थाएं ही सुधार नहीं रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए पुनर्परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सुधारों को वर्षांत तक निवेश मित्र 3.0 के साथ पूर्ण रूप से एकीकृत किया जाए, ताकि निवेशकों को समग्र और सरल अनुभव मिल सके।

उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाने पर मंथन

बैठक में कुछ दूरदर्शी सुझावों पर भी चर्चा हुई, जैसे- भवन उपविधियों में संशोधन कर भूमि की बर्बादी रोकना, उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाना और फैक्ट्री, व्यापार लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। साथ ही द्विभाषी फॉर्म, डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो ट्यूटोरियल्स, रिस्पॉन्सिव कॉल सेंटर और जागरूकता अभियान जैसे सुधारों पर भी जोर दिया गया।

बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

सीईओ इनवेस्ट यूपी विजय किरण आनंद ने राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली 'निवेश मित्र 3.0' के उन्नत संस्करण पर प्रस्तुतीकरण दिया, जो वर्ष अंत तक शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह पोर्टल 44 से अधिक विभागों की 525 सेवाएं प्रदान करता है। नए संस्करण के माध्यम से सेवा प्रदायगी की समय सीमा में 30 प्रतिशत की कमी, आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा दस्तावेजों की आवश्यकता को आधा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-केंद्रित अनुभव मिलेगा।

कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर हटाए गए मुख्य अभियंता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिजली उपभोक्ता को 40 किलोवाट का कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर गाजियाबाद के मुख्य अभियंता अशोक कुमार को हटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष ने इस प्रकरण से संबंधित अन्य कार्मिकों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

अध्यक्ष को उपभोक्ता के जरिये गाजियाबाद में बिजली आपूर्ति की तकनीकी खराबी समय पर दूर न कराये जाने व बिजली कनेक्शन देने में विलंब की शिकायत मिली थी। बताया गया कि बीती 30 अप्रैल को 40 किलोवाट के कनेक्शन के लिये आवेदन किया गया। इसके लिए 27,615 रुपये जमा कराये गए। भुगतान करने के बाद भी कनेक्शन नहीं दिया गया। साथ ही, लाल कुआं बिजली उपकेंद्र में बीती 24-25 जुलाई को रात में आई तकनीकी खराबी को दो दिन तक ठीक नहीं कराया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोग निरंतर बिजली संकट का सामना करते रहे। दोनों घटनाओं पर अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई। मुख्य अभियंता को पर्यवेक्षकीय शिथिलता का दोषी पाया गया। उन्हें प्रशासनिक आधार पर गाजियाबाद से स्थानांतरित कर पावर कॉरपोरेशन से सम्बद्ध किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

आज आएंगी महिला आयोग की सदस्य

अयोध्या, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही छह अगस्त को अयोध्या में एकदिवसीय दौरे पर आएंगी। वह 11 बजे सर्किट हाउस में जनसुनवाई करेंगी। इसके अलावा अन्य कार्यक्रम में भी शामिल होंगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी एके तिवारी ने बताया कि जनसुनवाई में आयोग में प्रचलित प्रकरणों और महिला उत्पीड़न नवीन घटनाओं का संज्ञान लेकर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। द्वितीय सत्र में महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक जागरूकता चौपाल का आयोजन कराया जाएगा।

नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी को संबोधित 12 सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपकर 20 अगस्त तक समस्या समाधान की मांग की है। चेतावनी दी यदि 20 अगस्त तक समस्या का समाधान न हुआ तो 21 अगस्त को जिला मुख्यालय पर किसान महापंचायत की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में धान, गन्ना तथा अन्य फसलों के लिए यूरिया खाद की अति आवश्यकता है जनपद में यूरिया नदारद है, अधिकारी मस्त हैं। जिले में संचालित तीनों टोल अवैध हैं जिसके संबंध में जिलाधिकारी सहित कई अधिकारियों से पूर्व में वार्ता हुई थी जिला अधिकारी में समस्या समाधान का आश्वासन दिया था। प्रतिनिधिमंडल में राम गणेश मौर्य,विवेक पटेल,राहुल वर्मा,शिवबरन वर्मा, राम नरेश कनौजिया आदि शामिल रहे।

सपा कार्यालय पर हंगामा, हाथापाई व धक्का-मुक्की

मोहल्ले के एक युवक को सिगरेट पीने से रोके जाने पर हुआ विवाद, घटनाक्रम के बाद फोर्स तैनात, सुलह की कोशिश

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रीडगंज गुलाबबाड़ी के निकट स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मंगलवार देर शाम बड़ा हंगामा हो गया। जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव द्वारा मोहल्ले के एक युवक को कार्यालय के छज्जे के पीछे सिगरेट पीने से टोकने पर विवाद हुआ। बात इतनी बढ़ी कि मोहल्ले के लोग सपा कार्यालय में घुस आए और दोनों पक्षों के बीच जमकर गाली गलौज, धक्का मुक्की और हाथापाई हुई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को कार्यालय से बाहर किया और मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिया। शाम साढ़े छह बजे पर हुए इस घटनाक्रम के बाद रात आठ बजे तक कार्यालय का गेट बंद कर मोहल्ले के मानिंद लोगों से सुलह समझौते की कवायद जारी थी।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार को सपा कार्यालय पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व संस्थापक सदस्य स्व. जनेश्वर मिश्र और पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. गंगा सिंह यादव की जयंती को लेकर श्रद्धांजलि सभा और गोष्ठी का आयोजन था। कार्यक्रम के बाद जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन समेत तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता वहां मौजूद थे। बताया गया है कि देर शाम मोहल्ले का एक युवक कार्यालय के एक छज्जे के नीचे खड़ा होकर सिगरेट पी रहा था। इस दौरान जिलाध्यक्ष किसी कार्य से बाहर निकले और युवक को सिगरेट पीते देख टोका। जिलाध्यक्ष ने कहा यह कोई सिगरेट पीने की जगह है क्या? युवक ने भी कुछ जवाब दिया, जिससे बात गाली-गलौज तक बढ़ गई। चर्चा है कि इसे लेकर जिलाध्यक्ष ने तल्ख लहजे में और कुछ कहा तो युवक भी गर्मा गया।

बताया जाता है कि इसे लेकर कार्यालय में मौजूद लोगों को यह नागवार गुजरा और युवक को अंदर घसीट कर पीटने लगे। युवक ने चीख गोहर लगाई तो बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग कार्यालय में घुस आए, दोनों पक्षों में तू-तू मैं-मैं व धक्का-मुक्की और हाथापाई होने लगी। माहौल बिगड़ता देख सपा के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सपा कार्यालय पर मारपीट और हंगामे की सूचना पर कोतवाल अश्वनी कुमार पाण्डेय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को किसी तरह नियत्रंण में लिया। उन्होंने अंदर घुसे लोगों को बलपूर्वक बाहर निकाला और सपा पदाधिकारियों की सुरक्षा को लेकर मुख्य गेट बंद करा दिया। आस-पास के दुकानदारों ने बताया कि विवाद और हंगामा इतना बढ़ा कि गुलाबबाड़ी के निकट दुकान लगाने वाले लोग वहां से निकल लिए। दुकानदारों ने भी अप्रिय घटना की आशंका के कारण कुछ देर के लिए दुकान बंद कर दी। एक घंटे के इस घटनाक्रम के दौरान दोनों ओर खासा तनाव फैल गया।

बताया जाता है कि वहां मौजूद सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उत्तेजित हो गए, लेकिन वरिष्ठ नेताओं ने किसी तरह उन्हें संभाला। घटना के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। कुछ युवाओं को पुलिस ने उठाया भी। हालांकि पुलिस से इसकी पुष्टि नहीं की जा रही है।

युवक का आरोप, जिलाध्यक्ष ने पीटा: संपूर्ण घटनाक्रम को लेकर सिगरेट पीने वाले युवक मोहम्मद तलहा खान ने आरोप लगाया है कि जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ उसको कार्यालय के अंदर घसीट कर बुरी तरह से पीटा, जिससे उसे काफी चोट आई है। उसने स्वीकार किया छज्जे के नीचे बारिश के कारण सिगरेट पी रहा था। जिलाध्यक्ष से टोके जाने पर माफी भी मांगी। उसने बताया कि जब जिलाध्यक्ष ने अपशब्द कहे तो मैंने भी बोल दिया। युवक ने बताया कि पिटाई की जानकारी होने पर मोहल्ले के लोग उसे बचाने कार्यालय में आ गए। कुछ देर तक काफी हंगामा हुआ। युवक ने बताया पुलिस को तहरीर दे रहा है।

घटना के बाद संगीनों के साए में पार्टी कार्यालय: मंगलवार शाम को हुए घटनाक्रम के बाद गुलाबबाड़ी रीडगंज स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय संगीनों के साए में हो गया है। मोहल्ले में तनाव पूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। कार्यालय के अंदर सशस्त्र पुलिस कर्मियों के अतिरिक्त बाहर भी एक पुलिस पिकेट तैनात की गई है। घटना के बाद सपा पदाधिकारियों को सुरक्षा के साथ उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। कुल मिलाकर स्थिति पूरी तरह काबू में है।

सपा पार्टी कार्यालय में मंगलवार शाम पहुंचे मोहल्ले के लोगों को बाहर करती पुलिस।

चोट दिखाता मो . तलहा खान उर्फ अमान।

समाजवादी पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव व महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव के साथ मौजूद कोतवाल अश्वनी कुमार पाण्डेय। अमृत विचार

एक घंटे तक समाजवादी पार्टी कार्यालय के अंदर चली समझौते की कवायद

हंगामे और धक्का मुक्की की घटना के बाद दोनों पक्षों को लेकर सुलह समझौते की कवायद भी कार्यालय का गेट बंद कर एक घंटे तक कोतवाल की मौजूदगी में चलती रही। बताया जाता है कि युवक के परिजनों और मानिंद लोगों को बैठा कर आगे विवाद न बढ़े खासी बातचीत और बहस भी हुई। इस दौरान किसी को भी सपा कार्यालय में प्रवेश नहीं दिया गया। जानकारी के लिए पहुंचे मीडिया कर्मी भी रोक दिए गए। बाद में सामने आया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। हालांकि घटना को लेकर तनाव के बादल इलाके में अभी नहीं छंटे हैं।

कोतवाल बोले, दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता

नगर कोतवाल अश्वनी कुमार पांडेय ने बताया कि विवाद सिगरेट पीने को लेकर हुआ। उन्होंने बताया कि मोहम्मद तलहा खान उर्फ अमान पुत्र पप्पू वहीं सिगरेट पी रहा था। सपा जिलाध्यक्ष ने टोका तो बोला आपके कार्यकर्ता भी तो पी रहे हैं। तब तक जिलाध्यक्ष के चालक ने युवक को टोका कि अध्यक्ष जी से ऐसे बात कर रहे हो। कोतवाल ने बताया कि इसी को लेकर चालक और युवक दोनों में पहले गाली गलौज हुई फिर पटकी-पटका शुरू हो गई। इसी को लेकर विवाद बढ़ गया और मोहल्ले के लोग अंदर चले आए। कोतवाल ने बताया कि किसी ने भी कोई तहरीर नहीं दी है। लड़के के पिता वहीं कार्यालय में ही बैठते हैं। दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। पुलिस ने किसी भी युवक को नहीं उठाया है।

> दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। अब कोई बात नहीं है। युवक कार्यालय में सिगरेट पी रहा था तो मैंने टोका। जिस पर उसने गाली दे दी तो मेरे चालक से उससे कहासुनी आदि हो गई थी। इसके बाद मोहल्ले के लोग कार्यालय में घुस आए थे। इसी को लेकर कुछ देर विवाद रहा। घटना पर चालक को भी मैंने बहुत डांटा। अब सब सामान्य है। भाजपा तो यही सब चाहती है।
>
> -पारसनाथ यादव, जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी, अयोध्या

किशोरी से अश्लील हरकत में युवक को 10 साल की सजा

अयोध्या, अमृत विचार : किशोरी से अश्लील हरकत करने के मामले में कोर्ट ने युवक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 10 हजार जुर्माना भी हुआ है। जुर्माने की रकम में से पांच हजार पीड़िता को देने का आदेश भी हुआ है। यह आदेश अपर जिला जज दीपक यादव की अदालत से मंगलवार को हुआ। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुधाकर मिश्रा ने बताया कि घटना 28 मई 2018 की दिन में 10:30 बजे की है। रुदौली कोतवाली के एक गांव की रहने वाली पीड़िता अपने घर पर थी और उसकी मां दवा लेने बाहर गई थी। मौका पाकर किशोरी के गांव का रहने वाला मो. शोएब उसके घर के अंदर घुस गया और उसकी लड़की के साथ छेड़खानी किया। छेड़खानी का विरोध करने पर मां बहन की गाली देते हुए भाग गया। इसकी रिपोर्ट किशोरी की मां की तहरीर पर दर्ज की गई थी। सुनवाई के बाद कोर्ट में सजा दी।

समस्याओं को लेकर भाकियू ने की बैठक

रुदौली, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन की बैठक तहसील प्रांगण में हुई। बैठक की अध्यक्षता रुदौली तहसील अध्यक्ष रवि शंकर पांडे ने की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष शंकर पाल पांडे ने किसानों की यूरिया खाद की किल्लत को उठाया। कहा कि किसान को काला बाजारी से यूरिया उपलब्ध हो पा रही है। सात सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार रुदौली को सौंपा। रामू चंद्र विश्वकर्मा, विजय बहादुर यादव, सुरेश रावत, सुरेश यादव, मालती मीणा आदि मौजूद रहे।

बीसी संचालक पर उपभोक्ताओं का पैसा निकाल लेने का आरोप

रूदौली, अयोध्या

अमृत विचार: पीएनबी के ग्राम पंचायत सिठौली के बीसी सेंटर संचालक पर एक लाख 89 हजार रुपये केवाईसी करने के नाम पर हड़पने की शिकायत एसएसपी से की गई है। पीएनबी के ग्राम सिठौली के बीसी सेंटर के संचालक देवी प्रसाद लोधी हैं। ग्राम अघावन नगर निवासी गुड़ाना पत्नी अमरजीत और उनकी पुत्री निशा के खातों से केवाईसी के नाम पर 1.89 लाख रुपये की अवैध निकासी किए जाने की शिकायत की है। इसी सेंटर की ग्राहक अनीता के खाते से 55 हजार, जय सिंह के खाते 10 हजार निकाल जाने की शिकायत भी है। सेंटर के खाता धारकों बैंक से स्टेटमेंट निकाला तब अपने साथ धोखाधड़ी की जानकारी हुई। आरोप है ग्रामीण खाताधारकों को केवाईसी, पेंशन, सब्सिडी और सरकारी योजना के लाभ के नाम पर गुमराह करके खाते से पैसे निकाल लिए है। बीसी संचालक देवी प्रसाद ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा उन्हें फंसाया जा रहा है। शाखा प्रबंधक अंशु गुप्ता ने बताया कि सहायक प्रबंधक मधु सिंह से बीसी सेंटर की जांच में अनियमितताएं पाई गई है। सेंटर से बायोमेट्रिक मशीन और रजिस्टर जब्त कर दुकान को सील कर दिया गया है।

गर्भपात के दौरान हुई मौत पर 13 महीने बाद रिपोर्ट हुई दर्ज

बीकापुर, अयोध्या

अमृत विचार: हैदरगंज स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में 13 माह पहले गर्भपात के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। अदालत के आदेश पर अस्पताल के संचालक सहित पांच लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। क्षेत्र के निजी स्वास्थ्य सेन्टर संचालकों में हड़कंप मच गया है। हैदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम गोहानी निवासी मिठाई लाल की पुत्रवधू गुड़िया (30) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मिठाई लाल के अनुसार आशा बहू की कहने से अनचाही संतान को रोकने के लिए दो अगस्त 2024 को गुड़िया को उसकी बड़ी बेटी के साथ हैदरगंज स्थित आर्यन हास्पिटल ले गए। आरोप है कि अस्पताल में अयोग्य व्यक्ति से धन के लालच में गलत चिकित्सकीय कार्य किए जाने से गुड़िया की असामयिक मृत्यु हो गई। मृत्यु की सूचना संबंधित थाने में नहीं दी गई। कानूनी प्रक्रिया से अनभिज्ञ परिवार को समझाकर अंतिम संस्कार गांव में ही करा दिया गया था। आरोप यह भी है कि तीन अगस्त 2024 को अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें धोखा देने के इरादे से सौ रुपये के स्टाम्प पेपर पर एक सुलहनामा तैयार किया। तीन लाख पचास हजार के चेक (नंबर 167517, खाता संख्या 6194201000060 दिया। अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें समझाया कि जब खाते में पैसा जमा होगा, तभी चेक का उपयोग करना। जब परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हुई तो मिठाई लाल ने चेक जमा किया लेकिन भुगतान नहीं हुआ। वकील से परामर्श के बाद उन्हें पता चला अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें गैर इरादतन हत्या की सूचना थाने में देने से रोकने और साक्ष्य मिटाने के लिए यह चेक दिया था। थाना अध्यक्ष विवेक राय ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया।

मवई फीडर पर नए लाइनमैन की तैनाती

मवई, अमृत विचार: विद्युत उपकेंद्र रायपुर के तहत मवई फीडर क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था में सुधार बताया गया है। उपभोक्ताओं ने खराब विद्युत व्यवस्था को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। निवर्तमान लाइनमैन अरुण सिंह पर लापरवाही का आरोप लगाया था। अधिकारियों ने लाइनमैन अरुण सिंह को हटाकर उनके स्थान पर राजीव कुमार वर्मा को नियुक्त किया है। नए लाइनमैन ने एचटी लाइन के आसपास के पेड़ों की कटाई-छंटाई का काम शुरू कर दिया है। स्थानीय निवासी मोहम्मद खान और तौहीद अहमद ने बताया कि नए लाइनमैन की नियुक्ति के बाद क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है।

कंपोजिट विद्यालय के बच्चे छह माह से पी रहे प्रदूषित पानी

पूराबाजार, अयोध्या

अमृत विचार: मसौधा ब्लाक क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय शिवदासपुर में छह माह से स्कूली बच्चे प्रदूषित पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर हैण्डपम्प का पैसा डकारने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत की है। सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश वर्मा किसी काम से उसी रास्ते से जा रहे थे तो देखा की कुछ बच्चे बोतल लेकर अलग से पानी ला रहे हैं। काफी बच्चे वही प्रदूषित पानी पी रहे हैं तो उन्होंने इसकी शिकायत ग्राम पंचायत की जलनिगम समिति के अध्यक्ष ओमकार से की। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी शशिकला यादव से बात हुई तो उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान को छह माह पूर्व ही देसी नल लगवाने का पैसा दे दिया है। गांव के पूर्व प्रधान लालबहादुर शुक्ल ने इसकी मुख्यमन्त्री पोर्टल सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत की। अधिकारियो ने जब पेंच कसे तो ग्राम प्रधान मंगलवार की सुबह ही विद्यालय पहुंचकर देसी नल की चौकी बनवानी शुरू कर दी। मसौधा के बीडीओ आरएन भारती ने बताया कि खराब पड़े इण्डिया मार्का हैण्डपम्प को बुधवार को रिबोर करा दिया जाएगा। तब तक देसी नल से बच्चे पानी पीयेंगे। जो शिकायत हुई है उसकी जांच करवा कर दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रामलला की राखियों का हुआ पूजन

- प्राकृतिक और आध्यात्मिक तत्वों से बनी है विशिष्ट राखी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राम मंदिर के दूसरे प्राण प्रतिष्ठा के बाद राजा राम व माता सीता सहित तीनों भाई का पहला रक्षाबंधन पर्व अति विशिष्ट व ऐतिहासिक होने जा रहा है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त पर सभी विग्रहों को बड़ी बहन शांता की ओर से महाराष्ट्र व लखनऊ के कारीगरों के द्वारा तैयार की गई मधुबनी शैली पर बनी जरी व मोतियों की राखियां बांधी जाएंगी। तैयार की गईं राखियां मंगलवार को अयोध्या पहुंचीं, जहां विधिपूर्वक राखियों का पूजन किया गया। शृंगी ऋषि आश्रम से देवी शांता द्वारा यह रक्षासूत्र भेजा जाएगा। यहां से तीन दिवसीय 6 वां 'रामलला रक्षाबंधन महोत्सव' मनाया जाएगा। 8 अगस्त को शोभायात्रा के साथ राखियां, फल व मिष्ठान कारसेवकपुरम में मंदिर ट्रस्ट को सौंपा जाएगा। इससे पूर्व आश्रम में तीन दिवसीय पूजा अर्चना व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी अनुराग सिंह ने बताया कि इस बार की विशेष राखियां जूट फॉर लाइफ संस्था की महिला कारीगरों द्वारा तैयार की गई हैं। इन राखियों में कलावा, रेशम, तुलसी बीज, मोती, सिल्क व जूट आदि प्राकृतिक व आध्यात्मिक तत्वों का उपयोग किया गया है। हर राखी प्रेम, भक्ति व भारतीय परंपरा की भावना से बनाई गई है। 'जूट फॉर लाइफ' संस्था ग्रामीण व शहरी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यरत है और पर्यावरण-संरक्षण के उद्देश्य से जूट जैसे ईको-फ्रेंडली उत्पादों को बढ़ावा देती है।

अयोध्या पहुंची रामलला की राखी।

रामनगरी में चरम पर सावन झूला मेले का उल्लास

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रामनगरी में सावन झूला मेले का उल्लास चरम पर है। सभी मंदिरों में बड़े धूमधाम से इस पर्व को मनाया जा रहा है। इस मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ने लगी है। मंगलवार को सावन शुक्ल एकादशी के पर्व पर लगभग पांच लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन जन्मस्थली अयोध्या में इन दिनों उत्सव का माहौल है। मंदिरों में पड़े झूले पर विराजमान युगल सरकार की झांकी। श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। श्री राम मंदिर, कनक भवन, राजा दशरथ महल, अशर्फी भवन, राम वल्लभा कुंज, दिव्या कला कुंज, विअहुति भवन, रंग महल, जानकी महल, राज सदन, रूप कला कुंज, मणिराम दास जी की छावनी ऐसे प्रमुख मंदिर हैं. जहां पर यह उत्सव अपने शीर्ष पर है। उत्सव में शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हुए हैं। लगभग 10 दिन तक चलने वाले उत्सव में शामिल होने के लिए हर वर्ग हर आयु के श्रद्धालु झूले पर विराजमान युगल सरकार के दर्शन कर रहे हैं। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के मुताबिक अयोध्या में सावन झूला मेले को लेकर सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सेक्टर और जोन के माध्यम से हर क्षेत्र की निगरानी और आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा का इंतजाम किया गया है। जगह-जगह पर पुलिस के जवान श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं और परेशानियों से निपटने के लिए तैनात हैं। मेले में देश भर से अलग-अलग स्थान से लोग अयोध्या आते हैं। सरयू नदी में स्नान के बाद मठ मंदिर में दर्शन पूजन करते हैं। मंदिरों तक पहुंचाने को भक्तों के लिए सुगम मार्ग की व्यवस्था बनाई गई है। एक सीमा तक गाड़ियों से आने के बाद श्रद्धालु पैदल स्नान व पूजा पाठ कर रहे हैं।

सावन शुक्ल एकादशी पर भक्ति पथ पर मौजूद श्रद्धालु। अमृत विचार

रंग महल में सजी गलबहियां झूलन की झांकी

राम मंदिर के निकट स्थित जानकी उपासना पीठ रंगमहल मंदिर में विराजमान भगवान के नयनाभिराम गलबहियां झूलने झांकी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कलाकारों ने गलबहियां गीत, कजरी गीत समेत अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समा बंधा। श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उत्सव में विशिष्ट संत धर्माचार्य और बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। महंत राम शरण दास ने बताया कि गलबहियां उत्सव मनाया गया है, जिसमें झूलन पर विराजमान माता जानकी और भगवान श्रीराम की झांकी सजाई गई। उन्होंने बताया कि गलबहियां में प्रतीकात्मक रूप में भगवान राम व माता सीता के गले में बाहे डालकर झूला झूलन की परंपरा को निभाया जाता है।

कार्यक्रम 24 घंटे के प्रवास के दौरान राज्यपाल ने पांच घंटे तक अविवि परिसर की व्यवस्थाएं परखीं, मंगलवार की सुबह आठ बजे बस्ती के लिए हुईं रवाना

कुलाधिपति ने छात्राओं से पूछा, कैसा है भोजन और इंतजाम

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में सोमवार से लेकर मंगलवार सुबह 10 बजे तक कुल 24 घंटे बिताए। सोमवार को विभिन्न कार्यक्रमों के बाद कुलाधिपति ने सायं 4 से रात्रि 8 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर की व्यवस्थाएं परखीं। इस दौरान छात्राओं से भी रुबरु हुईं और पूछा बताओ भोजन और रहन सहन का यहां इंतजाम कैसा है? बोलीं डरो नहीं ये सब तुम लोगों के लिए ही यहां जिम्मेदार बनाए गए हैं। इन पांच घंटे के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को साफ-साफ कह दिया कि गंभीरता और जिम्मेदारी से कर्तव्य निभाइए। कागजी घोड़े दौड़ाने से रामनगरी के विश्वविद्यालय का विकास नहीं होने वाला है।

कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने सोमवार शाम करीब चार बजे अधिकारियों को लेकर निरीक्षण शुरू किया। एक घंटे तो छात्राओं के साथ सीधे संवाद में बिताए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले आईईटी कंप्यूटर लैब देखा। यहां कम्प्यूटरों की स्थापना और कनेक्टिविटी को लेकर विभागाध्यक्ष से जानकारी ली। उन्होंने जल्द से जल्द लैब शुरू करने के निर्देश दिए।

बताया जाता है कि इसके बाद वह लवकुश छात्रावास गईं और छात्रों से सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए कहा। अहिल्या बाई होल्कर महिला छात्रावास में बेटियों से मुखातिब हुईं। यहां गंगा यमुना, सरस्वती तीनों विंग की छात्राओं को सफलता के टिप्स भी दिए। यहां छात्राओं द्वारा कुलाधिपति को हैंड पेंटिंग एवं स्वनिर्मित बुके भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने सीआईएफ की कंप्यूटर लैब, भौतिकी विभाग, इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के साथ साथ माइक्रोबायोलॉजी विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, आचार्य नरेंद्र देव महिला छात्रावास के मेस सहित छात्राओं के कमरों की आवश्यक सुविधाओं को भी परखा। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

महिला छात्रावास में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल का पेंटिंग और स्वनिर्मित बुकें देकर स्वागत करतीं छात्राएं। अमृत विचार

बोलीं, कूड़ा-कबाड़ क्यों नहीं हटवाते

प्रोजेक्ट मैनेजर से बोलीं, करते क्या रहते हो, कूड़ा-कबाड़ क्यों नहीं हटवाते हो? समीक्षा बैठक में छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं साफ सफाई का विशेष निर्देश दिया। निर्माण कार्यों को लेकर निर्माणदाई संस्था यूपी पीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर को कार्य शीघ्र पूर्ण कर आस-पास की निर्माण सामग्री हटाने का आदेश भी दिया। उन्होंने रात्रि प्रवास अटल अतिथि गृह किया। मंगलवार सुबह आठ बजे बस्ती के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्द्र शुक्ल, कुलानुशासक प्रो. एसएस मिश्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, सहायक अभियंता आरके सिंह, डॉ. महिमा चौरसिया वह अन्य उपस्थित रहे।

85 में से 55 स्कूलों की होगी वापसी, बचेंगे 30

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों की विलय नीति में बदलाव के बाद बेसिक शिक्षा विभाग कवायद में जुटा है। नए निर्देशों के अनुसार एक किमी से अधिक दूरी व 50 से अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों को फिर संचालित किया जाएगा। पहले विलय की सूची में शामिल 85 स्कूलों में से 55 का संचालन पुनः शुरू करने की तैयारी है। यदि ऐसा हुआ तो विलय वाले स्कूलों की संख्या 30 रह जाएगी। इससे पहले इन स्कूलों को शैक्षिक सत्र 2025-26 की शुरुआत से छात्र संख्या और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पास के स्कूलों में विलय कर दिया गया था। बच्चों के साथ-साथ अभिभावक व शिक्षक परेशान थे। अमानीगंज में 18 स्कूलों का विलय हुआ था। प्रभारी बीएसए अविनाश कुमार पाण्डेय ने बताया एक किमी से अधिक दूरी व 50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले विद्यालयों को पेयरिंग के दायरे से बाहर किया गया है। कंपोजिट विद्यालय गंजा व हुसैनपुर को फिर संचालित नहीं किया जाएगा। बीईओ अमानीगंज राजेश कुमार ने बताया कि 18 विद्यालयों के सापेक्ष नौ विद्यालयों का विलय रद किया गया है।

अमृत विचार

अयोध्या, बुधवार, 6 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

रेलवे ट्रैक के पास मिला अधेड़ का शव

रुदौली, अमृत विचार : कोतवाली रुदौली के भेलसर-रुदौली ओवरब्रिज के पास एक 45 वर्षीय व्यक्ति की लाश मिली। आशंका है कि रेलवे ट्रैक पार करते ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। मंगलवार सुबह युवक ओवरब्रिज के नीचे हरि कृष्ण उर्फ गुड्डू (45) निवासी मोहल्ला पुष्करपुरम कोतवाली रुदौली की लाश रेलवे ट्रैक के 10 मीटर दूरी पर पाई गई। मृतक रुदौली के हीरो बाइक की एजेंसी में मैकेनिक का काम करता था। कोतवाल संजय मौर्य ने बताया कि मृतक की पत्नी के अनुसार गुड्डू सुबह साढ़े सात बजे घर से एजेंसी पर जाने के लिए निकला था। ओवरब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक के नीचे आने के कारण की जानकारी से अनभिज्ञता जताई। पत्नी और इकलौता बेटा अभिषेक यादव रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

रानी बाजार, अमृत विचार : मसौधा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम सभा सिडहिर नरसिंहपुर में राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर की मोबाइल चिकित्सकों की टीम ने बाबा श्रृंगी ऋषि के आश्रम पर पहुंच कर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में डॉ. विवेक ने बताया कि 107 लोगों की जांच हुई। इलाज व दवा का वितरण किया गया। कुछ गंभीर रोगी को दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज जाने की सलाह दी गई। शिविर में अधिकतर लोग मौसमी बीमारी से पीड़ित मिले। कुछ मरीज शुगर एवं ब्लड प्रेशर से संबंधित थे। शिविर में फार्मासिस्ट अनुज, लैब टेक्नीशियन विजय शर्मा, स्टाफ नर्स नाज़नीन खातून के साथ बड़ी संख्या में पीड़ित थे। शिविर में स्थानीय एवं दूरदराज के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

सरयू लाल निशान के पार, राहत और बचाव कार्य हुआ शुरू

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों एकड़ फसल व गुप्तारघाट से नयाघाट तक के कछारीय इलाके पानी में डूबे, प्रशासन के अफसरों ने किया दौरा, देखी स्थिति

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : उफनाई सरयू का जल स्तर मंगलवार को लाल निशान पार कर गया। खतरे के निशान से लगभग चार सेमी ऊपर पहुंच गई। प्रत्येक दो घंटे में एक सेमी पानी बढ़ने का रूझान है। जल स्तर में इस बार ज्यादा वृद्धि होने के आसार है। कारण पीछे से लगभग 1.75 क्यूसेक छोड़ा गया पानी है। बहराइच में घाघरा लाल निशान से लगभग एक मीटर ऊपर बह रही है। ऐसे में उस पानी के यहां पहुंचने पर जल स्तर बढ़ेगा। जिले की रुदौली, सोहावल और सदर तहसीलों के कछारीय गांव प्रभावित हैं। स्थिति ज्यादा खराब होने लगी है। कछार में फसलें जलमग्न हो गई हैं। गांवों में पानी पहुंच गया है। लोग अब सुरक्षित स्थान की ओर जाने के लिए मजबूर हैं। जिले की तीनो तहसीलों में 18 गांव कछार में है। बाढ़ का पानी रुदौली कैथी, सल्लाहपुर, सोहावल के मांझा कला और सदर के कई गांवों में लग गया है। जिलाधिकारी सहित तहसील प्रशासन के अफसरों ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करके स्थिति का जायजा लिया है। जल्द ही बाढ़ प्रभावितों को बाढ़ शरणालयों में लाने की तैयारी है। वहीं शहरी क्षेत्र के गुप्तारघाट से नया घाट तक के कछारीय इलाके पानी में डूब गए हैं। कई स्थानों पर बाढ़ का पानी 14 कोसी परिक्रमा पथ तक पहुंच गया है। निर्मलीकुंड सहित कई स्थानों पर निचले इलाके की सड़कों पर पानी भर गया है। इन रास्तों से आवागमन बाधित हो गया है।

मड़ना में बाढ़ राहत केंद्र का निरीक्षण करते एसडीएम सदर व अन्य। अमृत विचार

सोहावल में बाढ़ से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न। अमृत विचार

बाढ़ चौकी दशरथ समाधि स्थल पर जानकारी लेते डीएम व एसएसपी। अमृत विचार

बाढ़ राहत केंद्र का किया निरीक्षण: पूराबाजार: बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन पूरी सतर्क है। मड़ना दौरा करने पहुंचे एसडीएम राम प्रसाद त्रिपाठी ने लेखपालों को क्षेत्र मे रहने का निर्देश दिया। सोमवार की देर शाम मड़ना बाढ़ का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम सदर ने यह निर्देश दिया। उन्होंने बाढ़ राहत केंद्र का निरीक्षण किया। एसडीएम के साथ तहसीलदार धर्मेंद्र कुमार सिंह, कानूनगो राजेंद्र प्रताप सिंह, लेखपाल रामपाल, और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओम प्रकाश यादव मौजूद रहे। एसडीएम त्रिपाठी ने बताया कि सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मड़ना के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओम प्रकाश यादव ने बताया कि फिलहाल क्षेत्र में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है।

डीएम ने लिया बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का जायजा: जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के साथ मंगलवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र माझा मूड़ाडीहा का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने प्रभावित गांवों में अस्थायी राहत शिविरों की व्यवस्था, खाद्य सामग्री वितरण, पेयजल आपूर्ति, चिकित्सा सुविधा और साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देशित दिया कि राहत सामग्री की आपूर्ति में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। प्रधानों से बात कर बाढ़ क्षेत्र, फसलों आदि की जानकारी ली। आपात स्थिति से निपटने के लिए समुचित तैयारियां कर ली गई हैं। डीएम ने मड़ना मांझा में स्थापित बाढ़ राहत शिविर केन्द्र का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिया। उनके साथ एडीएम वित्त एवं राजस्व महेन्द्र कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर राम प्रसाद त्रिपाठी, तहसीलदार, पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी थे।

योजना पूरी नहीं, सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न

सोहावल अयोध्या

अमृत विचार: रौनाही तटबंध पर प्रस्तावित पंपिंग स्टेशन का निर्माण पूरा न होने से कई सौ हेक्टेयर की फसल दो दिन की बारिश और बाढ़ में जलमग्न हो गई। अब किसान व्यवस्था को कोस रहा है। 16 करोड़ 91 लाख रुपये से प्रस्तावित पंपिंग स्टेशन सोहावल तहसील राजस्व कर्मियों की लापरवाही के कारण पूरा नही हो सका। लोगों का कहना है कि प्रस्तावित पंपिग स्टेशन से सोहावल और रुदौली तहसील क्षेत्र की लगभग 855 हेक्टेयर धान की फसल डूबने से बच जाती, लेकिन अब यह जलमग्न हो गई। योजना का लाभ पाने के लिए किसान तरसते रह गए। तैनात लेखपाल की गलत पैमाइश के कारण समय से योजना का कार्य पूरा नही हो पाया। फसल जलमग्न की बर्बादी का शिकार सोहावल एवं रूदौली क्षेत्र सीबार, राम नगर धौरहरा,बेगम गंज, सडरी पसैया, मुतौली, नूरगंज आदि के किसानों का आरोप है कि तत्कालीन राजस्व कर्मी श्रेयांस श्रीवास्तव से योजना के लिए चिह्नित जमीन के तटबंध के उत्तरी छोर पर पैमाइश के बजाए दक्षिणी छोर की पैमाइश करने के कारण योजना छह माह तक लंबित रही। धौरहरा निवासी नीलू तिवारी, सुरेश कुमार, सीता राम प्रजापति आदि का आरोप है कि सही पैमाइश की गुहार सोहावल तहसील प्रशासन से लगाते रहे, लेकिन तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार छह माह तक लेखपाल की रिपोर्ट को सही और हम लोगों की बातों को गलत बताते रहे। प्रभावित और लेखपाल की मनमानी का शिकार हुए खतौनी धारकों के साथ बाढ़ नियंत्रण अवर अभियंता संजय कुमार के हस्तक्षेप पर मार्च माह में पुन:पैमाईश हुई। दक्षिणी क्षेत्र मे भूमि चिंहित होते ही जून माह मे कार्य शुरु हुआ। अवर अभियंता बाढ़ संजय कुमार ने मामले की पुष्टि की। बताया कि जमीन की कागजी तकनीकि के कारण योजना लंबित रही। निस्तारण होते ही जून माह में कार्य शुरू किया गया।

बाढ़ प्रभावितों को प्रशासन उपलब्ध कराएगा गर्म नाश्ता और भोजन

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार: बाढ़ प्रभावितों के लिए सरकार से पहली बार नई व्यवस्था लागू की है। बाढ़ राहत शिविरों में शरणार्थियों को गर्म पका-पकाया पौष्टिक नाश्ता व भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। बुजुर्गों और बच्चों के लिए एक गिलास दूध की व्यवस्था भी रहेगी। सोहावल तहसील के मांझा कला में बनाए गए शरणालय में किचन तैयार कराया जा रहा है। अब तक नदी की बाढ़ से प्रभावितों के लिए केवल बाढ़ शरणालय बनाकर ठहराने की व्यवस्था होती रही है। बाढ़ पर नजर रखने के लिए बाढ़ चौकियां स्थापित की जाती थी। बाढ़ प्रभावित लोग बाढ़ शरणालयों में नाश्ता व भोजन स्वयं तैयार करते थे या फिर प्रशासन की ओर से बाहर से तैयार कराया गया भोजन का पैकेट उपलब्ध कराता था, लेकिन इस बार से सासन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है। कलेक्ट्रेट के आपदा राहत विभाग से इसके लिए वेंडर तय कर दिया गया है। जो नास्था व भोजन की व्यवस्था कराएगा। डीएम निखिल टी. फुंडे ने भी बाढ़ शरणालय में पका-पकाया भोजन व नाश्ता दिए जाने की व्यवस्था बताई है।

भोजन-नाश्ते का मेन्यू

- नाश्ता (सुबह साढ़े सात से नौ बजे)-दलिया अथवा उबला चना अथवा पोहा, एक मौसमी फल, 10 साल से कम उम्र के बच्चों और 60 साल के अधिक उम्र के वृद्धजनों को एक गिलास दूध व अन्य को चाय।
- दोपहर का भोजन (12.30 से दो बजे के बीच)-मौसम की सब्जी, चावल, रोटी/पूड़ी
- रात्रि का भोजन (शाम को साढ़े छह से आठ बजे)-मौसम की सब्जी, रोटी/पूड़ी, मिठाई।

सीएचसी में ओटी का कराया संचालन

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बानियान द्वारा सीएचसी हैदरगंज, तारुन व बीकापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। **हैदरगंज प्रतिनिधि** के अनुसार मुख्य रूप से ओपीडी संचालन, औषधीय की उपलब्धता, आकस्मिक सेवा संचालन को गहनता से देखा। साथ ही ओटी का संचालन प्रारंभ कराया।

तारुन प्रतिनिधि के अनुसार निरीक्षण के दौरान ओपीडी सेवाओं, इमरजेंसी सेवाओं, औषधीय निरीक्षण एवं औषधीय की उपलब्धता, लैबोरेट्री रूम, कोल्ड चेन प्वाइंट साथ ही प्रसव कक्ष, जरनल वार्ड, जेएसवाई वार्ड को सूक्ष्मता से देखा। सीएमओ ने वहां पर भर्ती मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के विषय में जानकारी ली।

बीकापुर प्रतिनिधि के अनुसार सीएमओ ने सीएचसी के संपूर्ण परिसर को देखा। सिजेरियन के बाद जेएसवाई वार्ड में भर्ती प्रसूताओं से स्वास्थ्य विभाग से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। एएनएम की साप्ताहिक बैठक में भाग लिया। इस माह में किए गए सभी कार्यों की समीक्षा की। साथ ही प्रत्येक एएनएम से इस माह आयोजित हुए कार्यक्रमों के बारे में उनके द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी ली। आगामी माह में आने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सीएचसी के निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. सुशील कुमार व डीपीएम राम प्रकाश।

स्तन पान सप्ताह के तहत लगाया शिविर

अयोध्या, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान जिला महिला चिकित्सालय में विश्व स्तन पान सप्ताह के तहत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विश्व स्तनपान सप्ताह एक से सात अगस्त तक मनाया जाता है। कार्यक्रम में स्तनपान कराने से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। विधिक जागरुकता व साक्षरता शिविर कार्यक्रम का आयोजन पीएलवी/अधिकार मित्र प्रियंका त्रिपाठी के द्वारा किया गया। इसमें चिकित्सालय के डॉक्टर, कर्मचारी, महिला पुलिसकर्मी और दूर दराज से दवा कराने आई महिलाएं मौजूद रहीं।

अनुशासन की पहली सीढ़ी है कब बुलबुल योजना

303 कब मास्टर फ्लॉक लीडर एवं प्रधानाध्यापकों को दिए गए प्रमाण-पत्र

- कब बुलबुल योजना के द्वितीय चरण का रजत पंख प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : कब बुलबुल योजना अनुशासन की पहली सीढ़ी है और इसके माध्यम से बालक और बालिका अपने जीवन में अप्रत्याशित सुधार कर सकते हैं।

यह विचार प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार पांडेय ने कब बुलबुल के द्वितीय चरण रजत पंख प्रमाण पत्र वितरण समारोह के दौरान विवेकानंद सभागार में व्यक्त किए। भारत स्काउट और गाइड के निर्देशन में बालक बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक संवर्ग में कब बुलबुल योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसको जिला स्काउट मास्टर अनूप मल्होत्रा एवं जिला गाइड कैप्टन निधि महिंद्रा नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। योजना के द्वितीय चरण के 303 प्रमाण पत्र जनपद के विभिन्न विद्यालयों के कब मास्टर फ्लॉक लीडर एवं प्रधानाध्यापकों को प्रदान किए गए। इस दौरान सभी का उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्राथमिक विद्यालय करमडांडा की कब मास्टर निवेदिता उपाध्याय एवं प्राथमिक विद्यालय अब्बू सराय के कब मास्टर विजय शुक्ला के निर्देशन में कब बच्चों ने कब ग्रीटिंग प्रस्तुत की। इस अवसर पर ललित कुमार, हरकेश सिंह, सुप्रिया चौरसिया, बिंदु, राजन कुमार, शैली अरोड़ा, अर्चना, भावना गुप्ता, जगदीश प्रसाद वर्मा तथा गिरीश चंद्र समेत कई लोग मौजूद रहे।

कब बुलबुल प्रमाण पत्र वितरण समारोह में प्रभारी बीएसए व स्काउट गाइड पदाधिकारी।

बीएलओ ड्यूटी को लेकर बीकापुर एसडीएम श्रेया को ज्ञापन देते प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रियकांत पांडेय व मंत्री डीडी उपाध्याय व अन्य। अमृत विचार

बीएलओ बनाए जाने पर बिफरे शिक्षक

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : बूथ लेवल अधिकारी के लिए ड्यूटी लगाए जाने पर मंगलवार को फिर शिक्षकों ने कड़ा विरोध जताया है। शिक्षकों ने बीएलओ ड्यूटी से मुक्त न किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इसे लेकर उपजिलाधिकारी बीकापुर श्रेया को मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रियकांत पाण्डेय के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। संघ के मंत्री डीडी उपाध्याय ने बताया कि उच्च न्यायालय के निर्णय एवं आरटीई एक्ट के अनुसार शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जा सकता है। ब्लॉक कोषाध्यक्ष गुलाबचंद, रंजीत वर्मा, हरिशरण सिंह, अतीक आलम, साजिद हुसैन, लक्ष्मी प्रसाद तिवारी, रामकुमार वर्मा, सुनीता सिंह, मधु पांडेय, मिथिलेश मिश्रा सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

मारपीट में 4 घायल रिपोर्ट की गई दर्ज

रुदौली, अमृत विचार: दफियापुर गांव में पानी निकासी को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शनिवार को बरसाती पानी निकलने के लिए मथुरा प्रसाद पुत्र रामाकांत के साथ नाली साफ कर रहे थे। पड़ोस के राम सुमिरन, शिवराज और नवमी लाल ने मना किया। इसी बात पर कहा सुनी में मथुरा प्रसाद, पत्नी दशरथा देवी, पुत्र रामकांत, पुत्री अखिलेश कुमारी को मारा। घायलों को पुलिस ने सीएचसी पहुंचाया। थाना प्रभारी शशिकांत यादव ने बताया कि अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद 16 वर्षीय अखिलेश कुमारी और 30 वर्षीय रामाकांत को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

11 बजे पहुंचे डॉक्टर, नपं अध्यक्ष ने घुमाया फोन

मवई, अमृत विचार: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुनवा में स्वास्थ्य व्यवस्था की दयनीय स्थिति का खुलासा हुआ है। मंगलवार को नगर पंचायत अध्यक्ष और भाजपा नेता शीतला प्रसाद शुक्ला ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए। जो डॉक्टर आए भी, वे सुबह 11 बजे तक पहुंचे। सीएचसी अधीक्षक भी निर्धारित समय सुबह आठ बजे के बजाय रोज़ाना साढ़े दस से 11 बजे के बाद आते हैं। अध्यक्ष ने मौके से ही सीएमओ को फोन कर मामले से अवगत कराया। सूत्रों के अनुसार, सीएचसी सुनवा पर तैनात अधीक्षक बीते 15 वर्षों से रुदौली सर्किल में ही जमे हुए हैं। हर बार तबादले के बावजूद कुछ ही समय में वे रुदौली सर्किल के किसी भी सीएचसी पर वापस लौट आते हैं। सीएमओ डॉ सुशील बानियान ने डॉ मदन बरनवाल को सीएचसी से हटाकर नोडल अधिकारी बना दिया था, लेकिन महज कुछ दिनों में फिर से ट्रांसफर कर उन्हें सीएचसी सुनवा का अधीक्षक बना दिया गया। इस संबंध में सीएमओ ने कहा कि जांच कराई जाएगी।

रुदौली व सोहावल के उपजिलाधिकारी बदले

अयोध्या, अमृत विचार: जिला मजिस्ट्रेट निखिल टी. फुंडे ने रुदौली और सोहावल के उपजिलाधिकारियों को तबादला कर दिया है। सोहावल में रहे अभिषेक सिंह और रुदौली के एसडीएम रहे अशोक कुमार सैनी को मंदिर मजिसट्रेट बनाया है। उनके स्थान पर सोहावल में सविता देवी और रुदौली में मुख्यालय से विकास धर को भेजा गया है। मंदिर मजिस्ट्रेट रहे पवन कुमार शर्मा को सहायक अभिलेख अधिकारी, नवागत उपजिलाधिकारी संतोष कुमार कुशवाहा को अतिरिक्त मजिस्ट्रेट प्रथम बनाया है। मंदिर मजिस्ट्रेट प्रवीण यादव को अतिर्कत मजिस्ट्रेट प्रथम से हटा दिया गया। नवागत उपजिलाधिकारी लखनलाल सिंह राजपूत को अपर उप जिलाधिकारी सदर एवं विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। नवागत उपजिलाधिकारी पूर्णिमा सिंह को आहरण वितरण अधिकारी/प्रभारी आईजीआरएस बनाया गया है।

कोटिया गांव में पौधरोपण करते विधायक चंद्रभानु पासवान व भाजपा पदाधिकारी।

भाजपा के पौधरोपण अभियान का समापन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : जिले में पांच जून से शुरू हुआ पौधरोपण अभियान मंगलवार को सम्पन्न हो गया। अभियान के समापन अवसर पर अभियान प्रभारी कृष्ण कुमार पाण्डेय खून्नू और मिल्कीपुर विधायक चन्द्रभानु पासवान ने अमानीगंज मंडल के कोटिया गांव में पौधरोपण कर अभियान का औपचारिक समापन किया। अभियान प्रभारी पांडेय ने बताया कि पार्टी द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत जिलेभर में लगभग 52 हजार पौधे कार्यकर्ताओं से रोपित किए गए। अभियान में पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

जताई खुशी | पांच साल पहले पीएम मोदी ने रखी थी स्वर्ण जड़ित राम मंदिर निर्माण की पहली ईंट

शिलान्यास की पांचवीं वर्षगांठ पर बांटे लड्डू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने नींव की पहली ईंट रखी थी। पांचवीं वर्षगांठ पर स्वर्ण जड़ित भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है, जिसको लेकर मंगलवार को राम मंदिर के मुख्य द्वार पर साधु-संतों ने लड्डू बांट कर खुशियां मनाई। इस तिथि को साधु संत धार्मिक मुक्ति के रूप मानते हैं।

हनुमान गढ़ी के संत देवेशाचार्य ने कहा कि बहुत ही प्रसन्नता का दिन है। इसी दिन हमारे आराध्य के भवन का भूमि पूजन हुआ था। अब वह भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। उसी की प्रसन्नता के उपलक्ष में राम मंदिर के मुख्य द्वार पर हम लोगों ने प्रसाद वितरित किया है। साकेत भवन के महंत सीताराम दास ने कहा कि यह तिथि विश्व के मानचित्र पर अयोध्या को एक प्रतिष्ठा के रूप में अंकित होने वाला दिन है। राम जन्मभूमि परिसर में बीते पांच वर्ष के दौरान राम मंदिर के साथ शेषावतार मंदिर, भगवान गणेश, हनुमानजी, सूर्य देव, माता भगवती, माता अन्नपूर्णा और भगवान शिव का मंदिर व सप्त ऋषि मुनियों में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि अगस्त्य, महर्षि विश्वामित्र, निषाद राज, शबरी और अहिल्या के मंदिर का भी निर्माण किया गया है। कुबेर टीला पर स्थापित कुबेरेश्वर महादेव का शिवलिंग और निकट स्थित जटायु की दिव्य प्रतिमा स्थापित हुई है। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया कि 5 अगस्त की यह तारीख जो 500 वर्षों की प्रतीक्षा और संघर्ष था। इस दिन को हम लोग एक धार्मिक मुक्ति दिवस के रूप में मना रहे हैं।

राम मंदिर के मुख्य द्वार पर श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते साधु-संत। अमृत विचार

महिला आयोग की उपाध्यक्ष का दौरा आज से

अयोध्या, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव छह अगस्त से दो दिवसीय भ्रमण पर अयोध्या पहुंचेंगी। लगभग साढ़े 11 बजे हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन पूजन करेंगी। इसके बाद शहर के एक होटल में एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। सात अगस्त को प्रातः 10 बजे श्री श्रृंगीऋषि आश्रम शेरवाघाट में आयोजित श्री श्रृंगीऋषि बाबा महोत्सव में श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव में सम्मिलित होंगी। लगभग 12 बजे उपाध्यक्ष से जिला महिला चिकित्सालय, जिला महिला बंदी गृह एवं आंगनबाड़ी केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा।

संतों ने देखी राम मंदिर के संघर्ष पर बनी फिल्म

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राम मंदिर के निर्माण की मार्ग को प्रशस्त करने वाली घटना पर बनी फिल्म 695 द अयोध्या मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और साधु संतों के मौजूदगी में रिलीज किया गया। यह फिल्म 6 दिसंबर 1992 बाबरी विध्वंस, 9 नवंबर 2019 सर्वोच्च न्यायालय से राममंदिर के पक्ष में निर्णय और 5 अगस्त 2020 भव्य राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने की तिथियों पर आधारित है, जिसे एक थिएटर में दिखाए जाने के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने कहा कि इस फिल्म में सभी विषय को लिया गया है काल्पनिक है और पूरे इतिहास को दर्शाया गया है। ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि काल्पनिक फिल्म गागर में सागर का काम करने वाली है और यह सभी को देखने के योग्य है। फिल्म निर्माता श्याम चावला ने बताया कि फिल्म में राम मंदिर के लिए किए गए 500 वर्षों के संघर्ष को दिखाया गया है। यह फिल्म उन सभी योद्धाओं को समर्पित है जिन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि फिल्म देखकर ऐसा लगा कि राम मंदिर आंदोलन के पल-पल की घटना को फिल्म वास्तविक रूप से प्रदर्शित कर रहा है। मणिराम छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास जगतगुरु रामधेनशाचार्य, जगतगुरु धराचार्य, कोटेश्वर शर्मा, अशोक तिवारी, शिवदास आदि रहे।

राम मंदिर के संघर्ष पर बनी फिल्म देखते हुए साधु-संत। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

खड़े ट्रक से भिड़ा बाइक सवार, मौत

रुदौली, अयोध्या : अमृत विचार ।कोतवाली रुदौली के भेलसर ओवर ब्रिज के निकट लखनऊ अयोध्या हाईवे पर मंगलवार की रात 8 बजे एक बाइक सवार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। भेलसर के निजी होटल के सामने ओवर ब्रिज के निकट मंगलवार रात लगभग 8 बजे खड़े ट्रक में रौजागांव की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार मस्तराम उम्र 26 वर्ष पुत्र सुरेश निवासी शिवचरन का पुरवा कोतवाली रुदौली पीछे से घुस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बिना हेलमेट के बाइक चालक मस्त राम की मौके पर ही मौत हो गई। चौकी प्रभारी मनीष चतुर्वेदी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भिजवाया जा रहा है। चालक ट्रक लेकर फरार हो गया है।

प्रवेश परीक्षा में 245 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अयोध्या, अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर के चार पाठ्यक्रमों एलएलएम, बीफार्मा, डीफार्म व एमएड की प्रवेश परीक्षा मंगलवार को सकुशल सम्पन्न हो गई। दो पालियों की प्रवेश परीक्षा में 788 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 245 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में एलएलएम, बीफार्मा की परीक्षा में 295, 234 परीक्षार्थियों में से 91 व 52 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में डीफार्म व एमएड में 98, 161 के सापेक्ष 25 व 77 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं प्रचेता भवन व रमन भवन के परीक्षा केन्द्र पर तैनात पर्यवेक्षक प्रो. फरूख जमाल, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, डॉ. संजय चौधरी, डॉ. सिंधु सिंह की निगरानी में सकुशल प्रवेश परीक्षा सम्पन्न कराई गई।

अमेठी व कौशांबी के 821 युवकों ने आजमाई किस्मत

ब्रिगेडियर स्वर्ण सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली का किया उद्घाटन

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: भारतीय थल सेना का अंग बन कर देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा लिए यहां डोगरा रेजीमेन्टल सेन्टर के भर्ती ग्राउंड पर आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली के पहले दिन मंगलवार को अमेठी व कौशांबी के 821 युवकों ने अपनी किस्मत आजमाई। भर्ती रैली का शुभारंभ भर्ती रैली मुख्यालय भर्ती क्षेत्र (उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड) के उप महानिदेशक भर्ती (राज्य) ब्रिगेडियर स्वर्ण सिंह ने हरी झंडी दिखा कर किया।

एआरओ अमेठी के तत्वावधान में यहां आयोजित 14 दिवसीय अग्निवीर भर्ती रैली के कर्नल एसके मोर ने बताया कि पहले दिन अमेठी व कौशांबी जिले के 821 युवाओं ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में हिस्सा लिया। सोमवार शाम से युवाओं का नगर में आगमन शुरू हो गया। मंगलवार की अलसुबह लगभग दो बजे से ही अभ्यर्थियों ने भर्ती ग्राउंड के लिए प्रवेश शुरू किया और सुबह तीन बजे से भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई। जनरल ड्यूटी पद के लिए हुई सीईई परीक्षा में सफल रहे अमेठी व कौशांबी जिले के 972 अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए चयनित हुए थे। उनमें से अमेठी से 488 उम्मीदवारों व कौशांबी से 333 उम्मीदवार कुल 821 अभ्यर्थियों ने प्रतिभागिता दर्ज कराई। शारीरिक दक्षता परीक्षा में अभ्यर्थियों ने 1.6 किमी दौड़, जिग-जैग बैलेन्स, डिच-जंप व चिन-अप्स आदि में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उसके बाद युवाओं की ऊंचाई, वजन व सीने की माप ली गई। सफल रहे उम्मीदवारों के दस्तावेज़ सत्यापन हुए। इसमें सफल रहे प्रतिभागियों को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया। बुधवार को रायबरेली जिले के सीईई परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी।

सेना भर्ती क्षेत्र उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के उप महानिदेशक भारती ब्रिगेडियर स्वर्ण सिंह झंडी दिखाकर रैली का उद्घाटन करते। अमृत विचार

रैली के शारीरिक दक्षता परीक्षा की लंबी कूद में प्रतिभाग करता अभ्यर्थी।

दलालों के झांसे में न आएं अभ्यर्थी: कर्नल मोर ने अभ्यर्थियों को सलाह दी कि वे सतर्क रहें और दलालों के झांसे में न आएं और किसी भी अनुचित तरीके का सहारा न लें। सेना में चयन पूरी तरह से निष्पक्ष व पारदर्शी है। ब्रिगेडियर स्वर्ण सिंह ने उम्मीदवारों को प्रेरणा देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। सेना एवं नागरिक प्रशासन के तालमेल से रैली की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हुईं।

यहां बच्चे खोलते हैं ताला, देर से आते हैं अध्यापक

मवई, अयोध्या: रुदौली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रहीमगंज में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां बच्चे स्कूल का ताला खोलते हैं। आरोप है कि प्रधानाचार्य और अध्यापक समय पर नहीं आते हैं। बच्चे पहले पहुंच जाते हैं और चाबी से स्कूल का ताला खोलते हैं। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय निवासी जिलानी अहमद ने बताया कि बच्चे पहले आ जाते हैं, अध्यापक बाद में। एक शिक्षिका बच्चों को पढ़ाना उचित नहीं समझतीं। बीईओ रामाकांत राम ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। जांच करवाकर आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

प्रावि के बच्चों ने देखा एयरपोर्ट

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 5 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गद्दोपुर समेत चार प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निदेशक विनोद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

एसी रोहित ढाका, राजेंद्र प्रसाद (इंचार्ज सीएनएस), अवधेश कुमार सिंह (एटीएस इंचार्ज), ओएसडी अभिषेक सिंह, एटीसी प्रबंधक पुष्पेंद्र भारती व एयरलाइंस स्टाफ भी उपस्थित था। प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 5 तक के छात्र-छात्राओं ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मेरा भारत, मेरा अभिमान थीम पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

आयोजन स्थल पर प्रतियोगिता के लिए सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई, जिससे बच्चों ने रचनात्मकता का परिचय दिया। प्रतियोगिता के समापन के बाद बच्चों को एयरपोर्ट परिसर का भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें हवाई अड्डे के विभिन्न विभागों एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को विशेष सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में शामिल बच्चों के साथ एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार। अमृत विचार

अयोध्या-भावनगर सीधी ट्रेन सेवा पर जताया आभार

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: गुजरात के भावनगर से अयोध्या तक और अयोध्या से भावनगर तक सीधी रेल सेवा शुरू होने पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट किया है। कहा कि यह रेल सेवा न केवल गुजरात और अयोध्या के बीच एक नया सेतु स्थापित करेगी, बल्कि श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों और व्यापारियों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। पूर्व सांसद ने कहा कि यह ट्रेन लंबे समय से अयोध्या और गुजरात के लोगों की एक बहुप्रतीक्षित मांग थी, जिस पर केंद्र सरकार ने संवेदनशीलता और दूरदर्शिता के साथ अमल किया है। यह सिर्फ एक ट्रेन नहीं, बल्कि रामभक्तों के लिए श्रद्धा का मार्ग है जो गुजरात की भूमि को सीधे श्रीराम जन्मभूमि से जोड़ेगी।

पूर्व सांसद लल्लू सिंह।

गद्दोपुर में लोगों से बातचीत करते नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता। अमृत विचार

प्रस्तावित रेलवे लाइन के प्रभावितों से मिले विधायक

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : गद्दोपुर क्षेत्र में प्रस्तावित रेलवे लाइन बिछाने को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों से भेंट कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार किसी भी नागरिक के साथ अन्याय नहीं होने देगी। कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जनहित सर्वोपरि है। कहा कि गद्दोपुर में प्रस्तावित रेलवे लाइन के सर्वे को लेकर जो भी समस्याएं हैं, उन पर रेलवे विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ मिलकर पुनः चर्चा और मंथन किया जाएगा। विकास कार्यों के चलते स्थानीय निवासियों को न्यूनतम हानि हो और किसी का भी विस्थापन बिना उचित मुआवज़े और पुनर्वास के न किया जाए। विपक्ष पर निशाना साधा। प्रभावितों की हर समस्या को सुनकर समाधान निकाला जाएगा। स्थानीय लोगों ने विधायक को रेलवे लाइन के निर्माण से होने वाली परेशानियों को लेकर पत्र सौंपा। उन्होंने रेलवे अधिकारियों से सर्वे रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने को कहा। मौके पर पार्षद सोफियान, टोनी सिंह, वीरेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, परिजनों में कोहराम

बसखारी, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: बीती देर शाम बसखारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुए एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। दुर्घटना बीते सोमवार की बताई जा रही है। जब संदहा मजगांव निवासी विद्युत विभाग में संविदाकर्मी आकाश कुमार राव पुत्र अच्छेलाल मकोइया हाइडिल से बाइक द्वारा अपने घर आ रहा था। जैसे ही वह बसखारी, जहांगीरगंज रोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-233 पर बने ओवरब्रिज के करीब पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी और फरार हो गया।

- संविदाकर्मी को राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

हादसे के बाद अस्पताल पर मौजूद परिजन और ग्रामीण। अमृत विचार

वहीं टक्कर से मोटरसाइकिल सवार आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची बसखारी पुलिस ने घायल अवस्था में आकाश को बसखारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों से उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं मौत की खबर सुनकर परिवार और गांव वाले रोते-बिलखते अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने मृतक के पिता अच्छे लाल के प्रार्थना पत्र पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आगे की अन्य कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। उधर मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव घर आते ही परिवार में रोना-पीटना शुरू हो गया।

करंट की चपेट में आने से जायरीन की मौत

बसखारी, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के दरगाह रसूलपुर में करंट की चपेट में आने से एक जायरीन की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विनय कुमार महतो पुत्र बिंदेश्वर उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी इलमादीपुर, जनपद सिवान, बिहार किछौछा में मखदूम साहब के आस्ताने के करीब रहकर जियारत कर रहे थे। मंगलवार की भोर में विनय कुमार करंट चपेट में आकर गंभीर रूप से गिरकर घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घायल विनय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सेवानिवृत्त लेखपालों को दी गई विदाई

जलालपुर, अंबेडकरनगर: तहसील जलालपुर के सभागार में सोमवार को पांच वरिष्ठ लेखपालों के सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। तहसील प्रशासन के अधिकारियों, कर्मचारियों और लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने उन्हें सम्मानित किया। सेवानिवृत होने वाले लेखपालों में घनश्याम वर्मा, एजाज अहमद, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, दुर्गा सिंह और राजीतराम पाल शामिल हैं। यहां उपजिलाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता, तहसीलदार गरिमा भार्गव, साधुराम दुबे, लेखपाल संघ के अध्यक्ष रामकरण पाल, वरिष्ठ लेखपाल नेपाल, गुलनाज बानो, धर्मेंद्र सिंह, रशीद अंसारी आदि रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जलालपुर, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार: मालीपुर पुलिस ने पास्को और धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। मालीपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को नासिर पुत्र मो. मुख्तार निवासी ताराकला जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास के साथ-साथ दुष्कर्म करता रहा। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध पॉक्सो, धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। एसओ मालीपुर स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि उक्त मुकदमें से सम्बन्धित आरोपी नासिर पुत्र मो. मुख्तार को मंगलवार को मडैया मोड़ तिराहा से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी युवक।

युवती के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

जलालपुर, अंबेडकरनगर: जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के एक युवती को आजमगढ़ जनपद के एक युवती द्वारा भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। युवती के परिजनों ने मंगलवार को जलालपुर पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि एक रिश्तेदारी की युवती सोमवार को मेरी पुत्री को जलालपुर बाजार में सामान खरीदने के लिए ले गई, लेकिन वह देर शाम तक घर नहीं आई। घर न पहुंचने पर उसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कहीं पता नहीं चला। मेरी पुत्री को आजमगढ़ के थाना फूलपुर अंतर्गत एक गांव की रिश्तेदार की युवती लेकर बाजार गई हुई थी। तब से वह गायब है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर युवती के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

वार्षिक जुलूस यौम-ए-सकीना का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: इस्लाम शुद्ध रूप से प्राकृतिक धर्म है और यह करुणा, प्रेम, बंधुत्व, सहिष्णुता, न्याय और समानता का पक्षधर है। यह बात मौलाना इंतेजार मेहंदी ने मंगलवार को लोरपुर में मजलिस पढ़ते हुए कही।

अंजुमन जाफरिया द्वारा आयोजित वार्षिक जुलूस यौम-ए-सकीना के मौके पर मंगलवार को मौलाना ने कहा कि पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के कथनानुसार अगर इस्लामी शिक्षा लेनी है तो अली इब्ने अबीतालिब से हासिल करो। शजर लोरपुरी के संचालन में नौहोमातम का सिलसिला शुरू करते हुए मेजबान अंजुमन जाफरिया के शायर व नौहाखान इर्शाद लोरपुरी ने शायर जफर द्वारा रचित नौहा पढ़ा। मर गई बच्ची लहद कैसे बने, कैद में नन्हीं लहद कैसे बने। अंजुमन हुसैनिया के निजाम अब्बास आदि ने शायर अदीब आजमी का कलाम तड़प कर बोली जिगर अपना थाम कर...प्रस्तुत किया। जबकि अंजुमन मासूमिया लोरपुर ने पढ़ा कैदखाना है और सकीना है। अंजुमन जुल्फेकारिया जाफराबाद, रौनके इस्लाम मुस्तफाबाद, तमन्ना-ए-जहरा गोहन्ना तथा अंजुमन हैदरिया अब्दुल्लाहपुर, मौ.असगर मेहंदी आजमी, मौ. नफीस रजा लोरपुरी रहे।

कर्बला लोरपुर में नौहा पढ़ते हुए अंजुमन हुसैनिया के लोग। अमृत विचार

सपा कार्यकर्ताओं ने जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर किया नमन

संवाददाता, आजमगढ़

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मंगलवार को समाजवादी विचारक, छोटे लोहिया के नाम से विख्यात स्व. जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाई गई। जिलाध्यक्ष हवलदार यादव ने कहा कि जनेश्वर मिश्र मनसा वाचा कर्मणा पूर्ण समाजवादी थे। डॉ. लोहिया के सानिध्य में रहकर उन्होंने समाजवादी आंदोलन को गति प्रदान की। उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह यादव के साथ-साथ रहकर आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। इस दौरान पूर्व सांसद नंदकिशोर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष विजय यादव, विधायक डॉ संग्राम यादव, पूजा सरोज, रामप्यारे यादव, अजीत कुमार, विवेक सिंह, हरिश्चंद यादव, जवाहिर यादव, जगदीश प्रसाद, हंसराज यादव, सूरज राजभर रहे।

जनेश्वर मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

गरीब से धन उगाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

संवाददाता, आज़मगढ़

अमृत विचार: आवास सत्यापन में भ्रष्टाचार के मामले में विकास खंड अतरौलिया के ग्राम पंचायत सेल्हारा पट्टी में ग्राम विकास अधिकारी राजेश यादव व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सनी कुमार पर कार्रवाई के बाद भाजपा लालगंज के जिलाध्यक्ष विनोद राजभर ने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के नाम पर किसी भी गरीब से धन उगाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधि इस प्रकार की लूट में संलिप्त पाया जाएगा, उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

- आवास सत्यापन में भ्रष्टाचार के मामले में बोले भाजपा जिलाध्यक्ष

भाजपा जिलाध्यक्ष विनोद राजभर।

जिलाध्यक्ष विनोद राजभर ने बताया कि उन्हें 26 जुलाई को भाजपा कार्यकर्ताओं से सूचना मिली थी कि सेल्हारा पट्टी गांव में आवास योजना के तहत धन उगाही हो रही है। जानकारी के अनुसार, कुछ वीडियो क्लिप भी सामने आए जिनमें ग्राम विकास अधिकारी को पैसे लेते हुए देखा गया। मामला सामने आते ही उन्होंने इसे तत्काल उच्चाधिकारियों के संज्ञान में डाला। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारी को निलंबित कर मुकदमा दर्ज कर लिया। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे। यदि कोई इसमें बाधा डालता है, तो उस पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जिन गरीब परिवारों के साथ अन्याय हुआ है, उन्हें उनके हक का आवास अवश्य मिलेगा।

आयोजन | गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर सीडीओ की नजर टेढ़ी, नामित कर उन्हें बंद करवा कर कार्रवाई करने के निर्देश

देश की आन बान और शान हमारा तिरंगा है : एमएलसी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: स्वतंत्रता दिवस पर भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक वर्ष जनमानस के साथ तिरंगा यात्रा, हर घर तिरंगा फहराने सहित अन्य देश भक्ति के कार्यक्रम आयोजित करते हुए देश की एकता और अखंडता के प्रति संकल्प लेते हैं।

मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों सहित 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका दिवस पर होने वाले कार्यक्रम के संबंध में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह की उपस्थिति और अभियान जिला संयोजक बाबा राम शब्द यादव के संयोजन में कार्यक्रमों से संबंधित जिला कार्ययोजना कार्यशाला सम्पन्न हुई। जिला कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में हुए कारगिल युद्ध में शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा ने 51 हजार से अधिक ऊंचाई पर पाकिस्तान के झंडे को फाड़ कर भारतीय ध्वज तिरंगा फहराया था। दूसरी चोटी पर भी तिरंगा फहराने की जिम्मेदारी निभाते हुए देश के लिए शहादत दी। देश की आन बान और शान हमारा तिरंगा है। उन्होंने भारत विभीषिका दिवस और हर घर तिरंगा फहराने की अभियान पर विस्तार से चर्चा कर उसकी सफलता पर प्रकाश डाला। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा ने कहा कि भारत विभीषिका दिवस और हर घर तिरंगा अभियान सफलता पूर्वक सम्पन्न हो इसके लिए हम सभी को अभी से जुट जाना चाहिए। जिला कार्यशाला की संचालन जिला महामंत्री दिलीप पटेल देव ने किया।

कार्यशाला में मुख्य रूप से कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञान सागर सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंह मिंटू, पूर्व विधायक जय राम विमल, जिला उपाध्यक्ष डॉ. राना रणधीर सिंह, डॉ. रजनीश सिंह, रमेश चंद्र गुप्ता, विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू, ब्लाक प्रमुख आनंद वर्मा, भाजपा नेता डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह, उपमा पाण्डेय सहित मण्डल अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक शामिल रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह व अन्य।

लोग अपने-अपने घरों पर फहराएं तिरंगा : जिलाधिकारी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष हर घर तिरंगा कार्यक्रम को भव्य रूप से तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का समय से निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रथम चरण 8 अगस्त तक चलेगा। इस चरण में स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगा प्रेरित कला से सजाने, स्कूलों, कॉलेजों तथा सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा स्वरूप राखी बनाने की कार्यशालाएं सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। द्वितीय चरण 9 से 12 अगस्त तक चलेगा। जिसमें तिरंगा महोत्सव के अंतर्गत वृहद तिरंगा मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जन सहभागिता के साथ कार्यक्रम होंगे। नागरिक हर घर तिरंगा पोर्टल पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करेंगे। उन्होंने लोगों ले अपने-अपने घरों पर तिरंग फहराने की अपील की। तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक चलेगा। जिसमें सभी शासकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों, होटलों, पुलों आदि पर ध्वजारोहण एवं तिरंगे रंग में प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि वेबसाइट पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित किया जाए।

अनुपम शुक्ला, जिलाधिकारी।

एसडीएम ने होलिका दहन और चारागाह की जमीन के विवाद को सुलझाया

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: जलालपुर नगरपालिका क्षेत्र के वाजिदपुर मोहल्ला वार्ड नंबर-सात की एक जमीन होलिका और चरागाह की जमीन है, जिस पर कुछ लोग रास्ते की मांग कर रहे थे, लेकिन एक पक्ष ने विरोध जताया की होलिका दहन और चारागाह की जमीन है। जिस पर से कदापि रास्ता नहीं जाएगा और इस पर नगर पालिका द्वारा इंटरलॉकिंग का निर्माण भी कराया जा रहा था। विवाद होने पर जलालपुर कोतवाल संतोष कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाते-बुझाते हुए कहा कि जब तक एसडीएम मौके का निरीक्षण नहीं करते हैं, तब तक निर्माण कार्य नहीं कराया जाएगा और इसके लिए सोमवार का दिन भी निश्चित किया गया था, लेकिन बरसात होने के चलते सोमवार को यह कार्य नहीं हो पाया। पुनः मंगलवार को एसडीएम राहुल गुप्ता ने स्थल निरीक्षण कर दोनों पक्षों को कोतवाली में बुलाया। उन्होंने दोनों पक्षों को बताया कि जहां तक लोगों का मकान है वहां तक रास्ते का निर्माण होगा। इसके बाद किसी प्रकार का निर्माण नहीं होगा और इस भाग पर नगर पालिका द्वारा र जमीन को समतल कर दिया जाएगा, जिस पर दोनों पक्ष राजी हो गए और पूर्व की भांति होलिका दहन होता रहेगा और लोगों को आने-जाने के लिए कोई पक्ष नहीं रोकेगा। इस मौके पर उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता, अधिशासी अधिकारी अरविंद कुमार, कोतवाल संतोष कुमार सिंह, सभासद प्रतिनिधि देवेश मिश्रा, व्यापार मंडल अध्यक्ष आनंद जायसवाल, सभासद अब्दुल रब, मेराज आलम, मोइनुद्दीन, सुखलाल, राहुल आदि लोग रहे।

अमृत विचार

अयोध्या, बुधवार, 6 अगस्त 2025

बाइक डिवाइडर से टकराई, मां की मौत व पिता लखनऊ रेफर

गंभीर रूप से घायल बेटी का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

संवाददाता, सुलतानपुर

दुर्घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचारः लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई, जिससे हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। बेटी को भी गंभीर चोटें आई हैं।

कोतवाली नगर के अमहट निवासी मुन्ने रज़ा (52) बाइक से अपनी पत्नी रूही (47) और बेटी फजीलत (17) को लेकर लखनऊ से सुलतानपुर लौट रहे थे। जैसे ही बाइक बंधुआ कला थाना क्षेत्र के डेरा बस्सी ढाबे के पास पहुंची, तभी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। बाइक की स्पीड अधिक होने के चलते वाहन कई बार पलटा और तीनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया, जहां डॉक्टरों ने रूही को मृत घोषित कर दिया। बेटी फजीलत का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, जबकि मुन्ने रज़ा की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि दुर्घटना ग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

● लंभुआ रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा, छानबीन के बाद हुई पहचान

लंभुआ, सुलतानपुर : मंगलवार को लंभुआ रेलवे स्टेशन के समीप एक वृद्ध की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना दोपहर लगभग चार बजे की है, जब एक अज्ञात बुजुर्ग रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद शव क्षत-विक्षत होने के कारण उसकी तत्काल पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गहन छानबीन शुरू की और घंटों की मशक्कत के बाद मृतक की पहचान प्रतापगढ़ जनपद के कन्हई थाना क्षेत्र के देवकाली गांव निवासी राम केदार पाल (60) के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। हादसे की सूचना के बाद मृतक के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार घायल

विद्युत पोल से टकराई कार। ● अमृत विचार

बल्दीराय, सुलतानपुर : बल्दीराय थाना क्षेत्र के विशुनपुर मजरे डीह निवासी रघुनाथ प्रजापति (55) बाइक से हलियापुर की ओर जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने डोभियारा के चार नंबर चौराहे पर स्थित पेट्रोल पंप से ईंधन भरवाया। इसके बाद जैसे ही वह मुख्य सड़क पर चढ़े, तभी कूरेभार की ओर से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। कार सवार युवक, मायंग (थाना धनपतगंज) निवासी अरबाज बताया जा रहा है। टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया, जबकि कार अनियंत्रित होकर पास ही लगे विद्युत पोल से टकरा गई, जिससे 11 हजार वोल्ट की लाइन का तार टूटकर गिर गया। हालांकि, लाइन चालू थी, फिर भी गनीमत रही कि कोई और इसकी चपेट में नहीं आया। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल उपकेंद्र फोन कर विद्युत आपूर्ति बंद करवाई और एम्बुलेंस की मदद से घायल रघुनाथ को कुमारगंज अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार हेलमेट पहने हुए था, जिससे सिर की गंभीर चोट से बचाव हो गया।

न्यूज ब्रीफ

सपा विधायक व अन्य की सुनवाई 26 को

सुलतानपुर, अमृत विचार : गौरीगंज थाना में भाजपा नेता दीपक सिंह पर हमले के मामले में विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह सहित 10 आरोपियों को समन जारी किया था। बावजूद इसके आरोपी कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। भाजपा नेता के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने जानकारी दी कि कुछ आरोपियों पर जमानतीय वारंट जारी हो चुका है। अदालत ने अब अगली सुनवाई की तारीख 26 अगस्त तय की है। यह मामला 10 मई 2023 को थाने में हमले की घटना से जुड़ा है, जिसमें पुलिस ने विधायक समेत 10 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

पिकअप चोरी के आरोपी को मिली जमानत

सुलतानपुर, अमृत विचार : अपर सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार की अदालत ने पिकअप वाहन चोरी के मामले में कोतवाली नगर के लोलेपुर निवासी आरोपी अली अहमद उर्फ अमीर अहमद को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। बचाव पक्ष के वकील शुभम द्विवेदी वैदहा के मुताबिक आरोपी पर रंजिशन 25/26 जुलाई की रात को पिकअप वाहन चोरी करने का आरोप लगाया गया था।

बार एसोसिएशन का चेकिंग अभियान जारी

सुलतानपुर, अमृत विचार : दीवानी न्यायालय परिसर में मंगलवार को बार एसोसिएशन के निर्देश पर चेकिंग अभियान चला। बिना रजिस्ट्रेशन और सीओपी वाले कई व्यक्ति पकड़े गए, जिन्हें चेतावनी देकर छोड़ा गया। बार अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने अगली बार कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

कोर्ट के आदेश पर दर्ज होगा मुकदमा

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली नगर क्षेत्र के पल्टू का पुरवा आदर्श नगर निवासी तुफैल व सोहिल पर कुड़वार थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला की अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट मजिस्ट्रेट मयूरेश श्रीवास्तव ने थानाध्यक्ष कुड़वार को केस दर्ज कर जांच के आदेश दिए है। पीड़िता ने कोर्ट में अधिवक्ता शेख नजर अहमद के जरिए दी गई अर्जी में आरोप लगाया है कि तुफैल ने बीती छह अप्रैल को घर में अकेला पाकर जबरन दुष्कर्म किया, क्रूरता व मारपीट की। वहीं सोहिल पर घर में घुसकर तोड़फोड़, गाली-गलौज व धमकाने के साथ गले से लॉकेट छीनने का भी आरोप है। आरोप है कि तुफैल पहले उससे शादी कर तलाक भी दे चुका है। पुलिस में शिकायत के बावजूद कारवाई न होने पर पीड़िता ने कोर्ट की शरण ली।

अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी दोषी करार

● कोर्ट आज दोषी को जेल से तलब कर सुनाएगी सजा

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः अमेठी जिले के जगदीशपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में तीन साल पूर्व 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म करने के आरोपी अमरजीत को पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को दोषी ठहराकर जेल भेज दिया जिसे जेल से बुधवार को तलब कर सजा सुनाई जायेगी। एडीजीसी सीएल द्विवेदी के मुताबिक 29 दिसंबर 2022 की घटना में दर्ज हुए केस मे पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसकी नाबालिग पुत्री का बहला फुसलाकर कर अपहरण कर लिया तथा दुष्कर्म जैसी वारदात को अंजाम दिया। तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। अभियोजन पक्ष की तरफ मुकदमे के दौरान पेश किए गए छह गवाहों के साक्ष्यों के आधार पर को कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराकर जेल भेज दिया।

सुमन हत्याकांड में नहीं तय हो सके आरोप

बल्दीराय थाना क्षेत्र के महुली गांव में महिला की हत्या के मामले में गिरफ्तारी वारंट के बावजूद आरोपी महिला विद्यावती के कोर्ट में हाजिर न होने के चलते आरोपियों पर सेशन कोर्ट लक्ष्मीकांत शुक्ल की अदालत में आरोप तय नही हो सके। कोर्ट ने आरोप तय करने के लिए 19 अगस्त की तारीख नियत की है। डीजीसी क्रिमिनल राम अचल मिश्र के मुताबिक पूरे गंगा पांडेय का पुरवा महुली निवासी शिवलाल कोरी की पत्नी सुमन की छह दिसंबर 2022 को खेत की रखवाली के दौरान हत्या कर दी गई थी। पति शिवलाल की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। दौरान तफ्तीश गांव के ही शिव कुमार, उसकी पत्नी विद्यावती और मैन पांडेय का पुरवा महुली निवासी संदीप कुमार को आरोपित बनाया गया।

डॉक्टर हत्याकांड में पूर्व कोतवाल की गवाही दर्ज

शहर के शास्त्री नगर मोहल्ले में बीते साल संविदा चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में अपर सेशन जज संतोष कुमार की कोर्ट में मंगलवार को विवेचक रहे पूर्व कोतवाल श्रीराम पांडेय गवाही देने अदालत में हाजिर हुए। वादी निशा तिवारी के वकील संतोष पांडेय ने बताया कोर्ट ने पूर्व नगर कोतवाल श्रीराम पांडेय ने अपनी गवाही दर्ज कराई। बचाव पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया कोर्ट ने विवेचक से जिरह के लिए 11 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है। 23 सितंबर 2023 की शाम हुए हत्याकांड के मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह, उसके पिता जगदीश नारायण सिंह और ड्राइवर दीपक सिंह पर कोर्ट ने सामान्य आशय से हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और दहशत फैलाने के आरोपों में मुकदमा चलाने के लिए आरोप तय किए थे जिनका ट्रायल जारी है। इसी मामले में एक आरोपी विजय नारायण सिंह की हत्या हो चुकी है वहीं आरोपी जगदीश नारायण की मृत्यु हो चुकी है। जिससे दोनों पर मुकदमा समाप्त हो गया है।

जानलेवा हमले के मामले में सेशन कोर्ट ने ट्रॉमा सेंटर से तलब की मेडिकल रिपोर्ट

संवाददाता, सुलतानपुर : ग्राम ओदरा थाना कोतवाली देहात निवासी अल्लाकरम और जुबैर जो गंभीर आपराधिक प्रकरण में आरोपी हैं, ने न्यायालय में जमानत अर्जी दाखिल किया है। एडीजीसी वेद प्रकाश के मुताबिक आरोपियों पर एक पूर्वविवाद के चलते फुफेरे भाई असगर और सलमान पर जानलेवा हमला करने, अवैध असलहों से फायरिंग करने तथा गंभीर रूप से घायल करने का आरोप है।विवेचक द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में बताया गया कि घायल असगर का इलाज ट्रॉमा सेंटर लखनऊ में हो रहा है, और उसकी मेडिकल रिपोर्ट अभी तक केस डायरी में संलग्न नहीं की जा सकी है। रिपोर्ट प्राप्त न होने के चलते न्यायालय में अब तक दस से अधिक तारीखें तय की जा चुकी हैं, परंतु सुनवाई आगे नहीं बढ़ सकी है। न्यायाधीश संतोष कुमार ने केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ को निर्देशित किया है कि वह घायल की मेडिकल रिपोर्ट 8 अगस्त तक हर हाल में न्यायालय में उपलब्ध कराए, जिससे मामले में जमानत पर निर्णय लिया जा सके। मामले में सिराजुद्दीन ने छह जुलाई की घटना में आरोपी अल्लाकरम, जुबैर समेत छह आरोपियों पर केस दर्ज कराया था।

बीमा कंपनी को देना होगा 15 लाख का क्लेम

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष राम लखन सिंह चन्द्रौल और सदस्य भारत भूषण तिवारी ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड को आदेशित किया है कि वह एक सड़क दुर्घटना में मृत युवक के परिजनों को बीमित धनराशि 15 लाख रुपये दो माह के भीतर अदा करे।

मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर लपटा निवासी परिवादिनी शांति की तरफ से परिवाद मे आरोप था कि उनका पुत्र संदीप कुमार पाल 9 नवंबर 2020 को मोटर साइकिल से अमेठी क्षेत्र गया था। लौटते समय धम्मौर कस्बे के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान लखनऊ में 10 नवंबर को उसकी मृत्यु हो गई। मृतक संदीप की मोटर साइकिल श्रीराम जनरल इंश्योरेंस से बीमित थी, जिसमें 15 लाख रुपये का पर्सनल एक्सीडेंट (पीए) कवरेज था। क्लेम अदा न करने पर परिवाद दायर किया गया था।

आप सांसद संजय सिंह के केस में सुनवाई टली

संवाददाता, सुलतानपुर : आदर्श चुनाव आचार संहिता और महामारी अधिनियम का उल्लंघन करने के मामले में अभियोजन गवाह वादी मुकदमा तत्कालीन एसओ प्रवीण कुमार के न आने से सुनवाई मंगलवार को 25 अगस्त तक टल गई। राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत 13 पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान 13 अप्रैल 2021 को हसनपुर में आम आदमी पार्टी की जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी सलमा बेगम पत्नी मक़सूद अंसारी के पक्ष में जनसभा करने का आरोप में तत्कालीन एसओ प्रवीण कुमार यादव ने केस दर्ज कराया था। मामले में आरोप तय हो चुके है तथा केस अभियोजन साक्ष्य में विचाराधीन है।

बीएलओ ड्यूटी को लेकर शिक्षक नाराज

● प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

कादीपुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी लगाए जाने का कड़ा विरोध जताया है। मंगलवार को कादीपुर, दोस्तपुर, अखंडनगर और करौंदीकला क्षेत्र के सैकड़ों शिक्षकों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

संघ के तहसील अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि शिक्षकों की बीएलओ जैसी गैर-शैक्षिक ड्यूटी में तैनाती से स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई और विभागीय कार्यों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि परिषदीय शिक्षकों को इस प्रकार की ड्यूटी से मुक्त रखा जाए। ज्ञापन देने वालों में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र नारायण मिश्र, तहसील प्रभारी रविंद्र यादव, करौदी कला अध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह, अखंडनगर अध्यक्ष विजय प्रताप समेत सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए।

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने पहुंचा शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल। ● अमृत विचार

लंभुआ नगर पंचायत का किया निरीक्षण

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचारः अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एस. सुधाकरन ने नगर पंचायत लंभुआ में टीआरएफ केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को नगर क्षेत्र के सभी वार्डों से नियमित कूड़ा उठान के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने आकांक्षी नगर योजना के तहत स्मार्ट क्लास का अवलोकन किया और उसकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं आसान तरीके से जनता को उपलब्ध कराने व गैप एनालिसिस के अनुसार प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम RAHUL से बदलकर RAHUL NISHAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-DHEERENDRA KUMAR NISHAD ADD-BENSING PURWA BAHUVAN MADAR MANJHA PURE AJAB DIST-GONDA-271504 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम MAIRAJ से बदलकर MAIRAJ KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MAINUDDIN ADD-TURANTI PURWA VIJAY GARHWA POST-PURE BASALAT DIST-GONDA-271603 (U.P)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी द्वारा कराई गई भारतीय जीवन बीमा निगम मे पालिसी संख्या 218341640 के पालिसी बांड मे प्रार्थिनी का नाम इनामुल निशा दर्शाया गया है, जबकि आधार कार्ड एवं बैंक खाता मे प्रार्थिनी का नाम अमीना अंकित है। दोनों नाम मेरा ही है। **प्रार्थिनी इनामुल निशा उर्फ अमीना पत्नी तकरार अली निवासिनी ग्राम मंगलनगर, पोस्ट-भैरमपुर, जिला-गोंडा (उप्र)**

सूचना

यह कि मैरे पुत्र मो. आलम का चाल चलन सही न होने कारण उससे संबध विच्छेद करते हुए चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब उसके द्वारा किए गए किसी कार्य से मेरी कोई जिम्मेदारी नही है वह अपने कार्यो का स्वंय जिम्मेदार होगा। **नविशेर शेख पुत्र रफीक निवासी निस्तौली थाना ठठिया जनपद कन्नौज**

सूचना

मेरा नाम प्रांजलि त्रिपाठी से बदलकर प्रांजल त्रिपाठी हो गया है। मुझे प्रांजल त्रिपाठी नाम से जाना पहचाना/लिखा जाएगा। **प्रांजल त्रिपाठी पुत्र डा. पाटेश्वरी प्रसाद त्रिपाठी, 87 धुसाह, बलरामपुर।**

सूचना

मैने अपना नाम (IRAFAN) इरफान से बदलकर (MOHD IRFAN) मो0 इरफान रख लिया अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **मो0 इरफान पुत्र श्री सुलेमान पता-4/82 रामनगर-4 बाराबंकी उत्तर प्रदेश**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्राची जैन आयु लगभग 31 वर्ष पत्नी रजत जैन निवासी ए-41, वैदेही नगर कालोनी तहसील सदर जिला अयोध्या सशपथ बयान करती हूं कि मेरे हाई स्कूल प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम DILIP KUMAR JAIN दर्ज है। जबकि मेरे पिता के आधार कार्ड में पिता का नाम DILEEP KUMAR JAIN दर्ज है। मेरे हाई स्कूल प्रमाण पत्र में एवं पिता के आधार कार्ड में दर्ज दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानी प्राची जैन के पिता का नाम है तथा दोनों नाम सत्य एवं सही है। अतः मेरे पिता का नाम आधार कार्ड के अनुसार ही मान्य होगा।
शपथी - प्राची जैन पत्नी रजत जैन, पता उपरोक्त

सूचना

मैं **सौम्य तिवारी** (Saumy Tiwari) **पुत्र विनय कुमार तिवारी, निवासी- एकता नगर कल्ली पश्चिम, रायबरेली रोड, जिला लखनऊ, उ0प्र0**, मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम Saumya Tiwari अंकित है जबकि आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम Saumy Tiwari अंकित हैं, जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा सही नाम Saumy Tiwari अंकित किया जाय।

सूचना

मैं **अरुण कुमार मिश्रा, पुत्र राज कुमार मिश्रा, निवासी 3/96 गांधी नगर, शुक्लागंज नेतुआ, गंगाघाट, जिला उन्नाव,** यह सूचित करता हूँ कि मेरे पुत्र अकुल मिश्रा की हाईस्कूल (10वीं) की अंकपत्र (मार्कशीट) रोल नंबर 1241126321 की मूल प्रति दिनांक 17.01.2025 को रास्ते में गिरकर गुम हो गई है। यदि किसी को यह दस्तावेज़ प्राप्त हो तो कृपया उपरोक्त पते या मोबाइल नंबर 8707080655 पर संपर्क करें।

सूचना

मैं, **सुनील शर्मा, पुत्र स्व. रामशंकर शर्मा, निवासी कंचन नगर बी, शुक्लागंज, थाना गंगाघाट, जिला उन्नाव,** यह घोषित करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र जीतेश शर्मा एवं पुत्रवधू तान्या शर्मा को उनके गलत आचरण, अमर्यादित व्यवहार एवं पारिवारिक विवादों के चलते अपने सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य, लेन-देन एवं व्यवहार से मेरा तथा मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं रहेगा।

सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मैंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UP Board) से हाईस्कूल (10वीं) वर्ष 2009, रोल नंबर: 1936301 तथा इंटरमीडिएट (12वीं) वर्ष 2011, रोल नंबर: 0747018 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मेरी हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की मूल मार्कशीट (Original Marksheet) कहीं गुम/खो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिली है। यदि किसी व्यक्ति को यह दस्तावेज प्राप्त हो तो कृपया नीचे दिए गए पते या मोबाइल नंबर पर संपर्क करें। ANIL KUMAR HAUSHILA PRASAD HARIJAN BASTI, SHAHGARH, AMETHI, 227411, मोबाइल नंबर: 7985275480, 8948095992

सूचना

मेरा पुत्र सत्यजीत उर्फ सचिन भदौरिया व पुत्रवधू शालू का शादी के बाद से चाल चलन अच्छा नहीं रहा। ससुराली जनों के कहने पर वह मुझे व मेरी पत्नी को प्रतिदिन प्रताडित करता है। जिससे पूरा परिवार तनाव में है इसलिए हम लोग सत्य जीत उर्फ सचिन व पुत्रवधू शालू को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। इनके द्वारा किए गये लेन देन से हम लोग जिम्मेदार नहीं होगें। **सुरेश सिंह भदौरिया पुत्र विश्वनाथ सिंह, प्रवंचना पत्नी सुरेश भदौरिया, निवासी- 637 अजीत नगर फेड्स कालोनी इटावा, मो0- 9045791204**

CORRECTION OF NAME

I Shalini Maurya (incorrect name) (Daughter's High School Marksheet). Residing at Saryou Nagar, Bahraich (dehat), Uttar Pradesh - 271801. Here by declare that there is a mistake in my daughter's High School Report card. So I want to correct it as Shalini Devi (correct name). Adhar number (6056 5545 8524) W/O. Nirmal Kumar Maurya.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I ALOK KUMAR DWIVEDI S/O VED PRAKASH DWIVEDI R/O 18, PACHAUR, FARRUKHABAD, TALGRAM RURAL, KANNAUJ, UTTAR PRADESH-209731 declare that name of my my minor son have been wrongly written as AYUSH DWIVEDI in my minor son namely AYUSHMAN ALOK DWIVEDI aged 16 years in his aadhaar card No. 2701 0696 5276. The actual name of my minor son is AYUSHMAN ALOK DWIVEDI which may be amended accordingly.

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर दिया जोर

● धनपतगंज ब्लॉक कांग्रेस की मासिक बैठक सम्पन्न

बल्दीराय/विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर, अमृत विचारः बल्दीराय तहसील क्षेत्र अंतर्गत धनपतगंज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक मंगलवार को सराय गोकुल गांव में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष हरख नारायण शुक्ला ने की, जिसमें ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक के कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बैठक के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। ब्लॉक अध्यक्ष हरख नारायण शुक्ला ने कहा, कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य हर बूथ पर मजबूत संगठन खड़ा करना है। कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान से किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जाएगा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी पूरी ताकत से खड़ी रहेगी। बैठक में वरिष्ठ नेता बाबा अरुण देव मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा व ऐतिहासिक उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

इस मौके पर कृपा तिवारी, शंकर प्रसाद मिश्रा, शैलेन्द्र मिश्रा, राम उचित दूबे, दया शंकर पाण्डेय, रमाकांत तिवारी समेत कई अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेड़ गिरने से बाधित रहा मार्ग, लोग परेशान

अखंडनगर, सुलतानपुर, अमृत विचारः सोमवार रात अखंडनगर से बेलवाई जाने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा कलान के पास एक बड़ा पेड़ अचानक सड़क किनारे गिर गया। पेड़ गिरने से शाहगंज, पवई, जौनपुर, आज़मगढ़, अंबेडकरनगर और अयोध्या की ओर जाने वाले यात्रियों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। रात्रि में मार्ग अवरुद्ध होने से सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कई घंटों की मशक्कत के बाद रास्ता साफ कराया, जिससे यातायात सामान्य हो सका।

सवर्ण आर्मी ने आंदोलन की दी चेतावनी

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

आरोपी की गिरफ्तारी को धरने पर बैठे सवर्ण आर्मी के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः हलियापुर-बेलवाई मार्ग पर बंझना गांव निवासी चंदन शर्मा (22) की एक अगस्त की रात कार से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। घटना से पूर्व चंदन का जेसीबी चालक से विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के बाद कार सवार अमित यादव, सचिन यादव और पिंटू यादव ने उसे जानबूझकर कुचल दिया। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया, लेकिन चार दिन बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई, जिससे क्षेत्र में आक्रोश है।

मंगलवार को सवर्ण आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष सूरज चौबे, जिलाध्यक्ष सतीश पांडेय व अन्य पदाधिकारी पीड़ित परिवार से मिले। इसके बाद संगठन ने एसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और 24 घंटे में गिरफ्तारी व 50 लाख मुआवजा की मांग की।

● चंदन शर्मा हत्याकांड : 4 दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं

चेतावनी दी गई कि कार्रवाई न होने पर बड़ा आंदोलन होगा। इस बीच, सोशल मीडिया पर आवाज उठाने पर विपिन यादव द्वारा ब्राह्मण समाज को गाली देने और धमकी देने का मामला भी सामने आया। पीड़ित बृजेश तिवारी की तहरीर पर कूरेभार थाने में केस दर्ज हुआ।

आस्था | बड़का मंगल पर हजारों हनुमान भक्तों ने किया दर्शन-पूजन

विजेथुआ महावीरन धाम में उमड़ी भक्तों की भीड़

सूरापुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः नागपंचमी के बाद पड़ने वाले पहले मंगलवार को बड़का मंगल पर्व के रूप में मनाए जाने की परंपरा के तहत विजेथुआ महावीरन धाम में मंगलवार को हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में पहुंचे हनुमान भक्तों ने भोर से ही दर्शन-पूजन के लिए कतारें लगानी शुरू कर दी थीं।

श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचने से पहले मकरी कुंड सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई और लड्डू, माला, फूल तथा मीठी पूड़ी-रोट चढ़ाकर हनुमान जी का विधिवत पूजन किया। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि मंदिर परिसर के चारों ओर 15 स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रोकी गई थी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए सर्किल के थानों की फोर्स के साथ महिला पुलिस बल भी मुस्तैद रहा। मौके पर चार इंस्पेक्टर, दस सब इंस्पेक्टर, 30 कांस्टेबल व महिला कांस्टेबल तैनात किए गए थे। साथ ही 15 प्वाइंट पर बैरियर लगाकर भीड़ प्रबंधन किया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों के चलते मंदिर परिसर दिन भर आस्था के जयकारों से गूंजता रहा।

बाबा विजेथुआ नाथ का दर्शन पूजन करते भक्त।

दर्शन के लिए लगी भक्तों की कतारें। ● अमृत विचार

लोकनृत्य, निबंध व पेंटिंग प्रतियोगिता में दिखाई मेधा

जिला संवाददाता, सुलतानपुर अमृत विचारः राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत मंगलवार को केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय लोकनृत्य, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रधानाचार्या पल्लवी सिंह रहीं, जिन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए रचनात्मक प्रस्तुति पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपा द्विवेदी ने किया तथा परियोजना की नोडल डॉ. बबिता जैन ने प्रतियोगिता का परिचय प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल में निबंध के लिए डॉ. अजय कुमार सिंह, पेंटिंग के लिए विजय कुमार और लोकनृत्य के लिए रोली श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। सभी निर्णायकों ने प्रतिभागियों को उपयोगी सुझाव भी दिए। प्रतियोगिता के परिणामों में केशकुमारी विद्यालय की टीम ने लोक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। निबंध में शिवांशी त्रिपाठी प्रथम, प्रिंसी द्वितीय व अंकुर तृतीय रहे। पेंटिंग में निष्ठा प्रथम, सृष्टि द्वितीय और पुष्पेंद्र यादव तृतीय स्थान पर रहे।

न्यूज ब्रीफ

दिव्यांग छात्रों की जानी समस्याएं

रुपईडीह, अमृत विचार। ब्लॉक के प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक व कंपोजिट विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की बैठक ब्लॉक संसाधन केंद्र पर आयोजित की गई। बीईओ मनीष कुमार सिंह ने बताया कि इस बैठक में विशेष शिक्षक पंचराम यादव व मंजू यादव द्वारा अभिभावकों से उनके छात्र-छात्राओं की समस्याओं बारे में जानकारी हासिल करते हुए शासन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया।

प्रधान ने बिजली खंभे लगाने की मांग की

रुपईडीह, अमृत विचार। ब्लॉक की ग्राम पंचायत निबिहा परसपुर में पर्याप्त संख्या में बिजली के खंभे न लगाए जाने की शिकायत प्रधान शिवनाथ तिवारी ने विधायक बावन सिंह से की है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में पर्याप्त बिजली के खंभे न लगाए जाने से सभी उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से बिजली नहीं मिल पा रही है। उन्होंने बताया कि खंभों को लगाए जाने की मांग विद्युत उपकेंद्र इटियाथोक के अवर अभियंता से कई बार की गई लेकिन उनके द्वारा कोई सुनवाई नहीं की गई।

गैंगस्टर का आरोपी गिरफ्तार

उमरी बेगमगंज, गोंडा : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान में उमरी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में आरोपी एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट में थाना वजीरगंज में वांछित चल रहे सुरेश कुमार पुत्र बरखूराम निवासी सिझौलिया थाना अकबरपुर जनपद अंबेडकर नगर को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया गया।

पैकिंग कार्य के चलते 3 घंटे बंद रहेगी क्रासिंग

करनैलगंज : गोंडा-बुढ़वल रेल मार्ग पर नवनिर्मित तीसरी लाइन का मशीन से पैकिंग कार्य के चलते बुधवार को यानि 06 अगस्त को दिन में 11 बजे से दो बजे तक समपार फाटक संख्या 286 कटरा शाहबाज पुर पर वाहनों का आवागमन प्रभावित रहेगा। इस मार्ग से गोंडा लखनऊ जाने वाले वाहनों का डायवर्जन किया जाएगा। यह जानकारी रेलवे के आईओडब्ल्यू निर्माण अवधेश सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि रेलवे जवानों के अलावा रोड पर ट्रैफिक कंट्रोल के लिए स्थानीय पुलिस की भी तैनाती के लिए प्रभारी निरीक्षक को पत्र दिया गया है। कहा कि निर्धारित के बीच तीन घण्टों के लिए आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा।

बचत बैंक खातों पर न्यूनतम बैलेंस शुल्क में पूर्ण माफी

गोंडा : देश के प्रमुख राष्ट्रीयकृत एवं जिले के अग्रणी बैंक, इंडियन बैंक ने ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए तथा ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए, बचत बैंक खातों में न्यूनतम बैलेंस पर लागू प्रभावी शुल्क को पूर्ण रूप से माफ करने की घोषणा की है। इससे विशेष रूप से उन ग्राहकों को लाभ होगा जो निर्धारित न्यूनतम मासिक औसत बैलेंस बनाए नहीं रख पाते हैं। जानकारी देते हुए बैंक के अंचल प्रमुख राजेश बडोरिया ने बताया कि वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे विशेषकर महिलाओं, किसानों एवं निम्न आय वर्ग के खाताधारकों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। यह निर्णय दिनांक 7 जुलाई से प्रभावी हो गया है। अंचल प्रमुख ने पी एम सूर्य घर योजना के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि इंडियन बैंक 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना' के तहत रूफटॉप सोलर लगाने के लिए लोन देता है।

राजेश बडोरिया।

बाढ़ में तीन घर नदी में समाए, तीन घर आए जद में

तरबगंज के चार गांव बाढ़ के पानी से घिरे, ऐली परसौली सहित सभी चौकियों अलर्ट

घाघरा नदी के किनारे बसे गांव के लोगों को हिदायत देते अधिकारी। अमृत विचार

लंच पैकेट लेने के बाद जियो टैगिंग करते प्रशासन के लोग। अमृत विचार

संवाददाता, उमरी बेगमगंज, गोंडा

अमृत विचार : नेपाल द्वारा 3 लाख 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद तरबगंज तहसील के दर्जनों गांव में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। नेपाल द्वारा छोड़े गए पानी से नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। बेलसर ब्लॉक के चार गांवों में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे रिहायशी इलाकों की तरफ बढ़ रहा है। ऐली परसौली सहित सभी बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया गया है। फिलहाल बाढ़ की आशंका के बीच माझा वासियों को रोजी-रोटी की चिंता सताने लगी है।

ऐली परसौली में घाघरा का तांडव जारी हो चुका है। दक्षिणी माझा बाढ़ की चपेट में आ गया जिससे 500 की आबादी प्रभावित है। इस बाबत एसडीम तरबगंज विश्वमित्र सिंह ने बताया कि बाढ़ क्षेत्र पर सतर्कता से निगरानी की जा रही है। लंच पैकेट का वितरण कराया जा रहा है। बाढ़ की आशंका के बीच कटान तेज हो गई है जिससे ऐली परसौली में शिवदयाल, सुदर्शन व अर्जुन का घर नदी में कट गया। वहीं तेलमहन पुरवा के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। यहां जगदीश पुत्र ननकाई व छोटकू पुत्र शतान का घर भी कटान की जद में आ चुका है।

आधार फीडिंग के साथ फोटो अपलोड करने पर ही मिलेगा लंच

उमरी : बाढ़ का सितम जारी है। मुख्यमंत्री ने सभी बाढ़ पीड़ितों को राहत मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं लेकिन राहत कार्यालय से जारी किया गया फरमान बाढ़ पीड़ितों पर भारी पड़ रहा है। अब लंच पैकेट/ राहत सामग्री पाने के लिए बाढ़ पीड़ितों को अपना काम छोड़कर घंटों लाइन में लगना पड़ेगा, क्योंकि राहत सामग्री वितरण पोर्टल पर आधार फीडिंग के साथ ही फोटो अपलोड करने पर ही लंच पैकेट मिल सकेगा। बाढ़ पीड़ितों को राहत मुहैया कराने के लिए राहत सामग्री वितरण पोर्टल बनाया गया है। जिस पर बाढ़ पीड़ित का पूरा ब्यौरा भरने के बाद ही उसे सरकारी सहायता दी जाएगी। लंच पैकेट के लिए राहत सामग्री वितरण पोर्टल पर बाढ़ पीड़ित का नाम, पिता का नाम, उम्र, लिंग, पता, व्यवसाय की जानकारी भरने के बाद आधार फीड करके जिओ टैग के माध्यम से फोटो अपलोड करने के बाद ही उसे लंच पैकेट मिल पाएगा। ऐसे में एक दिन में हजारों बाढ़ पीड़ितों को लंच पैकेट उपलब्ध करवा पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लग रहा है।

कोई भी बाढ़ पीड़ित तभी अपने घर से बाहर निकलता है जब उसके घर में पानी घुसने लगता है और ऐसे में आधार ढूंढ कर अपनी जेब में नहीं रखता बल्कि पानी में घुसते हुए अपनी जान बचाकर सुरक्षित स्थान की ओर जाता है अब सवाल यह है क्या बिना आधार के उसे लंच पैकेट मिलेगा या नहीं। यदि लंच पैकेट के लिए आधार मांगा जा रहा है तो यह गंभीर समस्या है। व्यवस्था को सहज बनाने के लिए शासन स्तर पर बात करके समस्या का निराकरण कराया जाएगा। सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बाढ़ पीड़ितों की हर संभव सहायता की जाएगी।

-प्रेम नरायन पांडे, विधायक, तरबगंज

मनकापुर रेलवे क्रासिंग पर 12 घंटे बंद रहा यातायात

मनकापुर (गोंडा)। मंगलवार को कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रेलवे समपार संख्या 245 एसपीएल पर डाउन लाइन की मरम्मत कार्य के कारण सुबह 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहा।

रेलवे स्टेशन अधीक्षक अनूप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि डाउन ट्रैक पर मरम्मत के दौरान रेलगाड़ियों को कासन में चलाया गया। यातायात बाधित रहने की सूचना स्थानीय पुलिस को मेमो के जरिए पहले ही भेज दी गई थी। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाठक ने बताया कि रेलवे के मेमो के अनुसार भारी वाहनों को समपार संख्या 247 एसपीएल झिलाही के रास्ते डायवर्ट किया गया, जबकि दोपहिया और छोटे चारपहिया वाहनों का आवागमन बन्दरहा क्रासिंग से डाइवर्ट किया गया। हालाकि मरम्मत के मुख्य समय में सभी प्रकार के वाहन बंद रहे। इस मरम्मत से पहले ट्रैक किनारे फैले पत्थरों के कारण रोड पर चलना मुश्किल हो गया था। अब रबर रोड प्लेट लगाए जाने से आवागमन में सुविधा होगी।

अभिमान से होता है पतन है: रविशंकर

गोंडा : श्री पार्थिव पूजन सेवा समिति द्वारा आयोजित पंचवटी श्री सीताराम आश्रम रिसिया के तत्वाधान में सवा लाख पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा बड़गांव पुलिस चौकी के समीप एक निजी मैरिज लॉन में आयोजित हो रही है। कथा के सातवें दिन मंगलवार को पार्थिव पूजन, रुद्राभिषेक का पूजन मधु मिश्रित जल से अभिषेक हुआ। कथा में रविशंकर महाराज गुरु भाई ने कहा कि अभिमान से पतन होता है। कथा में मुख्य यजमान आरती सोनी एवं संतोष सोनी रहे। संदीप मेहरोत्रा, शिव शंकर सोनी, रवि सोनी, अमित सोनी मौजूद रहे।

जलस्तर बढ़ने से घाघरा ऊफनाई, खतरा बिंदु से 37 सेमी ऊपर

- बाढ़ खंड ने बढ़ाई बांध की निगरानी, तहसील प्रशासन अलर्ट

करनैलगंज, अमृत विचार : मौजूदा सीजन में विगत रविवार को डेंजर लेबल लांघने के बाद बढ़त बना चुके घाघरा के जलस्तर ने आखिर मंगलवार को डेंजर लेबल से 37 सेमी ऊपर जाकर लगातार बढ़त बनाए है। उधर घाघरा का उफनाया पानी बांध के भीतरी भाग में स्थित गोंडा व बाराबंकी के गांवों में रहने वाले लोगों के खेतों सहित खाली पड़ी जमीन व रास्तों पर भरना शुरू हो चुका है। अभी तक घाघरा की बाढ़ से किसी गांव के मजरे प्रभावित नहीं हुए हैं। फसलों व रास्तों में पानी भर जाने से गोंडा व बाराबंकी की सरहद वाले गांव जो बांध व नदी के भीतरी हिस्से में स्थित है वे गांव ही प्रभावित हुए हैं। फिलहाल घाघरा के पानी का फैलने का क्रम जारी है। बैराजों से हो रहे डिस्चार्ज का असर सोमवार से दिखना शुरू हो चुका है।

तहसील प्रशासन ने सभी बाढ़ चौकियों को अलर्ट मोड पर रखा है। लेकिन बाढ़ चौकियों पर सिर्फ इक्का दुक्का राजस्व कर्मियों को छोड़कर अन्य विभागों के कर्मचारी दिखाई नहीं दे रहे है। बाढ़ चौकियों पर जिले के अधिकारियों के पहुंचने का सिलसिला तेज हो चुका है। उधर बाढ़ खंड के अभियंता लगातार बांध पर कैम्प कर बांध का दौरा कर रहे है। क्योंकि बाढ़ का पानी अब बांध से सटकर बह रहा है। ऐसे में कहीं से भी रैटहोल या सीपेज के चलते कोई चूक न होने पाये इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। बांध पर मौजूद एईपंकज आर्या ने बताया कि फिलहाल कटान रूकी हुई है।

बांध से सटकर बहती घाघरा। अमृत विचार

बाढ़ चौकियां सक्रिय, पर कर्मचारी नदारद

तहसील प्रशासन द्वारा बाढ़ चौकियों को सक्रिय करने के दावे को उस समय झटका लगा जब मंगलवार को अमृत विचार टीम नकहरा गांव पहुंची। यहां गौरासिहनापुर में बाढ़ चौकी बनाने का दावा किया जा रहा है। लेकिन यहां पहुंचने पर सिर्फ एक व्यक्ति स्कूल में बैठा मिला। पूछने पर बताया कि सिर्फ राजस्व कर्मचारी ही उपस्थित है। बाकी किसी विभाग का कोई कर्मचारी या अधिकारी बाढ़ राहत कार्य में मौजूद नहीं है। यही नजारा लगभग हर बाढ़ चौकियों पर देखने को मिला। लेकिन पानी अधिक होने से बांध की निगरानी करवाई जा रही है। उधर राजस्व कर्मियों से संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी करवाई जा रही है। इधर बाढ़ से जुड़े अन्य तमाम विभाग संवेदनहीन नजर आ रहे है। जो भी बाढ़ चौकियां सक्रिय की गयी है। वहां सिर्फ राजस्व विभाग के कर्मचारियों को छोड़कर अन्य किसी विभाग का कोई कर्मचारी या अधिकारी नजर नहीं आ रहा है। जिससे बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों को अन्य किसी भी प्रकार की और कोई सहायता नहीं मिल पा रही है।

चलते वाहन से शव फेंके जाने के मामले में 27 लोगों पर एफआईआर

- वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने की कार्रवाई
- आरोपियों पर भीड़ के उकसाने व शव का अपमान करने का आरोप

गोंडा, अमृत विचार : देहात कोतवाली क्षेत्र के बालपुर जाट गांव के समीप चलते शव वाहन से मृतक हृदयलाल चौहान के शव को सड़क पर फेंकने और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अख्तियार किया है और वायरल विडियो का संज्ञान लेते हुए 12 नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

देहात कोतवाली क्षेत्र के बालपुर जाट गांव के रहने वाले हृदयलाल चौहान (27) की दबंगों की पिटाई के चार दिन बाद सोमवार को इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव वाहन से शव लेकर गोंडा आ रहे थे। बालपुर जाट के पास पहले से ही 50-60 लोग एकत्रित थे। वे शव को रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन करना चाहते थे। जैसे ही शव वाहन पहुंचा, लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। मौके पर मौजूद देहात कोतवाली और करनैलगंज कोतवाली पुलिस ने शव को गाड़ी से नहीं उतरने दिया और गांव ले जाने को कहा। इसी बीच परिजन और एंबुलेंस चालक स्ट्रेचर पर शव को लादकर तेज रफ्तार से चले। करीब 20 मीटर दूर पहुंचते ही उन्होंने स्ट्रेचर पर रखे शव को नीचे फेंक दिया। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। देहात कोतवाली पुलिस ने मृतक हृदयलाल चौहान के साथ मारपीट करने वाले चारों नामजद आरोपी रामकिशोर, जगदीश, पंकज और चंदन को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि चार अगस्त की भोर को घायल हृदयलाल की उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी थी। पोस्टमार्टम के उपरांत शव को शव वाहन से लखनऊ से गोंडा उनके गांव ले जाया जा रहा था। रास्ते में बालपुर जाट गांव के पास परिवार वालों द्वारा कुछ लोगों के उकसावे में आकर जो चलता हुआ शव वाहन था परिजनों द्वारा उसमें से शव उतार लिया गया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहां पर उपस्थित पुलिस बल द्वारा लोगों को समझाया बुलाया गया और शव को ससम्मान गाड़ी में वापस रखकर उनके गांव पहुंचाया गया जहां पर कल परिजनों द्वारा पूरे रीति विवाद के साथ उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

13 से 15 अगस्त तक हर घर पर फहराएगा तिरंगा

गोंडा, अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर "हर घर तिरंगा" अभियान को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करता है, बल्कि आमजन में देशप्रेम और एकता की भावना को भी मजबूत करता है। तिरंगे की आपूर्ति, वितरण और प्रचार-प्रसार की सभी व्यवस्था कर लिया जाए।

वाहन की टक्कर से टूटा हाईटेंशन पोल, विद्युत व्यवस्था चरमराई

करनैलगंज, अमृत विचार : गोंडा लखनऊ मार्ग पर हाइटेंशन बिजली के खंभे को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया, जिससे खंभा और तार मार्ग पर गिर गया। करीब दो घंटे तक मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। बिजली विभाग के कर्मचारियों के पहुंचने और तार को काटने के बाद आवागमन बहाल हो सका। घटना सोमवार को रात्रि करीब दस बजे की है जब ग्राम भालियन पुरवा के निकट पिपरी मोड़ के पास 11 हजार की बिजली लाइन को लखनऊ रोड से क्रास किया गया था। किसी अज्ञात वाहन ने एक तरफ के खंभे को टक्कर मार दिया। जिससे खंभा रोड पर झुक गया और बिजली के तार में करेंट दौड़ रहा था। तार एक साथ मिल जाने से तेज धमाका हुआ, जिससे बिजली कट गई।

सिटी डायरी

खेल कोच साजन को सम्मानित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

खेल कोच को राज्यपाल ने किया पुरस्कृत

गोंडा : डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डा बिजेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रही। कार्यक्रम में राजा देवी बख्श सिंह अवधराज सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय डुमरियाडीह के खेल प्रशिक्षक साजन सिंह को उत्कृष्ट कोच के लिए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद के सचिव प्रो आशीष प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय के खेल प्रशिक्षक साजन ने उक्त सफलता का श्रेय महाविद्यालय के प्रबंधक रमेश प्रताप सिंह व समस्त महाविद्यालय परिवार को दिया। इस अवसर पर प्रबंधक रमेश प्रताप सिंह ने साजन को शुभकामनाएं दी।

रक्तदान करते लायंस क्लब के सदस्य।

लायंस क्लब गोंडा सेवा ने लगाया गया निशुल्क रक्तदान शिविर

गोंडा, अमृत विचार : हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंगलवार को लायंस क्लब गोंडा सेवा के सदस्यों ने रक्तदान किया। एसपीएम हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में निशुल्क रक्तदान शिविर लगाया गया। इस रक्तदान शिविर में में 20 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में अध्यक्ष लायन बसंत नेवटिया, कोषाध्यक्ष लायन राजीव अग्रवाल, लायन डॉ. मृणाल पांडे, लायन डॉ. केके मिश्रा, लायन राजकुमार जायसवाल, लायन अजय मित्तल, लायन विवेक लोहिया, लायन सुमन मित्तल, लायन करुणा नेवटिया, लायन पूनम लोहिया व लायंस क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सम्मान प्राप्त करते साहित्यकार आरके नारद।

साहित्यकार रामकुमार नारद को मिला 'विद्या वाचस्पति' सम्मान

मनकापुर, गोंडा : क्षेत्र के ख्यातिप्राप्त साहित्यकार रामकुमार नारद को काशी हिंदू विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विद्यापीठ के कुलसचिव इंद्रजीत तिवारी निर्भीक एवं उपकुलपति डॉ. ओम प्रकाश द्विवेदी ने प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन वाराणसी में किया गया। इस अवसर पर रामकुमार नारद की बहुचर्चित काव्य कृति गीत पलाश का भव्य विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थित साहित्यकार प्रदीप कुमार गुप्ता, संजय कुमार पांडे सरस, डॉ. प्रमोद वाचस्पति आदि शामिल रहे।

पीएम अभ्युदय योजना से मिलेगा 50 हजार का अनुदान

- जिले के अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को मिलेगा लाभ

गोंडा, अमृत विचार : अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को रोजगार के लिए प्रधानमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत 50 हजार रुपये का अनुदान दिया जायेगा। योजना के तहत लाभार्थी की आयु 18 से 50 वर्ष के मध्य रखी गयी है। साक्षर होना अनिवार्य किया गया है।

योजना के घटक ग्रान्ट इन ऐड योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के अभ्यर्थी 3 लोगों का समूह बनाकर या फिर कलस्टर के रूप में अपनी इकाई स्थापित कर सकते है। इसमें लाभार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण उनके सम्बन्धित व्यवसाय के अनुसार दिया जायेगा तथा प्रति व्यक्ति 50 हजार रुपये अथवा परियोजना लागत का 50 प्रतिशत जो कम हो सरकारी अनुदान के रूप में मिल सकेगा। परियोजना लागत का 5 प्रतिशत लाभार्थी अंशदान एवं शेष धनराशि बैंक के माध्यम से ऋण के रूप में प्राप्त होगी। इस योजना के अन्तर्गत बुटीक व्यवसाय, ब्यूटी पार्लर, सोलर पैनल इन्सटालैशन टेक्निशयन, लाजिस्टिक वाहन चालक, कीऑस्क, किराना दुकान या जनरल स्टोर, सर्विस आधारित फोटोग्राफ और वीडियोग्राफर, आटो रिक्शा आदि कार्य करने के लिए अनुदान मिल सकेगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि लाभार्थी कार्यालय में उपस्थित होकर आफलाइन आवेदन कर सकते हैं अथवा वेबसाइट के माध्यम से आनलाइन आवेदन भी कर सकते है। आवेदक का चयन प्रथम आवत प्रथम पावत के आधार पर किया जायेगा।

यह होंगी योजना की पात्रता एवं शर्तें

योजना के तहत आवेदन करने वाले लाभार्थी अनुसूचित जाति का व्यक्ति एवं जनपद का निवासी हो। आयु 18 से 50 वर्ष के मध्य हो। परियोजना की अनुसाक साक्षर होना अनिवार्य है। लाभार्थी पूर्ण कलस्टर एवं समूह के रूप में कार्य करने का इच्छुक हो। पूर्व में निगम द्वारा संचालित योजनाओं का बकायेदार या डिफाल्टर न हो तथा ओटीएस के माध्यम से ऋण की अदायगी न की हो।

सक्रियता | सरयू घाट से लेकर पृथ्वीनाथ तक प्रकाश, सफाई, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश

डीएम ने कांवड़ मेले की तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता, करनैलगंज, गोंडा

सरयू घाट पर कांवड़ मेले की तैयारी का जायजा लेतीं डीएम प्रियंका निरंजन।

अमृत विचार : देवीपाटन मंडल के सबसे बड़े कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। मंगलवार को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने अधिकारियों की टीम के साथ करनैलगंज के कटरा सरयू घाट का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने नदी में फैली सिल्ट और जलकुंभी को तत्काल साफ कराने, उबड़-खाबड़ रास्तों को समतल करने, घाट परिसर की झाड़ियों को काटने तथा पूरे क्षेत्र में साफ-सफाई के विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रकाश, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, मेडिकल कैंप, शौचालय, विश्राम स्थल, फायर सेफ्टी और नदी में बैरिकेडिंग सहित स्थायी रैंप निर्माण को लेकर भी सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

डीएम ने बताया कि 24 व 25 अगस्त को जिले में हरतालिका तीज पर आयोजित होने वाले कांवड़ मेले में इस बार लगभग 15 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। श्रद्धालु सरयू नदी से जल भरकर खरगूपुर स्थित पृथ्वीनाथ मंदिर, दुखहरण नाथ मंदिर गोंडा, बरखंडी नाथ मंदिर करनैलगंज और लोधेश्वर नाथ महादेव मंदिर रामनगर में जलाभिषेक करेंगे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने सरयू नदी में बैरिकेडिंग, जल पुलिस, एसडीआरएफ और मोटर बोट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खोया-पाया केंद्र की स्थापना तथा रूट डायवर्जन की प्रभावी योजना पर भी जोर दिया गया। डीएम ने विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश पुलिस प्रशासन को दिए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय, मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि वर्मा, चेयरमैन प्रतिनिधि रामजीलाल मोदनवाल, नगर पालिका ईओ सुरभि पाण्डेय, सीएचसी अधीक्षक अनुज कुमार, कोतवाल तेज प्रताप सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता के लिए प्रमाण पत्र देते आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील।

मंडल में मेरा घर मेरा रास्ता अभियान को गति देने की मुहिम

गोंडा : मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 एवं ओडीएफ प्लस के स्थायित्व तथा सृजित परिसंपत्तियों की क्रियाशीलता के सम्बन्ध में मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। मण्डलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण के लिए विकास खण्ड स्तर से समस्त खण्ड प्रेरक, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), खण्ड विकास अधिकारी, समस्त जिला कन्सलटेन्ट, जिला पंचायत राज अधिकारी को क्रियान्वयन के निर्देश दिये। आयुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण में अच्छा कार्य करने वाले जनपदों को बधाई दी एवं डीपीआरओ व अन्य को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

अमृत विचार

अयोध्या, बुधवार, 6 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बाबा साहब पर अभद्र टिप्पणी, दो पर केस

बहराइच, अमृत विचार : मोतीपुर थाना क्षेत्र के दो युवकों ने बाबा साहब के बारे में सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी कर दी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गायघाट निवासी भूरे उर्फ विपिन और अंकित ने बाबा साहब के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी की थी। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों के खिलाफ शांति भंग करने के मामले में निरोधात्मक कार्रवाई की है। मामले की जांच उप निरीक्षक अमरीश गिरी कर रहे हैं।

बाघ की तलाश में पेट्रोलिंग जारी

नवाबगंज, बहराइच, अमृत विचार : बाघ निकलने पर वन कर्मियों ने सोमवार शाम ग्रामीणों को जागरूक किया। अब्दुल्लागंज वनरेंज के किनारे चनैनी गांव के ग्रामीणों ने खेतों में बाघ को देखा था। वन विभाग की टीम ने पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। वन रेंज अधिकारी पंकज साहू ने बताया कि वन कर्मियों द्वारा निरंतर पेट्रोलिंग की जा रही है। तथा आम लोगों को हिंसक जीव से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान पेट्रोलिंग में वनरक्षक सुरेश वर्मा, देव वर्मा ,आदि मौजूद रहे।

7 उर्वरक विक्रेताओं को दी नोटिस

बहराइच, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी की टीम ने मंगलवार को जिले में उर्वरक की कालाबाजारी को लेकर छापेमारी की। औचक निरीक्षण कर 7 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी की गयी। जिला कृषि अधिकारी डॉ. सुबेदार यादव ने अभिलेख अपूर्ण रहने पर पटेल बीज भंडार एवं मे. छेदी राम वर्मा खाद भंडार, मौर्य कृषि केंद्र, गुलशन खाद भंडार, गोविंद कृषि केंद्र, बर्मा खाद भंडार, अबरार अहमद खाद भंडार को निरीक्षण के समय दुकान बंद रहने के कारण नोटिस जारी की।

भ्रमणशील रहकर स्थिति पर रखें नजर

घाघराघाट स्थित गेज स्टेशन व बाढ़ चौकी का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : जनपद में संभावित बाढ़ के दृष्टिगत राहत व बचाव कार्यों के लिए की गई तैयारियों का स्थलीय जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने घाघराघाट स्थित केन्द्रीय जल आयोग के गेज स्टेशन एवं घाघराघाट बाढ़ चौकी का निरीक्षण किया।

उन्होंने मौके पर मौजूद उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह से नदियों के जलस्तर, बाढ़ राहत कैम्प, कटान तथा राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि युद्ध स्तर पर सतर्कता बनायी रखी जाय। बाढ़ के दृष्टिगत भ्रमणशील रहते हुए अतिसंवेदनशील स्थलों की निगरानी रखी जाय। डीएम श्री त्रिपाठी ने घाघराघाट से ही जिला मुख्यालय पर स्थापित बाढ़ राहत कन्ट्रोल रूम के नम्बर पर फोन लगाकर मौजूद कर्मचारियों की उपस्थिति इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कलेक्ट्रेट सभागार में जानकारी देते प्रभारी डीएम व मौजूद पुलिस अधीक्षक।

बाढ़ से निपटने की तैयारियां पूरी

बहराइच, अमृत विचार : प्रभारी जिलाधिकारी/सीडीओ मुकेश चन्द्र ने पत्रकारों को बताया कि घाघरा, शारदा व सरयू नदियों के पानी से जनपद में मिहींपुरवा, नानपारा, महसी व कैसरगंज तहसील प्रभावित होते है। सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत एसओपी के अनुसार सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। खाद्य सामग्री, चारा-भूसा का टेण्डर हो गया है। जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नम्बर 05252-230132 है। सम्भावित बाढ़ के दौरान बचाव एवं राहत कार्यो का संचालन इलेक्शन मोड में सम्पादित किया जायेगा।

सावन महोत्सव

भारत विकास परिषद की ओर से हरियाली रिसोर्ट में सावन महोत्सव आयोजित किया गया। परिषद के प्रांतीय महासचिव डॉ. प्रदीप कुमार गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। प्रियंका रावत के नेतृत्व में हेमा निगम द्वारा सावन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। एकल विद्यालय अजीजपुर के बच्चों ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। मंजू निगम, महिमा, जयप्रकाश व रितेश ने संचालन किया। शाखा अध्यक्ष राजेश गोयल, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गुप्ता, सचिव सत्येंद्र निगम, महिला सहभागिता प्रमुख प्रियंका रावत, सचिव बैजनाथ रस्तोगी, प्रांतीय प्रकल्प प्रमुख जयप्रकाश सक्सेना, प्रांतीय उपाध्यक्ष राकेश दोचानिया, जिला समन्वयक अजय ड्रोलिया, रितेश रस्तोगी, प्रदीप केडिया, अतुल गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, हरिश्चंद्र गुप्ता, अनिल गोयल आदि मौजूद रहे। ● अमृत विचार

कटान में समाये फूस के पांच घर

खैरीघाट, बहराइच, अमृत विचार : शिवपुर में बाढ़ से नदियों का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच चुका है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में ग्राम पंचायत चौकसाहार के मजरा झुण्डी में मंगलवार नदी के किनारे बसे 5 परिवारों के आवासीय फूस के मकान पानी बढ़ने से कट गए। इनमें नंदराम, ओंकार, रुद्रसेन, शिवराम, सीता देवी के मकान शामिल हैं। लेखपाल पंकज यादव ने बताया कि पड़ोसी देश से पानी छोड़े जाने के कारण नदी का जलस्तर बहुत तेजी से बढ़ रहा है तथा आज 5 लोगों के मकान कट गए जिनकी रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। एसडीएम लाल धर यादव सूचना मिलने पर पहुंचे तथा पीड़ितों को भोजन तथा रहने की व्यवस्था करायी।

बढ़ता ही जा रहा घाघरा का जलस्तर। ● अमृत विचार

घाघरा और सरयू ने पार किया खतरे का निशान

बहराइच, अमृत विचार : जिले में लगातार तीन दिनों से हो रही बरसात के बाद भी बाढ़ की स्थिति नहीं है। प्रशासन ने बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयारी पूरी कर ली है। वैसे एल्गिन ब्रिज पर घाघरा और सरयू नदी खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सोमवार को 17 मिली मीटर वर्षा रिकार्ड की गई। नेपाल के बनबसा बैराज से गिरजापुरी बैराज और गोपिया बैराज में काफी मात्रा में पानी छोड़ा गया है। गिरजा बैराज पर खतरे के निशान 136 .78 के सापेक्ष नदी 135 .60 पर बह रही है। सरयू नदी 133 .500 के सापेक्ष 132 .00 तथा घूर देवी पर नदी का जलस्तर 112 .150 के सापेक्ष 112 .04 है। एल्गिन ब्रिज पर खतरे का निशान 106 .07 है जबकि नदी का जलस्तर 106 .440 है। नदी खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है।

पर्वों पर रहेगी बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था

बहराइच, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार की शाम प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र व पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह ने बताया कि पर्वों पर पूर्व की भांति बेहतर पुलिसिंग की व्यवस्था रहेगी। रक्षाबन्धन के अवसर पर सुचारु यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिए व्यापक प्रबन्ध किये जा रहे हैं। चेहल्लुम पर मोहर्रम की भांति सुरक्षा व्यवस्था के प्रबन्ध किये जायेंगे। श्री सिंह ने कहा कि त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए ग्राम सुरक्षा समितियों को भी सक्रिय किया गया है।

दिल का दौरा पड़ने से विधायक आनंद यादव की बिगड़ी तबीयत

संवाददाता, कैसरगंज, बहराइच

अमृत विचार : कैसरगंज के विधायक आनंद यादव एडवोकेट को लखनऊ से घर लौटते समय रास्ते में दिल का दौरा पड़ गया। सीएचसी जरवल मुस्तफाबाद में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ के लारी कार्डियोलॉजी संस्थान में रेफर किया गया, जहां समय पर उपचार मिलने के कारण अब उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

आनन्द यादव।

जानकारी के अनुसार, जब वे लखनऊ से वापस आ रहे थे और मसौली के पास पहुंचे, तभी उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ गया। संयोगवश, उनके पीछे ही जरवल सीएचसी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक सिंह अपनी गाड़ी से जरवल लौट रहे थे। उन्होंने तुरंत विधायक को अपनी गाड़ी में बैठाया और रामनगर से दवा लेकर उन्हें खिलाई, फिर सीएचसी जरवल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, स्थिति गंभीर होने पर उन्हें तत्काल लारी कार्डियोलॉजी के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल लारी कार्डियोलॉजी में उनका इलाज चल रहा है।

लक्ष्य के लिए जुटें जरूर मिलेगी सफलता

नवाबगंज, बहराइच, अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में प्रतिभा सम्मान एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डीआईओएस सर्वानंद व विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी नवाबगंज रमाशंकर यादव मौजूद रहे। कार्य क्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरिक्षक सर्वानंद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डीआईओएस सर्वानंद ने कहा कि लक्ष्य के लिए जुट जाएं और मेहनत करिए सफलता आपके कदम चूमेगी। थाना प्रभारी नवाबगंज ने मेधावी छात्राओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान राष्ट्रीय जवाहर लाल इंटर कालेज के प्रधानाचार्य जेपी वर्मा, बालिका इंटर कॉलेज लखैया के प्रधानाचार्य डाक्टर सोने लाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

घर में घुसा मगरमच्छ, वन विभाग की टीम ने पकड़ा

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के भोपतपुर बेलवा गांव निवासी एक व्यक्ति के घर में सोमवार की रात विशालकाय मगरमच्छ घुस गया। जिसको देख कर परिवार के लोग दहशत में आ गए। सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग की टीम में कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर मगरमच्छ को जाल में फंसा कर पकड़ लिया। इसके बाद उसे सरयू नदी में सुरक्षित छोड़ दिया गया। भोपतपुर बेलवा गांव निवासी बफाती पुत्र सुलेमान के घर में मगरमच्छ घुस गया। घर में मगरमच्छ देखते ही लोगों के होश उड़ गए। तत्काल पुलिस और वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रात में तत्काल पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। वन विभाग और पुलिस टीम सुबह करीब 8 बजे मगरमच्छ पकड़ा और गायघाट स्थित सरयू नदी में छोड़ दिया।

समारोह में सम्मानित किए गए अरुणेंद्र

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : उच्च प्राथमिक विद्यालय कोल्हुआ में अनुचर के पद पर कार्यरत अरुणेंद्र कुमार द्विवेदी 21 वर्ष सेवा करने के बाद 31जुलाई को सेवानिवृत हो गए। बीआरसी सभागार में सेवानिवृत अरुणेंद्र कुमार द्विवेदी के सम्मान समारोह की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी तथा मुख्य अतिथि जिला मंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजेश कुमार मिश्र रहे। शिक्षक संघ अध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी ने कहा कि अरुणेंद्र कुमार द्विवेदी का कार्यकाल बहुत ही विभाग के प्रति वफादार रहा।

बेटों ने मां को निकाला, मुख्य आरक्षी ने पहुंचाया घर

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : एक वृद्धा रोती-बिलखती राजाबाजार चौकी पहुंची। उसने वहां मौजूद हेड कांस्टेबल से शिकायत की कि उसके चार बेटों ने मार-पीटकर उसे घर से निकाल दिया है। नानपारा कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश शाह ने रुकैया (80) की आंखों से आंसू पोंछे।

हेड कांस्टेबल ने विनम्रता पूर्वक कुर्सी पर बैठकर जलपान कराया और उसके घर कसाई टोला पहुंच गए। बेटों को हिदायत दी कि सभी लोग अपनी मां की सेवा करें अगर कोई दिक्कत हुई तो आपके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वृद्धा का दुख सुनते ओमप्रकाश।

दुकानों से लिये खाद्य पदार्थों के नमूने

बहराइच, अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने छापेमारी कर कई दुकानों से खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहीत किए गए।

कैसरगंज में फुरकान अहमद के प्रतिष्ठान से छुआरा मिठाई, हसीब मिष्ठान्न भण्डार से खोया, सफीक के प्रतिष्ठान से कुन्दा, पेड़ा एवं सलमान मिष्ठान्न से बर्फी व पेड़ा, शहर स्थित मधुर मिष्ठान्न भण्डार से पनीर, खोया एवं दुग्ध का नमूना संग्रहित किया गया। दूसरी टीम ने लखनऊ-नानपारा हाइवे स्थित रिसिया मोड से दीपू स्वीट्स शॉप से छेना, तिवारी स्वीट शॉप से पेडा एवं दूध बर्फी, सलीम स्वीट से मिठाई के नमूने लिये।

दिव्यांशी के नेतृत्व में टीम ने जीता गोल्ड मेडल

बहराइच, अमृत विचार : महसी तहसील के सिसैया चुरामणि गांव निवासिनी दिव्यांशी सिंह के नेतृत्व में टीम ने अंडर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। वह लखनऊ स्थित जयपुरिया स्कूल में आठवीं की छात्रा हैं। दिव्यांशी महसी से भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह के छोटे भाई दिनेश्वर सिंह की बेटी हैं।

दिव्यांशी ने आगरा में आयोजित प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की संयुक्त टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 1 अगस्त को गोल्ड मेडल हासिल किया। इससे पहले उन्होंने महाराष्ट्र के जलगांव में आयोजित अंडर-17 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। शानदार प्रदर्शन के बाद दिव्यांशी का चयन राष्ट्रीय टीम में भी हो गया है। दिव्यांशी की इस उपलब्धि से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। दिव्यांशी के पिता दिनेश्वर सिंह ने बताया कि उनकी बेटी को पढ़ाई के साथ-साथ फुटबॉल खेलने में भी रुचि है। वह बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करते हैं।

बारिश से पहाड़ी नाला उफान पर

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : तराई क्षेत्र में रविवार से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं मंगलवार सुबह पहाड़ी नालों में अचानक उफान आने से बाढ़ पीड़ित गांवों की मुश्किलें बढ़ गईं है। पहाड़ी खरझार नाले में आई बाढ़ के चलते रामगढ़ मैटहवा, विजयी डीह सुगानगर, रमगढ़िया, जगराम पुरवा आदि गांवों में पानी घुस गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है।

गांव में घुसा खरझार पहाड़ी नाले की बाढ़ का पानी। ● अमृत विचार

तटबंध जर्जर, खतरे में 10 हजार की आबादी : लहेरी-विजयी डीह मार्ग भी बाढ़ के पानी से प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों – महेंद्र तिवारी, तुलाराम, जीने आदि का कहना है कि बाढ़ खंड के अधीन क्षेत्र में बहने वाला खरझार नाला बेहद खतरनाक स्थिति में है। उसके किनारे बना तटबंध 2007 में बना था और अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है। जिम्मेदार अधिकारी समय रहते मरम्मत कराने में कोई दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, जिससे लगभग 20 गांवों की करीब दस हजार आबादी को बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार हेंगहा, धोबैनिया और खरझार नाले हर साल राप्ती नदी में समाहित होते हुए बाढ़ का पानी क्षेत्र की बस्तियों में ले आते हैं। खासतौर से खरझार नाले के उत्तर-पूर्वी छोर का तटबंध बेहद कमजोर है।

यूरिया संकट पर किसानों ने जताया आक्रोश

गैसड़ी, बलरामपुर, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने मंगलवार को खंड विकास कार्यालय गैसड़ी में बैठक कर किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन लिपिक को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि पिछले 15 दिनों से किसान यूरिया के लिए दर-दर भटक रहे हैं, जबकि दुकानदार यूरिया को ब्लैक में बेच रहे हैं। ज्ञापन में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों, सरकारी अस्पतालों में व्याप्त भ्रष्टाचार, आदि मुद्दे शामिल हैं। अध्यक्षता जिला प्रभारी सियाराम विश्वकर्मा ने की। इस दौरान गौतम प्रसाद ओझा, अरविंद तिवारी, सद्दाम कुरैशी, मेहंदी हसन, दयाराम, राजाराम, रामसागर, कन्हैयालाल, रामनरेश, संतराम आदि मौजूद रहे।

श्रीप्रकाश अध्यक्ष, गिरजाशंकर महामंत्री

बलरामपुर, अमृत विचार : परिवहन निगम बलरामपुर डिपो मे रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद का वार्षिक अधिवेशन मंगलवार को धूमधाम से संपन्न हुआ।क्षेत्रीय अध्यक्ष शमशाद अहमद के नेतृत्व में परिषद की बलरामपुर इकाई का गठन किया गया। संगठन की बलरामपुर इकाई का अध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला तथा महामंत्री गिरजा शंकर यादव को सर्वसम्मति से चुना गया। संगठन में अजय सिंह को उपाध्यक्ष,गुलजार अहमद और आशुतोष दीक्षित को संगठन मंत्री तथा अमित चौधरी को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। संगठन के सदस्य के रूप में पशुपतिनाथ, केएन चौधरी, अंगद यादव, अशोक कुमार,एजाज अहमद, शमशुल हक, संकट मोचन, राजकुमार यादव, धर्मवीर, आशीष तिवारी, अशोक पाल क्षेत्रीय सदस्य,लालाराम सरोज व राजकुमार पांडेय आदि को चुना गया। गठन के बाद सभी सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सदस्यों के हितों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय सदस्य संजीव दुबे ने किया।

बलरामपुर डिपो में शपथ लेते रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के पदाधिकारी।

नशामुक्त भारत की ओर स्वयंसेवकों ने बढ़ाया कदम

बलरामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा मंगलवार को एमएलके पीजी कॉलेज में नशामुक्त युवा, विकसित भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन प्राचार्य प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन और डॉ. रमेश शुक्ल (सरोजिनी नायडू इकाई), डॉ. अनामिका सिंह (कल्पना चावला इकाई) एवं डॉ. जितेन्द्र भट्ट (डॉ. कलाम इकाई) के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। शुरुआत वैदिक मंगलाचरण, सरस्वती वंदना और माल्यार्पण से हुई। डॉ. रमेश शुक्ल ने महात्मा गांधी की आत्मकथा का उल्लेख करते हुए कहा कि नशा शरीर और आत्मा दोनों को नष्ट करता है। प्राचार्य ने कहा कि भारतीय चिंतन की जड़ें आध्यात्मिकता में हैं और युवाओं को स्वामी विवेकानंद के साहित्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. अनामिका सिंह और डॉ. जितेन्द्र भट्ट ने कहा कि नशा मुक्त युवा ही देश के विकास की नींव हैं। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार मिश्र, डॉ. ए.के. दीक्षित, डॉ. अभयनाथ ठाकुर, सिद्धार्थ महंता सहित अनेक शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सतर्कता — डीएम ने बाढ़ प्रबंधन को लेकर सिसई, कोडारी घाट और बेलवा सुल्तानजोत का किया निरीक्षण

कटानरोधी सामग्री का अग्रिम स्टॉक रखने का निर्देश

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : बढ़ते बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने मंगलवार को बाढ़ प्रबंधन एवं राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए सिसई, कोडारी घाट एवं बेलवा सुल्तानजोत तटबंधों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाढ़ खंड द्वारा कराए जा रहे सुरक्षात्मक और कटान रोधी कार्यों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने बताया कि विगत वर्ष बाढ़ के दौरान बेलवा सुल्तानजोत तटबंध (एमएलटीडी) पर गंभीर कटान हुआ था। इस बार बाढ़ खंड द्वारा इस तटबंध की सुरक्षा के लिए पिचिंग एवं क्रॉस ड्रेनेज का कार्य कराया गया है, जिसका उन्होंने भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि संवेदनशील स्थलों की लगातार निगरानी की जाए और कटान रोधी सामग्री का पर्याप्त अग्रिम भंडारण किया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

डीएम ने तहसील सदर क्षेत्र के कोडरी घाट पर चल रहे तटबंध सुरक्षा कार्यों की भी गहन समीक्षा की और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य तय मानकों के अनुरूप और समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराए जाएं।निरीक्षण के दौरान एडीएम (वित्त एवं राजस्व) श्री प्रदीप सिंह, एसडीएम सदर हेमंत गुप्ता, अधिशासी अभियंता बाढ़, सहायक अभियंता बाढ़ सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोड़री घाट पर बाढ़ प्रबंधन का जायजा लेते डीएम और अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

हर घर जल योजना बनी मुसीबत

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : जल निगम और ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा इन दिनों बलरामपुर नगरवासियों और राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। हर घर जल योजना के तहत पीपल तिराहा क्षेत्र में बिछाई गई पाइप लाइन के बाद सड़कों की खोदाई तो कर दी गई, लेकिन मरम्मत अब तक नहीं कराई गई। नतीजा यह है कि बरसात के मौसम में यह मुख्य मार्ग दलदल और कीचड़ से भर गया है, जिससे पैदल चलना तो दूर, वाहन चलाना भी जोखिम भरा हो गया है।

यह रास्ता सिविल लाइन, बड़ा परेड, सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी कार्यालय और आसपास के मोहल्लों को जोड़ता है। स्कूली बच्चे, कार्यालय कर्मचारी, बुजुर्ग, महिलाएं और खरीदारी करने वाले राहगीर इसी मार्ग से रोजाना गुजरते हैं, लेकिन सड़क की दयनीय हालत से सभी को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विजय कुमार ने बताया कि जल निगम ने पाइप डालने के लिए मुख्य सड़कों और गलियों को तोड़ दिया, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई।

पाइपलाइन बिछाने के कारण पीपल तिराहे पर कीचड़ से गुजरते राहगीर।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण स्टेडियम बनाने की पहल शुरू : बृजलाल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर ब्लॉक में ग्रामीण स्टेडियम बनाने की योजना को मूर्तरूप दिया जा रहा है। खेलों को बढ़ावा देनें के लिए देश के प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयास किया है जिससे अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत के खिलाड़ियों ने देश का सम्मान बढ़ाया है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने डीएम डॉ राजागणपति आर से बात हुई। तत्काल अपने ग्राम गुजरौलिया के प्रधान सुनील सिंह उर्फ रिंकू सिंह से बात की उन्होंने तत्काल रेवन्यू अधिकारियों से बात करके मेरे गांव के दक्षिण ग्राम कपिया खालसा में .909 हे ज़मीन का भूमि-अभिलेख भी भेज दिया। यह स्टेडियम शोहरतगढ़ ब्लॉक में बनेगा जिससे भारत- नेपाल की सीमा पर बसे ग्रामीण युवक-युवतियों को खेलों में अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा।

एसपी ने जनता की समस्याओं को सुना

सिद्धार्थनगर अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं शिकायतों को सुना। पुलिस अधीक्षक श द्वारा पुलिस कार्यालय मे जनसुनवाई किया गया। प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु संबंधित को आदेशित किया गया।

बांसी नपा ने दोबारा निर्मित कराया रुद्र योग मुद्रा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : नगर पालिका बांसी द्वारा निर्मित नगर से सट कर बह रही अचिरावती (राप्ती) नदी के उत्तर तरफ बने रुद्र योग मुद्रा का है। 31 मई शनिवार 2025 को जिले के उच्चस्तरीय गणमान्यों के उपस्थिति में लोकार्पण के बाद 22 दिनों के अन्दर ही इस पर शनि की साढ़ेसाती नजर आने लगी थी। वहीं पर राप्ती नदी के उत्तर तक पर रुद्र योग मुद्रा जिसका नये निर्माण के कारण मिट्टी बैठने से फर्श बैठ गया था, जो दोबारा बन कर तैयार हो गया।

अनुसूचित ग्राम प्रधान पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में किसी व्यक्ति द्वारा गांव की समस्या को इंगित करते हुए संबंधित ग्राम प्रधान को अपशब्द के साथ ही गाली दिया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद मंगलवार को ग्राम प्रधान राजू भारती ने डुमरियागंज पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अनुसूचित जाति का व्यक्ति है। पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा आए दिन जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली गलौज किया जा रहा है। ग्राम प्रधान ने मामले में कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि आरोपी की तलाश के साथ साथ अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है। आरोप सही पाये जाने पर ऐसे लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा।

12 बाल श्रमिकों को कराया गया मुक्त

कुशीनगर, अमृत विचार : शासन द्वारा संचालित अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन, एएसपी निवेश कटियार के पर्यवेक्षण एवं एसपी नोडल डॉ. अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रभावी कार्यवाही की गई। बाल श्रम अधिकारी व एएचटी टीम ने थाना कोतवाली पडरौना क्षेत्र में भिन्न भिन्न स्थानों पर संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान 12 बाल श्रमिक मिले जिन्हे रेस्क्यू कर कार्य मुक्त कराया गया, जिसमें 10 कार्य सेवायोजकों के विरुद्ध बाल श्रम निषेध अधिनियम के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की गयी। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस द्वारा बाल श्रम और मानव तस्करी जैसे सामाजिक अपराधों के खिलाफ सतत कार्यवाही और जन जागरूकता अभियान जारी रहेगा।

58 करोड़ के कार्यों की दी स्वीकृति

कुशीनगर, अमृत विचार : जनपद के 10 नगर निकायों- नगर पालिका परिषद पडरौना, कुशीनगर, हाटा एवं नगर पंचायत रामकोला, कप्तानगंज, खड्डा, मथौली, सेवरही, छितौनी, एवं फाजिलनगर में बुनियादी सुविधाओं, विभिन्न कार्य सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट,पोखरे का सौंदर्यीकरण,पाइप लाइन बिछाने का कार्य, पंप हाउस निर्माण कार्य सहित अन्य कार्य कराए जाएंगे। डीएम ने बताया कि उक्त के अतिरिक्त अन्य सौंदर्यीकरण,निर्माण कार्यों की स्वीकृति उक्त नगर निकायों को दी गई है। उन्होंने उक्त समस्त ईओ को निर्देशित किया है कि स्वीकृत कार्यों के संबंध में शीघ्र प्रभावी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन करें बीईओ : जिलाधिकारी

डीएम ने पीएमश्री विद्यालयों में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए निर्देश

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

पीएमश्री विद्यालय की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी।

अमृत विचार : पीएमश्री विद्यालयों में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी विद्यालय का निरीक्षण करे तथा निरीक्षण आख्या प्रेषित करें।

बच्चों का नामांकन बढ़ाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बच्चों को डीबीटी के माध्यम से ड्रेस, जूता मोजा आदि हेतु दी जाने वाली धनराशि अभिभावक के खाते में प्रेषित करे तथा ड्रेस आदि खरीदने हेतु प्रेरित करे। इसके साथ ही बच्चों का जन्म प्रमाण-पत्र बनाये जाने हेतु उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी से संपर्क कर बनाये। इ

सके साथ पीएम श्री विद्यालयों में इंडीकेटर्स के अनुसार सभी इंडीकेटर्स संतृप्त होना चाहिए। जर्जर विद्यालय के भवनो को शीघ्र ध्वस्तीकरण कराने का निर्देश दिया। मौके पर सीडीओ बलराम सिंह, बीएसए शैलेष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, डीसी निर्माण रितेश श्रीवास्तव, व अन्य सम्बन्धित उपस्थित थे।

सभी नोडल अधिकारी आंगनबाड़ी केंद्रों का विंदुवार करें निरीक्षण : डीएम

सिद्धार्थनगर,अमृत विचार : सम्भव अभियान 5 .0 के अन्तर्गत 100 सर्वाधिक स्टंटिग बच्चों वाले 100 आंगनबाड़ी केन्द्रों के सम्बध में जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर. की अध्यक्षता एवं सीडीओ बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया सीडीपीओ बच्चों की सूची व्हाटसएप ग्रुप के माध्यम से नोडल अधिकारी को उपलब्ध करा दे। सभी नोडल अधिकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों का विन्दुवार निरीक्षण करे। बीएचएनडी दिवस में बच्चों का वजन, नाप करायेगे तथा उन्हें आवश्यक दवाये दी जायेगी। नोडल अधिकारी निरीक्षण आख्या उपलब्ध कराये। एएनसी पंजीकरण/चेकअप 75 प्रतिशत होना चाहिए। धात्री महिलाओ का स्वास्थ्य परीक्षण करायेगे। बच्चों की संख्या का आंगनबाड़ी केन्द्र से मिलान कराये। इस अवसर पर डीसीमनरेगा सन्दीप सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, समस्त नोडल अधिकारी, समस्त सीडीपीओ व अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीमा सुरक्षा को लेकर एसडीएम ने की बैठक

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने हेतु तहसील प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद व एसएसबी के डिप्टी कमान्डेंट यशवन्त कुमार ने एसडीएम राहुल सिंह के साथ बैठक कर सीमा सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा सीमा पर निगरानी, गश्ती, खुफिया सूचना तंत्र और अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर सम्भावित गतिविधियों की रोकथाम को लेकर विस्तृत जानकारी ली गई। एसडीएम ने कहा कि सीमा पर खाद्यान्न तस्करी, खाद तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी आदि को आपस में समन्वय बना रोकने की जरूरत है। सीओ परवीन प्रकाश, तहसीलदार अजय कुमार आदि मौजूद रहें।

18 हजार रुपये घूस लेते कनिष्क सहायक गिरफ्तार

संवाददाता, कुशीनगर

गिरफ्तार कनिष्क सहायक ओमप्रकाश भारती। अमृत विचार

अमृत विचार: गोरखपुर भ्रष्टाचार निवारण संगठन एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार को कुशीनगर जनपद में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी कार्यालय के कनिष्क सहायक को 18000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक की गिरफ्तार कर्मचारी ओम प्रकाश भारती पुत्र वंश राज ग्राम कस्तूरबा, तहसील कसया थाना चौरा खास निवासी है जो वर्तमान में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय पडरौना में तैनात था। शिकायतकर्ता ध्रुव नारायण ओझा निवासी ग्राम सिहुलिया, थाना अहिरौली बाजार ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से शिकायत दर्ज कराई थी कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उनसे 18 हजार रुपये की मांग की जा रही है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन गोरखपुर की टीम ने पूरी योजना बनाकर आरोपी को दोपहर लगभग 1 बजे कार्यालय परिसर में ही पकड़ लिया।इस मामले में कोतवाली पडरौना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित धारा 2018 की धारा 7 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले में विधि करवाई जा रही है। इस कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया।

एनएच-730 पर गिरा पेड़, घंटों बंद रहा आवागमन

सिद्धार्थनगर,अमृत विचार : राष्ट्रीय राजमार्ग-730 चिल्हिया वाया शोहरतगढ़.मार्ग पर परसिया के समीप सोमवार को तेज हवा व भारी वर्षा के चलते सड़क के पास खड़े दो पेड़ गिर गये। इससे आवागमन घन्टों भर के लिए बन्द हो गया। कुछ देर बाद चिल्हियां पुलिस पहुंच कर पेड़ को काटकर हटवा दिया। तब जाकर आवागमन बहाल हुआ। इस दौरान दोनों तरफ से वाहनों की लम्बी कतार लग गई थी।

सीएमओ ने महिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

संवाददाता,सिद्धार्थनगर,अमृत विचार : जिला संयुक्त चिकित्सालय से सम्बद्ध महिला चिकित्सा महाविद्यालय में मंगलवार को सीएमओ डॉ. आर.के. चौरसिया ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, आकस्मिक वार्ड, पीआईसीयू, एसएनसीयू, एमसीएच भवन में स्थित स्त्री एवं प्रसूति रोग ओपीडी, पैथोलॉजी, एचआरपी वार रूम, पीएनसी वार्ड, टीकाकरण कक्ष सहित सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने विभिन्न कमियों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने वार रूम पंजिका को सही और पूर्ण रूप से भरने, बीएचटी को व्यवस्थित तरीके से संधारित करने एवं अन्य रिकॉर्ड को अपडेट रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.के. झा और जिला महामारी रोग विशेषज्ञ समीर सिंह भी मौजूद रहे।

सूचना

मेरा मूल बैनामा जोकि विकेता राम तीरथ पुत्र अवध बिहारी नि0 मथुरा बाजार से गाटा सं0 335 रकबा 50 डि0 में 1/2 अर्थात 25 डि0 खरीदा था जो कि वही | जिल्द 1065 पेज सं0 9-10 क्रमांक 3702 पर दिनांक 01/12/80 उपनिबंधक बलरामपुर के यहाँ पंजीकृत था। बलरामपुर शहर में ही कहीं खो गया है उक्त भूमि को बंधक रखकर इण्डियन बैंक शाखा- बलरामपुर से ऋण प्राप्त करना चाहता हूँ यदि किसी व्यक्ति का कोई हित या आपत्ति हो वह व्यक्ति एक सप्ताह के भीतर शाखा प्रबंधक इंडियन बैंक- बलरामपुर को सूचित करें। समयोपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। **शिवराम मिश्रा पुत्र आदित्य प्रसाद निवासी- मथुरा बाजार, बलरामपुर**

सूचना

सूचित हो कि मैं **गीता त्रिपाठी पत्नी स्व0 शशि भूषण त्रिपाठी निवासी मोहल्ला-मुरादाबाद थाना कोतवाली व तहसील-अकबरपुर, जनपद-अम्बेडकरनगर उ0प्र0 मो0 नं0-9415430806, 7800840140,** मेरा पुत्र रितेश त्रिपाठी पुत्र स्व. शशिभूषण त्रिपाठी मो0-9721439708, 9235086095 जो जन्म से ही मन्द बुद्धि का है उसने आस-पास के कुछ फ्राड़ किस्म के जमीन खरीदने-बेचने वालों का साथ पकड़ लिया है और उन्हीं लोगों के साथ नशा आदि करके बिगड़ गया है नगर पालिका में बेशकीमती मकान व जमीन होने के कारण उसको बहला फुसला कर और शादी का झांसा देकर इनकी जमीन को औने-पौने दामों में बेचवाकर कहने-सुनने में नहीं है उपरोक्त लोगों के साथ-4-5 दिन तक बाहर चला जाता है और घर वालों को कोई पता नहीं रहता है कि वह कहा गया है मेरा पुत्र रितेश त्रिपाठी व उनके साथ रहने वाले जो मेरे पुत्र के नाम की जमीन हड़प सकते हैं और उसकी हत्या भी कर सकते हैं यदि कोई व्यक्ति मेरे पुत्र रितेश त्रिपाठी से उनकी कोई भी चल अचल सम्पत्ति लिखाता है तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी तथा कोई व्यक्ति मेरे पुत्र रितेश त्रिपाठी से उनकी सम्पत्ति को बैनामा न करा सकें।

यूरिया के लिए किसानों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

कसया रामकोला मार्ग जाम कर प्रदर्शन करते किसान।

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार : सहकारी समितियों में यूरिया खाद की भारी कमी है और किसानों को घंटों लाइन में लगने के बाद भी पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही। कसया में गंगाछपरा स्थित समिति पर मंगलवार सुबह पहुंचे किसानों ने समिति पर ताला बंद देख उग्र प्रदर्शन किया। किसानों ने सचिव पर खाद की कालाबाजारी का आरोप लगाते हुए कसया-रामकोला मार्ग पर जाम लगा दिया। इससे घंटों तक यातायात बाधित रहा।अच्छी बरसात के बाद किसान खेतों में खाद डालने के लिए चिंतित हैं। वे खाद गोदाम पर सुबह से शाम तक लाइन में लगे रहते हैं। सोमवार को बारिश के बीच भीगकर पूरे दिन किसान लाइन में खड़े रहे। जिन किसानों को खाद नहीं मिली, उनसे सचिव सुरेश मल्ल ने आधारकार्ड जमा कराकर मंगलवार सुबह खाद देने का वादा किया था।मंगलवार को सुबह खाद लेने पहुंचे गोमती यादव, नगीना, जावेद, श्रीप्रकाश, तजीर अहमद समेत कई किसानों ने समिति पर ताला बंद देखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों ने आरोप लगाया कि सचिव निर्धारित मूल्य से अधिक दाम लेकर खाद की कालाबाजारी कर रहे हैं।सड़क जाम होने के एक घंटे बाद पहुंची पुलिस ने किसानों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया और आवागमन सुचारू कराया। कसया एसएचओ अमित शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

लोगों ने डीएम से की कोटेदार की शिकायत

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत जगरगठिया के राशन कार्ड धारकों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए कोटेदार पर प्रतिशोध भाव से राशन वितरण करने का आरोप लगाया है। गांव के नसीम अहमद, राजकुमार, इन्द्रसेन, शक्तिमान, धर्मजीत, अबू बकर, बृजलाल, निर्मला, बधई, विनोद आदि ने महजरनामा बनाकर शिकायत करते हुए डीएम से कहा है कि कोटेदार द्वारा राशन में घटतौली की जाती है। ई-केवाइसी का झूठा जानकारी देकर राशन कार्ड धारकों को परेशान किया जाता रहा है। ऐसे में कई राशन कार्ड धारकों का नाम सूची से कट जाने का भी ग्रामीणों ने आरोप लगाया। ग्रामीण का कहना है कि आपूर्ति विभाग के अधिकारियों और कोटेदार की मिलीभगत से गांव की जनता परेशान हो रही है।

तहसील टास्क फोर्स की बैठक में योजनाओं पर हुआ विचार-विमर्श

तहसील टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित करते एसडीएम राजेश कुमार।

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : एसडीएम कार्यालय डुमरियागंज में मंगलवार को तहसील टास्क फोर्स की बैठक एसडीएम राजेश कुमार की अध्यक्षता सम्पन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग सहित विकास, शिक्षा, बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सभी विभागों के अधिकारियों से समस्त योजनाओं को गंभीरता से लेने और शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। एसडीएम राजेश कुमार ने बताया कि शासन द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य संबंधी, विकास संबंधी, पंचायत संबंधी सभी कार्यक्रमों में प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति सुनिश्चित किया जाए। साथ ही साथ फार्मर रजिस्ट्री, आभा कार्ड, आयुष्मान कार्ड, शत प्रतिशत टीकाकरण हेतु आंगनबाड़ियों को सक्रिय कर इस अति महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने की सभी की जिम्मेदारी है, इसमें सभी विभाग जुटकर कार्य करे। उन्होंने सभी से अन्नपूर्णा भवन व एमडीयम शेड के निर्माण, आंगनबाड़ी व आरोग्य मंदिर के मरम्मत, पांच प्रमुख ग्राम पंचायत के चौराहे का सुंदरीकरण तथा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए स्थलों के चयन व अन्य मुद्दों पर कार्रवाई को निर्देशित किया। इस दौरान बीडीओ कार्तिकेय मिश्रा, डा. विनोद कुमार, सीडीपीओ संजय कुमार, निर्भय सिंह, ईओ सचिन कुमार पटेल, राजन गुप्ता, सप्लाई इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, एडीओ पंचायत ब्रजेश गुप्ता, एचईओ राजीव त्रिपाठी, विवेक विश्वकर्मा, अनिल पासवान आदि उपस्थित रहे।

योग, संवाद व रचनात्मक सृजन है तनाव से मुक्ति की संजीवनी : प्रो. अनुभूति

गोरखपुर , अमृत विचार: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी में फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस एंड फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ कार्यक्रम के तहत मंगलवार को तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अनुभूति दूबे ने विद्यार्थियों को तनाव से मुक्ति का मंत्र दिया। उन्होंने छात्रों को तनाव के कारण, उसके प्रभाव और उससे निपटने की प्रभावी तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रो. अनुभूति दूबे ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थी जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह अनेक मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों से घिरा हुआ है। परीक्षा का दबाव, करियर की चिंता, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और डिजिटल युग की व्यस्तता ये सभी विद्यार्थियों में तनाव को जन्म देते हैं। प्रो. दूबे ने कहा कि यदि इस तनाव का समय रहते प्रबंधन नहीं किया जाए तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। तनाव के मुख्य कारण परीक्षा और अंकों का दबाव, समय प्रबंधन में कठिनाई, साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा, आत्म-विश्वास की कमी, करियर को लेकर असमंजस, पारिवारिक विवाद, सोशल मीडिया की लत, और नींद या भोजन की अनियमितता शामिल हैं। विद्यार्थियों को तनाव से मुक्ति के लिए नियमित योग, रचनात्मक सृजन, आध्यात्मिक संस्कारों और सकारात्मक कार्यों को करने के लिए प्रेरित किया। स्वस्थ छात्र आत्मविश्वासी, सकारात्मक सोच वाला, और सामाजिक रूप से सक्रिय होता है। मानसिक रूप से संतुलित विद्यार्थी न केवल शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करता है, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफल रहता है।

तहसील में 5वें दिन जारी रहा पीड़ित का धरना

गोरखपुर, अमृत विचार : बांसगांव क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं पूर्व सांसद प्रत्याशी गया प्रसाद का तहसील में धरना मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। उधर, मंगलवार को एसडीएम द्वारा गठित दो राजस्व निरीक्षकों तथा पांच लेखपालों की टीम ने मौके की पैमाईश की। राजस्व टीम इसकी रिपोर्ट एसडीएम को बुधवार को सौंपेगी। मालूम हो कि तहसील से महज डेढ़ किमी की दूरी पर स्थित ग्राम बहीडाड़ी के निवासी गया प्रसाद रास्ते की मांग को लेकर एक अगस्त से तहसील में धरना दे रहे हैं। उधर पड़ोसी रामहर्ष विश्वकर्मा का आरोप है कि गया प्रसाद उनके बाग के नम्बर की पुस्तैनी भूमि पर रास्ता कायम कराने का दबाव बना रहे हैं। आज मौके की पैमाईश करने गयी राजस्व टीम के एक राजस्व निरीक्षक ने बताया कि विवादित स्थल ग्राम बहीडाड़ी, बैदौली पल्टन सिंह तथा लाहीडाड़ी राजस्व ग्राम के सीवान पर स्थित है।

मुन्तजमा कमेटी आस्तानाये आलिया हठीले शाह रहमतुल्लाह अलैह

ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ पोस्ट अचलपुर जिला-गोण्डा, यू0पी0

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि संस्था-मुन्तजमा कमेटी आस्तानाये आलिया हठीले शाह रहमतुल्लाह अलैह, ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ पोस्ट अचलपुर जिला-गोण्डा, यू0पी0 का नवीनीकरण कराये जाने हेतु दिनांक-26.06.2025 को कार्यालय-डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, अयोध्या मण्डल, अयोध्या में नवीनीकरण अनुमति शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किया गया हैं। संस्था के नवीनीकरण हेतु प्रस्तुत प्रबन्ध समिति की सूची में निम्नलिखित पदाधिकारी/सदस्यगण हैं-

क्र0	नाम/पिता/पति का नाम	पता	पद	व्यवसाय
1.	श्री मोहम्मद सगीर पुत्र श्री मोहम्मद हनीफ	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	सदर	कृषि
2.	श्री मोहम्मद रिजवान पुत्र श्री एहसान उल्ला	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	नायब सदर	कृषि
3.	श्री सिराज अहमद पुत्र श्री शेर अली	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	सेक्रेटरी	कृषि
4.	श्री सिद्दीक अहमद पुत्र श्री नजीर अहमद	109, रोयल अपार्टमेन्ट, विजय नगर, नलेश्वर, नालासोपार पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र।	नायब सेक्रेटरी	समाजसेवा
5.	श्री अमजद अली पुत्र श्री शहजाद अली	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	खजांची	कृषि
6.	श्री अब्दुल कयूम पुत्र श्री अनवर	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	नायब खजांची	कृषि
7.	श्री असलम पुत्र श्री इबरार	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
8.	श्री नूर मोहम्मद उर्फ रावादीन पुत्र श्री गानी मोहम्मद	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
9.	श्री यार मोहम्मद पुत्र श्री आशिक अली	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
10.	श्री दस्तगीर पुत्र श्री वसीर	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
11.	श्री असगर अली पुत्र श्री जौहर	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
12.	श्री मो0 नसीर पुत्र श्री सिपाही लाल	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
13.	श्री आफत अली पुत्र श्री नसीब दार	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
14.	श्री मुनीर पुत्र श्री रोज अली	ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि
15.	श्री बरकत उल्ला पुत्र श्री शोहरत	ग्राम डल्लापुर, पोस्ट रामपुर खर्हटा जिला गोण्डा।	मेम्बर	कृषि

(सदर)
श्री मोहम्मद सगीर पुत्र श्री मोहम्मद हनीफ
ग्राम अशोकपुर रौजा शरीफ, पोस्ट अचलपुर, जिला गोण्डा।

माल लदान से एनईआर को कुल 162.488 करोड़ की हुई कमाई

गोरखपुर, अमृत विचार: रेलवे प्रशासन द्वारा व्यापारियों तथा औद्यौगिक प्रतिष्ठानों को दी जा रही उन्नत सुविधाओं तथा मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों के सुनियोजित प्रयासों से पूर्वोत्तर रेलवे को वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह जुलाई तक कुल 1.485 मिलियन टन माल लदान से रू. 162.49 करोड़ की आय हुई व जुलाई में कुल 0.495 मिलियन टन माल का लदान हुआ, जिससे 61.02 करोड़ की आय हुई। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई तक कुल 1.485 मिलियन टन माल लदान लदान हुआ, जो गत वित्त वर्ष 2024-25 में जुलाई 2024 तक कुल 1.44 मिलियन टन माल लदान की तुलना में 3.13 प्रतिशत अधिक है।

एनईआर में स्वच्छता अभियान जारी

संवाददाता,गोरखपुर

स्वच्छता संबंधी शपथ लेते रेल अधिकारी व कर्मचारी।

अमृत विचार: रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ सम्पूर्ण भारतीय रेल पर दो चरणों में मनाया जा रहा है, जिसके प्रथम चरण के 5वें दिन मंगलवार को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लखनऊ मण्डल के गोरखपुर, बस्ती, खलीलाबाद, गोण्डा स्टेशन, कालोनी तथा रेलवे अस्पताल, ऐशबाग, लखनऊ जं स्टेशनों पर तथा बस्ती रेलवे स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत रेलकर्मियों द्वारा स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी स्लोगन, पोस्टर एवं बैनर के साथ जन-जागरूकता स्वच्छता रैली निकाली गई तथा इन स्टेशनों पर एवं रेलवे कालोनियों में रेलकर्मियों को स्वच्छता सम्बन्धी शपथ दिलाई गई तथा स्वच्छता कार्य किया गया। वाराणसी मण्डल के सीवान, मऊ, बलिया, प्रयागराज रामबाग, वाराणसी सिटी, बनारस, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, आजमगढ़, बलिया आदि स्टेशनों पर एवं कार्यालयों में स्वच्छता सम्बन्धी प्रभात फेरी निकाली गई तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के कासगंज, काठगोदाम, पीलीभीत, फतेहगढ़, फर्रूखाबाद, काशीपुर तथा लालकुंआ आदि स्टेशनों पर एवं कार्यालयों तथा कालोनियों में रेलकर्मियों एवं यात्रियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई, नुक्कड़ नाटक किया, पैम्फलेट वितरित किया, स्टेशन परिसरों की सफाई की गई, कचरे की सफाई किया गया तथा रेल परिसर एवं टेनों में यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

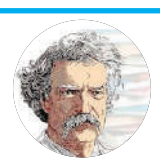

अगर आप सच बोलते हैं तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नही है। – मार्क ट्वेन

आपदा और आफत

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने की भयावह घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी आपदा बनकर आई है। अथाह जल राशि के तेज वेग के साथ बहकर आए मलबे में पलक झपकते ही सारा इलाका तबाह हो गया। मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। बाजार, बस्ती, इंसान और मवेशी सभी बह गए। पहाड़ों पर पिछले कुछ समय से बादल फटने की बढ़ती घटनाएं लगातार विचलित कर रही हैं। ऐसे प्राकृतिक हादसे अधिकतर मानसून की बारिश में ही होते हैं। बादल फटने का मतलब होता है, सीमित अंतराल और दायरे में अचानक काफी भारी बारिश होना। इसके पीछे भौगोलिक और परिस्थितिजन्य कारणों के अलावा विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, अवैध निर्माण, जंगलों की आग, पेड़ों की अंधाधुंध कटान और कचरा जलाने को जिम्मेदार ठहराते हैं। वजह कुछ भी हो, बादल फटने से जीवन और संपत्ति का जिस तरह बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, उसे देखते हुए जरूरी हो गया है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय खोजने के साथ लोगों को पहले से अलर्ट करने वाले इंतजाम खोजने ही पड़ेंगे। हालांकि बरसात का मौसम केवल पहाड़ों के लिए आफत भरा है, ऐसा भी नहीं है।

मुसीबत मैदानी इलाकों में भी कम नहीं है, जहां कुछ घंटे की बारिश में सारा विकास धुल जाता है, जगह-जगह पानी भर जाता है। कहीं सड़क तो कहीं पुल-पुलिया बह जाती है। सब कुछ डूब जाता है। नाले-नाली और रोड के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। यह कहानी हर साल की तब है, जब शहरों में जल निकासी को लेकर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सीवेज लाइन, नालियां बनाई जाती हैं। हर बार दावा किया जाता है कि अबकी बारिश में जलभराव नहीं होगा। फौरी तौर पर लगता भी है कि समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन जरा सा ज्यादा पानी बरसने पर जल निकासी के प्रबंध पूरी तरह फेल हो जाते हैं या नाला-नाली की सफाई में हुई लापरवाही की भेंट चढ़ जाते हैं। एक और बड़ी बेपरवाही यह भी है कि हर कहीं नगर निगम, पालिका या जल, विद्युत और सड़क निर्माण विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इसके चलते सड़कें बनते ही फिर खोद दी जाती हैं। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को बर्बाद होने का यह भी बड़ा कारण है। दरअसल, शहरों में नई और ऊंची इमारतें तो धड़ल्ले से बन रही हैं, लेकिन ड्रेनेज मैनेजमेंट या सिस्टम को लेकर कोई खास काम नहीं हो रहा है, जबकि हर शहर की आबादी, रियायशी इलाकों और कम से कम आगे के 30 सालों की परिस्थिति आकलन करके योजना तैयार की जानी चाहिए। वर्ना बादल फटने जैसी घटना तो कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा कही जा सकती है लेकिन शहरों को डुबाने का गुनाह तो हमारा ही है। बाढ़ से निपटने के लिए जल निकासी की मजबूत व्यवस्था बनाने के लिए अगर जिम्मेदार गंभीर नहीं होंगे तो बरसात का मौसम आफत बनकर जन-जीवन की मुश्किलें बढ़ाता ही रहेगा।

प्रसंगवश

वनाधिकार कानून के पालन में पिछड़ा राजस्थान

राजस्थान 19 साल बाद भी वनाधिकार कानून के पालन करने और आदिवासियों को उनकी जमीन का हक देने में पीछे है। अपने लचर प्रदर्शन के कारण वह टॉप 10 में भी नहीं है। प्रदेश के आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। देश में वनाधिकार कानून 2006 को लागू हुए 19 साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान में आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक,

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में इन 19 सालों में केवल 51,766 वन अधिकार पट्टे ही वितरित किए गए हैं, जिनमें से 49,215 व्यक्तिगत और मात्र 2,551 सामुदायिक अधिकार हैं।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि यहां के आदिवासी अब भी अपने कानूनी अधिकार पाने में बहुत पीछे हैं, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य आदिवासियों को कानूनी हक देने में काफी आगे बढ़ चुके हैं। देश में वनाधिकार के पट्टों के लिए दावों के निपटारे में सबसे अधिक 65 प्रतिशत दावों को मंजूरी देकर ओडिशा पहले पायदान पर है। वहीं केरल में 64.69 प्रतिशत और त्रिपुरा में 63.79 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। चौथे नंबर पर झारखंड है, जहां 55.95 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे वितरित कर दिए गए हैं। अपने लचर प्रदर्शन के कारण राजस्थान टॉप 10 में भी नहीं है।

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का उद्देश्य आदिवासी समुदायों और वन्य-वन (ओटीएफडी) के साथ हुए अन्याय को दूर करना, उनकी भूमि पर स्वामित्व, आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत करना है। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों की अस्वीकृति की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 13 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है। यह आबादी राज्य के अधिकांश दक्षिण जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और चित्तौड़गढ़ में निवास करती है। वन अधिकार अधिनियम एक अहम कानून है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक अधिकारों और व्यक्तिगत अधिकारों के संदर्भ में आदिवासी समुदायों और ओटीएफडी के अधिकारों की रक्षा की जाए। राजस्थान सरकार के आंकड़ों के अनुसार, उसे कुल 99,506 दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 43,326 खारिज कर दिए गए हैं। वहीं अब तक 40,015 स्वीकृत किए गए हैं और 16,165 लंबित चल रहे हैं।

वहीं राजस्थान में 310,151 एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिया गया है, जो सुनने में एक बड़ा आंकड़ा लगता है। पर यह उन आदिवासियों के लिए बहुत कम है, जो राजस्थान में पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं। महाराष्ट्र में 38.32 लाख एकड़ और मध्य प्रदेश में 23.67 लाख एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या आदिवासियों के जीवन, उनकी संस्कृति और परंपराओं की कोई अहमियत है? क्या यही है जनजाति सशक्तिकरण, जिसका वादा सरकारें करती हैं।

वहीं राजस्थान में आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों की स्थिति भी चिंताजनक है। 2022-23 में जहां 2.36 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं 2023-24 में यह घटकर 1.68 लाख रह गई। इस बारे में आदिवासी संगठन पूछते हैं कि यह गिरावट क्या प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर बजट की कमी की वजह से हो रही है? केंद्र सरकार के अनुसार, देश भर में बैकलॉग के 1.15 लाख एसटी पद भरे जा चुके हैं, लेकिन राजस्थान में इसका कोई स्वतंत्र डाटा उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार की यह चुप्पी आदिवासियों के अधिकारों की ओर गंभीरता की कमी को दर्शाती है। केरल में ट्राइबल प्लस योजना के तहत आदिवासियों को अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। वहीं राजस्थान में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं हुई है।

हिरोशिमा की राख से उठते कुछ सवाल

हिरोशिमा दिवस आज

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945, इतिहास में यह तारीख उस भयावह क्षण के रूप में अंकित है, जब विज्ञान की शक्ति ने मानवता की सीमा लांघ दी थी और विनाश का नया अध्याय शुरू हुआ था। यही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के शांत और सांस्कृतिक शहर हिरोशिमा पर 'लिटिल ब्वाय' नामक परमाणु बम गिराया था। उस एक विस्फोट ने लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों की जान ले ली थी और लाखों अन्य को पीड़ा, विकलांगता, कैंसर, मानसिक संताप और सामाजिक बहिष्करण के लंबे दौर में धकेल दिया था। हिरोशिमा केवल एक शहर नहीं था, जो जलकर राख हुआ, वह मानव विवेक, चेतना और सहअस्तित्व की अवधारणा पर लगा एक ऐसा स्थायी घाव था, जो आज भी रिस रहा है।

हर साल 6 अगस्त को मनाया जाने वाला 'हिरोशिमा दिवस' पूरी दुनिया को यह याद दिलाता है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियां नियंत्रण से बाहर होती हैं तो वे मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। हिरोशिमा पर गिराया गया बम कोई आम हथियार नहीं था। वह लगभग 15 किलोटन यानी 15 हजार टन टीएनटी विस्फोटक के बराबर शक्ति रखता था और उसकी विभीषिका ने केवल शहर की इमारतों को नहीं बल्कि वहां की मिट्टी, जल, वायु और मानव शरीर तक को रेडियोधर्मी विकिरण से बुरी तरह प्रभावित किया। बम विस्फोट के तुरंत बाद लगभग 80 हजार लोग मारे गए और वर्ष के अंत तक यह संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई। वहां की संतानों में जन्म दोष, कैंसर, मानसिक विकार और सामाजिक कलंक के ऐसे दाग लगे, जो पीढ़ियों तक नहीं मिट सके।

परमाणु बम से बच निकले लोगों को जापान में 'हिबाकुशा' कहा गया। इन लोगों ने केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, सामाजिक तिरस्कार और मानसिक आघात भी सहा। जिन लोगों ने त्रासदी झेली, उन्हें अक्सर हीन दृष्टि से देखा गया। यही त्रासदी कुछ ही दिन बाद, 9 अगस्त को नागासाकी में भी दोहराई गई, जब अमेरिका ने 'फैट मैन' नामक बम गिराया और एक बार फिर करीब 70 हजार लोगों की जानें चली गईं। उन दो हमलों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध भले ही समाप्त हुआ, लेकिन मानवता की चेतना पर जो चोट पड़ी, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। उन बम हमलों ने वैश्विक राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया। उसके बाद युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं रह गया बल्कि एक ऐसी होड़ में तब्दील हो गया, जिसमें विनाश की क्षमता को ही शक्ति का मानक माना जाने लगा।

हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के बाद परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हुई। अमेरिका के बाद सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बनाए और धीरे-धीरे यह शस्त्र राजनीतिक शक्ति और रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक बन गया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) जैसे प्रयासों के बावजूद परमाणु खतरा कम नहीं हुआ। कुछ देशों ने इन संधियों को स्वीकार नहीं किया, कुछ ने औपचारिकता निभाई और कुछ ने गुपचुप परमाणु जखीरा बढ़ाया।

भारत ने 1974 में 'स्माइलिंग बुद्धा' के नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया और 1998 में पोखरण-2 द्वारा स्वयं को परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' यानी पहले हमला नहीं करने की नीति अपनाई, जो एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र की पहचान है, लेकिन पाकिस्तान, जिसने 1998 में अपने परमाणु परीक्षणों से ताकत दिखाई, बार-बार इस नीति को चुनौती देता रहा है। भारत-पाक के बीच जब-जब तनाव बढ़ा, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो, बालाकोट स्ट्राइक हो या पुलवामा अथवा पहलगाम जैसे आतंकी हमले, विश्व समुदाय ने परमाणु टकराव की आशंका के साथ चिंताओं का इजहार किया।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां दी गई हैं, इस बात को स्पष्ट करती हैं कि परमाणु बम केवल संग्रहालय की वस्तु नहीं हैं। उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, चीन का परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने का प्रयास हमें बार-बार इस सच्चाई से अवगत कराते हैं कि हिरोशिमा जैसे दृश्य दोहराए जाने की आशंका कभी भी पैदा हो सकती है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी, जैविक हथियारों और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब परमाणु हथियारों का अस्तित्व एक ऐसा छिपा हुआ विस्फोटक है, जो केवल एक गलत निर्णय, एक तकनीकी विफलता या एक गलतफहमी से ही धरती को विनाश के गर्त में धकेल सकता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हम अब परंपरागत युद्धों की नहीं बल्कि 'साइबर स्पेस', 'ड्रोन स्ट्राइक्स' और 'परमाणु धमकी' जैसे अस्थिर और अनिश्चित युद्धों के युग में प्रवेश कर चुके हैं।वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिए 'ट्रीटी ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' पारित की गई।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है।

आमने

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंक चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

सामने

राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रभावी विपक्ष बनने के लिए उन्हें ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले कुछ दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। नड्डा ने विपक्ष पर 'अराजक' होने का भी आरोप लगाकर कहा- राज्यसभा में सभापति की अनुमति से बोल रहे सदस्यों को बाधित करना लोकतंत्र नहीं है।

स्त्री-स्वास्थ्य नीतिगत दोलन का शिकार

जय प्रकाश पांडेय
स्वतंत्र लेखक

हम एक ऐसी राष्ट्र-कल्पना में जी रहे हैं, जिसकी सांस्कृतिक चेतना स्त्री को मातृ रूप में प्रतिष्ठित करती है, किंतु विडंबना यह है कि राष्ट्र की यही मातृ रूपा प्रतीक-संरचना, स्वयं उसी स्त्री की अवहेलना में अपनी जड़ें खोजती है। परिणाम स्वरूप, जहां 'माता' शब्द ध्वनि की पवित्रतम आवृत्ति में गूंजता है, किंतु जब उसी 'मां' के हीमोग्लोबिन की चर्चा आती है, तो नीति-पत्रों की गलियों में 'अस्थायी सुझाव' का बोर्ड लटकता दिखता है। इस प्रकार यह प्रतीकात्मक राष्ट्रवत्ता अपने आदर्श से ही पहला विचलन प्राप्त करती है और यह चेतना, जो मां को पूज्य मानती है, उसी मां की वास्तविक सामाजिक उपस्थिति से मुंह मोड़ लेती है।

स्त्री-स्वास्थ्य का विमर्श भारत में आज भी एक ऐसी नीतिगत दोलन अवस्था में है, जहां जनसंख्या नियंत्रण और मातृत्व प्रोत्साहन दो परस्पर-विरोधी ध्रुव नहीं, बल्कि दो वैकल्पिक आंकड़े हैं, जिनके बीच स्त्री की देह एक अनुपस्थित इकाई की तरह झूलती रहती है। जिस शरीर को राज्य, जनसंख्या रेखाओं के ग्राफ़ में नियोजित करता है, उसी शरीर की थकान, पीड़ा और पुनर्निर्माण का कोई स्वतंत्र विमर्श नहीं है। विडंबना यह है कि इस अपूर्ण और लक्ष्य केंद्रित विमर्श को ही हम 'स्वास्थ्य नीति' के नाम से स्वीकृति देते हैं, मानो किसी भी संस्थान की उपस्थिति मात्र ही उसकी न्याय संगतता का प्रमाण हो।

हमें बताया जाता है कि नीतियां मौजूद हैं- जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्र धनुष और हम सहर्ष मान भी लेते हैं, क्योंकि योजनाओं के नाम बड़े सुंदर और श्रद्धास्पद होते हैं। पर थोड़ी देर में समझ आता है कि इन सभी योजनाओं की परिधि वहीं तक है जहां तक स्त्री की देह मातृत्व के लिए उपयोगी मानी जाती है। नीति मानो यह संकेत देती है- 'हम तुम्हारी तब तक चिंता करेंगे, जब तक तुम्हारे भीतर कोई जनगणनात्मक संभावना पल रही हो, उसके बाद तुम्हारा शरीर हमारी दृष्टि से बाहर, तुम्हारा निजी मामला है'। किशोरावस्था, रजोनिवृत्ति, मानसिक स्वास्थ्य या वृद्धावस्था, ये सब स्त्री-जीवन के ऐसे चरण हैं, जो नीति की दृष्टि में शायद 'अवकाश प्राप्त विषय' माने जाते हैं। उनकी चर्चा करना न तो चुनावी भाषणों में उपयुक्त होता है, न बजट की घोषणाओं में शोभनीय। यही कारण है कि स्त्री के संपूर्ण जीवन-चक्र को समझने की कोई संस्थागत जिज्ञासा नहीं बन पाती।

स्त्री के जीवन चक्र को जब तक नीतिगत संरचनाओं में खंडित कर अर्थात किशोरावस्था, मातृत्व, रजोनिवृत्ति और वृद्धावस्था जैसी अवस्थाओं में पृथक-पृथक वर्गीकृत कर देखा जाएगा, तब तक कोई भी स्वास्थ्य कार्यक्रम समग्र नहीं हो सकेगा। यह दृष्टिकोण स्त्री को एक निरंतर जीवंत सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अवसरानुकूल हस्तक्षेप की इकाई के रूप में परिभाषित करता है। राज्य की योजनात्मक दृष्टि यदि देह के केवल उन पक्षों को संबोधित करती है जो प्रजनन-उपयुक्त हैं, तो यह एक वैचारिक अपूर्णता है। एक ऐसी अधूरी संरचना जो भीतर से रिक्त है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 का एक सूक्ष्म पर गहनतः त्रासद आंकड़ा संकेत करता है कि देश की लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच से वंचित हैं। यह कोई आकस्मिक सामाजिक विचलन नहीं, बल्कि एक दीर्घ कालिक नीतिगत विमुखता का संस्थागत प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि स्त्री की जैविक आवश्यकता को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य विमर्श में 'सुविधा' से आगे नहीं देखा गया।

यह उपेक्षा केवल तत्काल असुविधा नहीं लाती, यह आने वाले वर्षों की रक्तहीन संभावनाओं को जन्म देती है। किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है। यह दर केवल शरीर की नहीं, नीति की भी रक्ताल्पता को प्रकट करती है। यदि इन्हीं आंकड़ों को राष्ट्र की स्वास्थ्य-आधारशिला माना जाए तो कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी अगली पीढ़ियां पहले से ही रक्तविहीन हैं- शारीरिक रूप से भी और नीति की कल्पना में भी।

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में आज भी 42% से अधिक प्रसव घरों में सम्पन्न होते हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में कोई प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं होता। यह परिघटना 'स्वावलंबन' की किसी प्रेरक कथा का संकेत नहीं देती, बल्कि यह सुव्यवस्था की अनुपस्थिति की एक सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थायी अवस्था का द्योतक है। दूसरी ओर राजस्थान, जहां प्रतिवर्ष बालिका सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों की योजनाएं स्वीकृत की जाती हैं, वहां केवल 28.6% महिलाएं ही प्रसवोत्तर देखभाल तक पहुंच प्राप्त कर पाती हैं। क्या यह मान लिया गया है कि शेष स्त्रियां मातृत्व के क्षण भर बाद ही आत्मचिकित्सा में स्वयंसिद्ध हो जाती हैं? झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति इस विमर्श को और गहरा करती है। वहां स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक पहुंचना आज भी 'पहाड़ चढ़ने' के तुल्य है। यह कोई भाषिक प्रतीक नहीं, अपितु भौगोलिक सत्य है। इन क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका, अपनी मूल अवधारणा से विचलित हो, अब संसाधन-वितरण की अपेक्षा सांस्कृतिक संकोच के हस्तांतरण में अधिक सक्रिय दिखती हैं। वस्तुतः यह मात्र आंकड़े नहीं, सामाजिक चेतावनियां हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना, उस संरचनात्मक उपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत है, जो दशकों से स्वास्थ्य को कल्याण नहीं, अनुदान की तरह देखती रही है।

किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय व्यापार और नीति पर प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही रूस से ऊर्जा और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाना, पहली नजर में भारत के लिए एक झटका है। एक मुक्त व्यापार समझौता जो भारतीय उत्पादों को दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक अधिक पहुंच की अनुमति देता है और साथ ही, अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोलता है, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। 2024-25 (अप्रैल) में अमेरिका को भारत का निर्यात 86 बिलियन डॉलर था, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक था। अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करना भारत के हित में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर व्यापार पर भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों और ऊर्जा तथा सैन्य उपकरणों पर रूस के साथ व्यवहार का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने के पीछे मुख्य कारणों के रूप में उद्धृत किया। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जुर्माना कैसा होगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अतीत में ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

प्रो. रिपुदमन सिंह
अर्थशास्त्री

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में खटास पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण जरूरी है। हाल के परिदृश्य के पीछे किसी एक कारक को चिन्हित करना मुश्किल है। भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का मुद्दा, राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल से ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाया जाता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लम्बे समय से यह शिकायत कर रहे हैं कि भारत जैसे देश यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध को आंशिक रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने दोहराया है कि वह अपनी राष्ट्रीय और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अगर इसका मतलब सस्ता रूसी तेल खरीदना है, तो वह यही करेगा।

वर्तमान में रूस से भारत का तेल आयात लगभग 35-40 प्रतिशत है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है। इसके अलावा, भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों को अमेरिका सहित सभी व्यापारिक समझौतों से बाहर रखने पर अडिग है। इससे अमेरिका नाराज है, लेकिन यह एक लक्ष्य रेखा है, जिसे भारत पार नहीं करना चाहेगा। इन क्षेत्रों को खोलने से भारत के अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले किसान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सामने आ जाएंगे, जिसका उनकी आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। फिर यह तथ्य भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करने के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर सहमति बनाने के लिए उन्होंने और उनकी व्यापार वार्ता ने ही काम किया था। भारत सरकार ने इस तथ्य का खंडन किया है, जिससे डोनाल्ड ट्रंप और भी नाराज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दावों ने भारतीय सत्ता पक्ष को भी नाराज कर दिया है, क्योंकि इससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक मौका मिल गया है।

टैरिफ के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टैरिफ का भुगतान आयातक करते हैं। इसलिए, भारतीय आयातों पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका में उन लोगों द्वारा किया जाएगा जो भारतीय सामान आयात कर रहे हैं। यानी भारतीय सामान उनके लिए और महंगे हो जाएंगे। यही भारत के लिए असली समस्या है। बैंक ऑफ बड़ौदा के शोध के अनुसार, वृहद स्तर पर, टैरिफ और उनका भारतीय निर्यात पर पड़ने वाला प्रभाव भारत के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 0.2 प्रतिशत की कमी लाएगा। इसलिए, यदि भारत का विकास अनुमान 6.6 प्रतिशत था, तो ये टैरिफ, यदि लगाए जाते हैं, तो विकास दर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न होगी। वस्त्र, कीमती हीरे, ऑटो पार्ट्स, चमड़े के उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

सोशल फोरम

मीना आपा

मीना आपा के भीतर कोई चंचल-शोख़ और मन की उड़ान भरती कोई बेफिक्र लड़की रही होगी...शायद कभी...क्या पता। उनके चुनिंदा मज़ाहिया किरदार देखें तो बरबस उनके शरारती रूप पर यकीन करने का जी हो जाता है। पूरी दुनिया की कई खूबसूरत, बेमिसाल, नायाब अभिनेत्रियों के जीवन पर बहुधा मैंने किसी अभिशाप का साया देखा है।

यूनुस खान
ब्लॉगर

सख्त हक़ीक़त ये है मीना के जीवन पर उदासी का ग्रहण इतना गहरा था कि वो लड़की कहीं बिला गयी। हिरा गयी। और देखिए तो...ऐसे किरदारों में वो ख़ूब खिलीं- जहां कुछ छूट रहा है, जहां हथेली में से रेत की तरह ख़त्म हो रहा है कुछ। वीरान और उजाड़ दुनिया के किरदार, जिनके हिस्से में उनके मन का आकाश नहीं आया। उस पर शाम के सूरज ने गुलाल नहीं बिखराया। उदास शामों, गुमसुम सुबहों और मनहूस रातों वाले किरदार।

'ये बिखरी जुल्फ़ें ये खिलता कजरा/ ये महकी चुनरी ये मन की मदिरा/ ये सब तुम्हारे लिए है प्रीतम/ मैं आज तुमको जाने ना दूंगी'।

....और सामने वाला हाथ झटककर चल देता है। एक स्त्री के वजूद, उसके अरमानों और उसकी तमन्नाओं को धता बताकर। ख़्वाब देखना कोई कुसूर नहीं। क्या रहे होंगे उनके ख़्वाब। और कैसे किरच-किरच बिखरे होंगे, क्या पता...

'पंछी से छुड़ाकर उसका घर/ तुम अपने घर पर ले आये
ये प्यार का पिंजरा मन भाया/ हम जी भर-भर कर मुस्काये
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से/ तुम कहने लगे आज़ाद रहो'

38 बरस की उम्र क्या होती है। सिर्फ़ 38 बरस। इन अड़तीस बरसों में कितने दिन बोझिल और उदास बीते होंगे मीना आपा के। तभी तो उनके लिखे में दर्द छलक-छलक पड़ता है।

आबला-पा कोई इस दश्त में आया होगा
वर्ना आंधी में दिया किस ने जलाया होगा।।
या फिर:
यूं तेरी रहगुज़र से दीवाना-वार गुज़रे
कांधे पे अपने रख के अपना मज़ार गुज़रे।।

मीना ये कहते हुए चली गयीं--

'राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगे ये जहां तन्हा'

आज 'नाज़' उनासी की होतीं पर अड़तीस की होकर चली गयीं।

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharayodhya@gmail.com आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

कानपुर के पास स्थित ब्रह्मावर्त की महिमा पुराणों में, यहीं वाल्मीकि आश्रम में रहीं माता सीता, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की भी गवाह है यह भूमि

यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

कानपुर शहर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है, धार्मिक-पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल ब्रह्मावर्त, जिसकी महिमा पुराणों में वर्णित है। इसे बिठूर के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह क्षेत्र सृष्टि का केंद्र है, क्योंकि जल प्लावन के बाद सबसे पहले जल से प्रकट होने वाला भू-भाग यही था। पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं सृष्टि रचना पूर्ण करने के उपरान्त ब्रह्मेश्वर शिवलिंग स्थापित कर अश्वमेद्य यज्ञ किया और अश्वनाल को कीलित कर स्थापित किया। बिठूर के ब्रह्मेश्वर घाट में इसकी आज भी ब्रह्मा की खूंटी के रूप में पूजा-अर्चना होती है। बिठूर में ही महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। जहां बैठकर उन्होंने रामायण की रचना की थी। इसी आश्रम में श्रीराम द्वारा परित्याग किए जाने के बाद माता सीता ने निवास किया और लव और कुश नामक दो पुत्रों को जन्म दिया था। आश्रम में तीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर महर्षि वाल्मीकि का है, जिसमें उनकी पद्मासन मुद्रा में बैठे और दाएं हाथ में लेखनी लिए प्रतिमा स्थापित है। उनके पास ही भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

वाल्मीकि आश्रम में है स्वर्ग की सीढ़ी

- बिठूर में वाल्मीकि आश्रम ऊंचाई पर बना है। इसलिए यहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई हैं। इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ी कहा जाता है। आश्रम में माता सीता की रसोई के पास यह सीढ़ियां बनी हैं। यहां श्रीराम तथा उनकी सेना के साथ लव-कुश के युद्ध के प्रमाणों के साथ घटनास्थलों के नाम भी उस कालखंड की पुष्टि करते हैं, जैसे सीता परित्याग स्थल परियर, सेना के साथ रणभूमि में मिलन रणमेल या रमेल तथा महारण झील अथवा महान झील है। यह क्षेत्र आदि काल से ही मुनियों की तपस्थली तथा यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात रहा है। ब्रह्मा जी और मित्रसह के अश्वमेघ यज्ञ तथा पृथु द्वारा मनु महाराज से अश्वमेध यज्ञ की दीक्षा प्राप्त करने के साथ ही दुष्यंत पुत्र राजा भरत द्वारा गंगा तट पर 55 अश्वमेघ यज्ञ करने का उल्लेख श्रीमद्भागवत् के नवम् स्कन्ध में मिलता है। इससे प्रमाणित होता है कि ब्रह्मावर्त यज्ञ दीक्षा एवं यज्ञ करने का अति महत्वपूर्ण स्थान था।

इन तथ्यों और अवशेषों से मिले प्रमाण

वाल्मीकि रामायण में उत्तरकाण्ड के पैंसठवें सर्ग के श्लोक 1 तथा 2 में उल्लिखित है कि श्रीराम के भाई शत्रुघ्न ने अयोध्या से लवणासुर को मारने के लिए सेना भेजने के बाद अकेले ही प्रस्थान किया और दो दिन यात्रा के उपरान्त तीसरे दिन वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। अयोध्या से बिठूर तक उस समय में घोड़े या अश्वरथ से 2 दिन का समय लगना पूर्णत: विश्वसनीय है। यही समयावधि सीता परित्याग की घटना में वर्णित है।

- श्रीमद्भागवत् के चतुर्थ स्कन्ध के 19वें अध्याय में राजा पृथु द्वारा मनु महाराज से ब्रह्मावर्त में अश्वमेध यज्ञ दीक्षा लेने का उल्लेख है।
- महाकवि विद्यापति द्वारा 13 वीं सदी में रचित भू परिक्रमा में बिठूर में बलराम जी के तीर्थ यात्रा में आने का उल्लेख मिलता है।
- भारत में सर्वप्रथम ताम्र निधियों की प्राप्ति बिठूर में ही हुई। इनका कालखण्ड 4000 वर्ष ईसा पूर्व तक आंका गया है।
- यहां रामायण काल के अस्त्र - शस्त्र भी मिले हैं, जिनमें से कुछ रामजानकी मंदिर में संग्रहीत हैं।
- महाराज मनु की संतान राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव की तपस्थली के स्मृति स्वरूप यहां ध्रुव टीला आज भी विद्यमान है, जिससे प्रागैतिहासिक काल तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

नाना साहब के नेतृत्व में लड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

- बिठूर का इतिहास आजादी की लड़ाई से भी प्रमुखता के साथ जुड़ा है। 1817 में पूना के पेशवा बाजीराव पेशवा द्वितीय को अंग्रेजों से हुए समझौते के कारण पेंशन लेकर बिठूर में निवास करना पड़ा। इसके बाद तमाम मराठी परिवार यहां बस गए। बाजीराव ने बिठूर में महल तथा कई इमारतें बनवाईं। 1851 में बाजीराव की मृत्यु के उपरान्त उनके दत्तक पुत्र धूंधू पन्त नाना साहब के रूप में विख्यात हुए। लेकिन अंग्रेजों ने नानाराव को पेंशन देने से मना कर दिया। अंग्रेज सरकार के इस रवैये के खिलाफ नाना साहब ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने की योजना बनाई। नाना साहब के नेतृत्व में बिठूर को केन्द्र बनाकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया।

पूर्व वैदिक काल की मान्यता रखता है ध्रुव टीला

घने जंगल में अकेले बैठकर कैसे पांच साल के बालक ध्रुव ने भगवान विष्णु की तपस्या कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, यह कहानी हम सभी ने सुनी है। बालक ध्रुव के समर्पण से सनातन सप्त ऋषियों ने अभिभूत होकर उन्हें विशाल अंतरिक्ष में ध्रुवपद (ध्रुव तारा) का सर्वोच्च पद प्रदान किया था। माना जाता है कि ध्रुव का जन्म बिठूर में हुआ था और जिस स्थान पर वह ध्यान के लिए बैठे थे, उसे ध्रुव टीला कहा जाता है। यह शांत स्थान गंगा नदी के किनारे स्थित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबे के भाले, कुल्हाड़ी, चाकू, मूर्तियां, तांबे के गोलाकार छल्ले और अन्य वस्तुएं मिली हैं। इतिहासकारों का मानना है कि ध्रुव टीला संभवत: पूर्व वैदिक काल का है। मान्यता है कि ध्रुवटीला राजा उत्तानपाद के राजकाल के दौरान का है। यहां ही ध्रुव का जन्म हुआ। 1822 में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में यहां से ताम्र आयुध बरामद हो चुके हैं। सभी ऐतिहासिक धरोहरें कोलकाता, लखनऊ और प्रयाग के संग्रहालय में संरक्षित हैं। ध्रुव टीला के बगल में एक प्राचीन दुर्गा मंदिर और भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु संत रामदास के सम्मान में एक आश्रम भी बनाया गया है।

लेखक
धर्म प्रकाश गुप्त
संयोजक सचिव
कानपुर पंचायत

प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

लेखक
अभिनेता
ललित तिवारी।

नैनीताल का रंगमंच कुमाऊनी संस्कृति और सभ्यता का आईना, और भारतीय अतीत के साहित्य व सामाजिक जीवन का अदभुत रूप है। नैसर्गिक पर्वतीय क्षेत्र का आकर्षण 141 वर्ष पहले कला प्रेमी बंगाली कलाकारों को यहां खींचकर लाया था, जिन्होंने वर्ष 1884 में नाट्य मंचन का शुभारंभ किया। इसी के बाद वर्ष 1900 में इंडियन क्लब की स्थापना हुई और स्थानीय लोग भी नाट्य मंचन में हिस्सा लेने लगे। 1900 में ही इंडियन एमेच्योर क्लब और 1910 में फ्रेंड्स एमेच्योर ड्रामेटिक क्लब खुला। इस दौर में ज्यादातर धार्मिक नाटकों का मंचन हुआ करता था। आजादी के काफी बाद 1980 के दशक में युगमंच की स्थापना हुई। नैनीताल का प्रसिद्ध यह रंगमंच समूह उत्तराखंड के सांस्कृतिक इतिहास, भूगोल और नाट्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।

नैनीताल का रंगमंच, सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने क्षेत्र की कलात्मक विरासत को समृद्ध किया है। कई स्थानीय कलाकारों को अलग पहचान दिलाई है। इनमें ललित तिवारी को जहां बॉलीवुड की राह मिली, वहीं निर्मल पांडे ने बैंडिट क्वीन में विक्रम मल्लाह का शानदार किरदार निभाया। ज्ञान प्रकाश भी रंगमंच से टीवी धारावाहिक और बॉलीवुड में सक्रिय हैं, जबकि इदरीस मलिक रंगमंच के जरिए युवाओं की प्रतिभा निखार रहे हैं। मशहूर रंगकर्मी मिथिलेश पांडे कहते हैं कि नैनीताल के रंगमंच ने अभिनय ही नहीं बल्कि निर्देशन के साथ फिल्म मेकिंग और कला की अनेक वर्गों में प्रतिभाओं को स्थापित किया है।

मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान

सेहत के लिए संजीदा हो रहे समाज में मिट्टी के बर्तनों को हर घर की शान बनाने के अभियान में जुटी हैं, कानपुर की बिंदु सिंह। प्लास्टिक, एल्युमुनियम और नॉन स्टिक मुक्त रसोई बनाने के लिए सर्वोसार्थ माटी के बर्तनों को उन्होंने देश के हर कोने में पहुंचाने के साथ विदेशों में भी पसंदीदा बना दिया है। उनकी इस पहल ने मिट्टी के बर्तनों की मांग खत्म होने से परेशान कुम्हारों के जीवन में नया सवेरा ला दिया है। री-यूजेबल और डिस्पोजल दोनों तरह के बर्तनों के उन्होंने 360 से अधिक प्रोडक्ट तैयार किए हैं। कुम्हारों का पलायन रोकने के साथ बिंदु सिंह ने उन्हें शिक्षा देकर नयी टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया है, इससे नए उत्पाद गढ़ने और उन्हें आधुनिकता के सांचे में ढालने का काम आसान हो गया है। वह मिट्टी के बर्तनों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेलों और प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने के साथ ऑनलाइन बिक्री भी करती हैं। यही नहीं, जेल में निरुद्ध महिलाओं को मिट्टी के बर्तनों पर पेंटिंग करना सिखाकर जेल से बाहर आने पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए इको फ्रैंडली उत्सव और कौशल विकास के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों व संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित करती हैं। उनके निर्देशन में 200 से अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो बड़ी संख्या में कुम्हारों के परिवार और गांव भी जुड़े हैं।

बिंदु सिंह।

सुंगध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक

कन्नौज का पौराणिक नाम कन्याकुब्ज था। मिहिर भोज के समय में इसे महोदया नाम से भी जाना जाता था। कन्नौज कभी प्रमुख ऐतिहासिक नगर था, जिसे इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। गंगा नदी के तट पर स्थित यह नगर पुरातात्विक दृष्टि से प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। यह नगर इतना संपन्न था कि इसे राजा हर्ष, नागभट्ट द्वितीय जैसे राजाओं ने राजधानी बनाया। राजा हर्ष के बाद यहां कई राजाओं ने राज किया। वर्ष 554 में यह मौखरी वंश की राजधानी बना। छठी सदी में सम्राट हर्ष ने राजधानी बनाया। 647 में इसकी संपन्नता को धक्का लगा। लेकिन 715 ई. में यशोवर्मन काल में फिर से कन्नौज में संपन्नता का सूरज चमका। 815 में गुर्जर-प्रतिहारों ने इसे संवारा। 1080 गहरवारों के शासन में इसकी समृद्धि बढ़ी। मगर 1194 ई. में यहां के वीर राजा जयचंद्र की पराजय के बाद इसकी समृद्धि का सूरज अस्त हो गया। जयचंद्र के समय कन्नौज में धर्म-संस्कृति कैसी थी, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बंगाल के राजा को धर्म और सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए कन्नौज से ब्राह्मणों को बुलाना पड़ा था।

राजा वेणु की सात पुत्रियां देवी के रूप में स्थापित

रामायण काल में कन्नौज के तेजस्वी व महापराक्रमी राजा वेणु हुए, जिनकी सात पुत्रियां थीं। इन सभी सातों पुत्रियों ने कठिन तप किया और वह देवी स्वरूप में परिवर्तित हो गईं। कन्नौज के अलग-अलग क्षेत्रों में इन सभी देवियों माता फूलमती, माता क्षेमकली, संदोहनी देवी, गोवर्धनी देवी, शीतला देवी, सिंह वाहिनी देवी और मौरारी देवी के मंदिर स्थापित हैं।

राजा जयचंद की मौत के बाद अस्त हो गया समृद्धि का सूरज

जयचंद की मौत के बाद कन्नौज गुलाम वंश के अधीन हो गया। तेहरवीं शताब्दी में मोहम्मद तुगलक ने कन्नौज को उजाड़ दिया। लुटेरों का बोलबाला हो गया। मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। कांस्य युग के समय के कई पूर्व ऐतिहासिक हथियार और उपकरण यहां मिले हैं। पुराणों में कन्नौज का अश्वतीर्थ के रूप में वर्णन किया गया है। वर्तमान में कन्नौज अपने परफ्यूम उद्योग के लिए जाना जाता है। कन्नौज में टैराकोटा से बनी चीजें और प्राचीन सिक्कों का मिलना बहुत आम बात है। यहां मौर्य और गुप्त वंश के समय की चीजों को भी देखा जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,710.25	24,649.55
गिरावट	308.47	73.20
प्रतिशत में	0.38	0.30

सोना 98,820 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,12,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, बुधवार, 6 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

मालवाहक गलियारे को महाराष्ट्र ने दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को नई स्टार्टअप एवं नवाचार नीति, नए मालवाहक गलियारे, भूमि सुधार और कुष्ठ रोगियों की देखभाल में लगे संगठनों को अनुदान बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 'महाराष्ट्र स्टार्टअप, उद्यमिता और नवाचार नीति-2025' को पूरे राज्य में कौशल विकास, नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मंजूरी दी गई है। मंत्रिमंडल ने पालघर जिले में स्थित वधावन बंदरगाह को बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग' (भरवीर स्थान) से जोड़ने वाले नए मालवाहक गलियारे को भी मंजूरी दी। इसकी योजना और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी गई है।

मेडिस्टेप हेल्थकेयर का आईपीओ 8 अगस्त को

नई दिल्ली। दवा कंपनी मेडिस्टेप हेल्थकेयर का 16.09 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आठ अगस्त को खुलकर 12 अगस्त को बंद होगा। मेडिस्टेप हेल्थकेयर ने कहा कि उसके शेयर 18 अगस्त को एनएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 37.44 लाख शेयर हैं, जिनकी कीमत 43 रुपये प्रति शेयर है। इससे कुल निर्गम का आकार 16.09 करोड़ बैठता है। सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 61.10 करोड़ होने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक गिरधारी लाल प्रजापति ने कहा, आईपीओ से प्राप्त राशि रणनीतिक रूप से हमारे विस्तार प्रयासों को समर्थन देगी।

वन97 कम्युनिकेशंस में अपना हिस्सा एंट ने बेचा

नई दिल्ली। उद्योगपति जैक मा की एंट फाइनेंशियल ने पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी पूरी 5.84% हिस्सेदारी 3,803 करोड़ में बेच दी है। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद घरेलू शेयर बाजारों में कंपनी के शेयर में गिरावट आई। एंट ग्रुप ने अपनी सहयोगी कंपनी एंटफिन (नीदरलैंड्स) होल्डिंग बीवी के माध्यम से नोएडा स्थित वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर बेच दिए हैं। एंट ग्रुप को पहले एंट फाइनेंशियल के नाम से जाना जाता था।

ब्याज दर पर बदलाव की संभावना कम

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा आज करेंगे तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है।

मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है। अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25% अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल 1% अंक की कटौती की जा चुकी है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही 1% अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं। रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।

एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 2% घटबढ़ के साथ 4% के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

● 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का कर सकता है इंतजार

रिजर्व बैंक के निर्णय से पहले बाजार में आई गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले बैंक और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। बीएसई का सेंसेक्स 308.47 अंक की गिरावट के साथ 80,710.25 अंक पर बंद हुआ। और एनएसई का निफ्टी भी 73.20 अंक की गिरावट के साथ 24,649.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी शामिल हैं। बीएसई का स्मॉलकैप 0.27 और मिडकैप 0.14% के नुकसान में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.02 प्रतिशत टूटकर 68.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर

● नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से मिला समर्थन, पीएमआई सूचकांक 60.5 रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसे नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया, उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है। भंडारी ने कहा, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है... जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी से चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

महिलाओं को लोन देने पर कवरेज बढ़ाएं बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमएफबीवाई के अंतर्गत किसानों का खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) की बहनों की तरक्की के लिए उन्हें लोन देने के संबंध में मंगलवार को बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि वे महिलाओं को लोन देने के लिए फोकस कर कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी ध्यान दें, ताकि बेहतर नतीजे मिल सकें। सिंह ने निर्णय लिया कि फसल बीमा में किसानों को सुरक्षा कवच देने के लिए 16-30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

शिवराज सिंह ने बताया कि देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं हैं। इनको अब तक 11 लाख करोड़ का लोन दिया जा चुका है। किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण 10.25 लाख करोड़ को पार कर गया है। बैंकों द्वारा अब 75% ऋण किसानों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, बैंकों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

वर्चुअल बैठक लेते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

● खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और महिला स्वरोजगार को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली बैठक

शीर्ष निर्यातक राज्य रहा गुजरात, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। कुल 9.83 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार यह जानकारी दी।

पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के बावजूद, गुजरात का निर्यात अन्य सभी राज्यों से काफी आगे रहा। यह दूसरे स्थान पर रहने वाले राज्य महाराष्ट्र (5,57,271 करोड़ रुपये) से लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये अधिक है। फियो के अनुसार, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का स्थान है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि गुजरात ने 2024-25 में, देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति फिर से स्थापित की है। फियो के अनुसार, गुजरात से होने वाले निर्यात में कुछ जिलों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसमें जामनगर 3.63 लाख करोड़ रुपये के साथ अगुवा बना हुआ है। इसका मुख्य कारण पेट्रोलियम और रिफाइनरी निर्यात है। जामनगर राज्य के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान देता है।

● निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

फियो निर्यातकों की सहायता के लिए अमेजन के साथ करेगा समझौता

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि वह घरेलू निर्यातकों को सीमापार व्यापार के माध्यम से विदेशी बाजारों तक पहुंचने में सहायता करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) ने कहा कि ई-कॉमर्स को लेकर परामर्श कार्यक्रम भी होगा। इसमें प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और भारत से ई-कॉमर्स निर्यात के लिए अनुकूल परिवेश को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

राष्ट्रीय

दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार

मानसून सत्र : एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों के सांसदों ने किया हंगामा

● हंगामे के बीच लोस में पारित हुआ गोवा राज्य, अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुन: समायोजन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.15 बजे दिनभर के लिए स्थगित हो गई। हंगामे के बीच ही 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

सदन की कार्यवाही स्थगन के बाद दो बजे पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने आवश्यक कागज प्रस्तुत कराए। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024' को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसमें गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। सदन ने कुछ मिनट के अंदर विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए शोर-शराबे के बीच ही विधेयक को मंजूरी दे दी। इस पर पिछले साल दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा हुई थी। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी दलों से शांत रहने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमने पर बैठक को बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

लोकसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष को जवाब देते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पंद्रह मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

सदन की बैठक पूर्वाह्न11 बजे जब शुरू हुई तो बीते सप्ताह राज्यसभा में सदन के अंदर मार्शलों की जगह सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। उपसभापति हरिवंश और सरकार दोनों ने ही सदन में मार्शलों की जगह सीआईएसएफ की तैनाती संबंधी विपक्ष का दावा सिरे से खारिज कर दिया। हरिवंश ने सदन को सूचित किया कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते सप्ताह राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने अफसोस जताया कि खरगे का वह पत्र मीडिया के पास पहुंच गया। इसी दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हरिवंश ने इन सदस्यों से शांत रहने और उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा आपको आसन का पक्ष सुनना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं और यह सवाल उठाया कि नारेबाजी करना, आसन के समक्ष आना और अन्य सदस्यों को बाधित करना कैसे लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है। खरगे ने कहा कि उन्होंने पत्र की जानकारी सदस्यों के हित में प्रेस नोट के जरिए साझा की। उन्होंने उन्होंने सवाल किया, सीआईएसएफ को सदन में लाया जा रहा है। क्या हम आतंकवादी हैं? इस पर उपसभापति ने कहा, वे सीआईएसएफ के कर्मी नहीं थे, वे संसद सुरक्षा सेवा के कर्मी थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पूछा कि जब नेता प्रतिपक्ष भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करते हैं या गलत जानकारी वाले पत्र लिखते हैं तो उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "सदन में केवल मार्शल ही आ सकते हैं और उस दिन केवल मार्शल ही मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

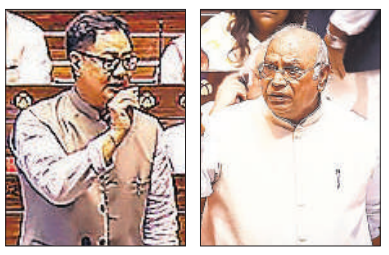

ऑपरेशन सिंदूर के लिए राजग ने प्रधानमंत्री को किया सम्मानित

● मोदी बोले- विपक्ष को सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस करने के फैसले पर हो रहा होगा पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को मंगलवार को एक साल के बाद संबोधित करते हुए स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में कई क्षेत्रों में ताकत से परे जाकर कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए। राजग की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी।

मंगलवार को हुई राजग की बैठक में मोदी को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके बेजोड़ साहस और अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई।

मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। यह तो बस शुरुआत है। अभी लंबा रास्ता तय करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि प्र 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह 6 साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को आतंकी हमले और सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस कराने के फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। मोदी ने याद दिलाया कि उन्होंने लोकसभा में अपने जवाब की शुरुआत इस बात से की थी कि वे 'भारत का रुख' प्रस्तुत करेंगे।

राजग की संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य। एजेंसी

बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के काफिले पर हमला

कूचबिहार (प. बंगाल), एजेंसी

प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को नाटक करार दिया।

कूचबिहार में एसपी कार्यालय के बाहर भाजपा की रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर थे। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न और एनआरसी लागू करने के प्रयास का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर धरना दिया। इनमें से अधिकतर अधिकारी के रास्ते में थे।

● टीएमसी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए बताया नाटक

धर्मार्थ संस्था पर वाद के लिए अदालत की पूर्व अनुमति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं से संबंधित प्रावधान के तहत वाद दायर करने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति आवश्यक है, क्योंकि यह कदम जनहित में और सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से शुरू किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कानूनी मुद्दों पर दिशा-निर्देश जारी किए और उस अपील को खारिज कर दिया, जो 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसाइटी द्वारा दायर की गई थी। इस अपील में सीपीसी की धारा 92 के तहत उस वाद की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी, जो सोसाइटी के खिलाफ दायर किया गया था। सीपीसी की धारा 92 सार्वजनिक धर्मार्थ या धार्मिक ट्रस्ट से संबंधित मुकदमों से संबंधित है और यह उन मामलों में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देती है, जहां कथित भरोसा तोड़ने या ट्रस्ट के प्रशासन के लिए अदालत के निर्देश की आवश्यकता होती है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, सीपीसी की धारा 92 के तहत दायर किया गया वाद विशेष प्रकृति का प्रतिनिधि वाद होता है, क्योंकि यह सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से और जनहित में दायर किया जाता है। मुकदमे को आगे बढ़ाने से पहले अदालत से 'अनुमति' प्राप्त करना एक प्रक्रियात्मक और विधायी सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करता है।

● सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत दायर की अपील की खारिज

प्रदूषण बोर्ड पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए प्रतिपूर्ति और प्रतिपूरक हर्जाना लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारों को बरकरार रखा और कहा कि रोकथाम एवं निवारक उपाय पर्यावरणीय प्रशासन के अधीन होने चाहिए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल अधिनियम और वायु अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाना लगाने का अधिकार रखते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने सोमवार को दिए फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद हमारा मानना है कि जल और वायु अधिनियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करने वाले पर्यावरण नियामक यानी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संभावित पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए एक निश्चित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति या प्रतिपूरक हर्जाना लगा सकते हैं और वसूल सकते हैं या पूर्व-निर्धारित उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करना आवश्यक कर सकते हैं।

मप्र के कुबरेश्वर धाम में भीड़ के दौरान झड़प, दो की मौत

सीहोर, एजेंसी

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने के बाद कुछ लोगों में कथित तौर पर झड़प हो गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुनीता रावत ने दो लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

● कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है कुबरेश्वर धाम

● क्षमता से अधिक लोगों के आने से फैली अव्यवस्था

वर्ल्ड ब्रीफ

कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ 5वें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

रोजगार आंकड़े जारी करने पर अफसर बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में रोजगार संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के निदेशक को बर्खास्त कर दिया। अमेरिका में नौकरियों संबंधी मासिक आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की पहले से ही नजर रहती है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस रिपोर्ट की निगरानी करने वाले अधिकारी को शुक्रवार को बर्खास्त किए जाने के बाद ये आंकड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं को खराब दिखाने के लिए जून के रोजगार संबंधी आंकड़ों में हेरफेर किया गया था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

ब्राजील अमेरिकी टैरिफ को देगा चुनौती

ब्रासीलिया। ब्राज़ील विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में नए लगाए गए अमेरिकी आयात शुल्क को औपचारिक रूप से चुनौती देने की तैयारी कर रहा है, साथ ही बातचीत के रास्ते भी खुले रखे हुए है। ब्राजील के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार से लागू होने वाले कॉफी, बीफ और पेट्रोकेमिकल्स सहित ब्राजील के कई वस्तुओं के निर्यातों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आया है।

पश्चिमी देशों को क्यों रास आता है

दुनिया में तेल का खेल

तेल जिसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पूरी दुनिया के लिए एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें तमाम देशों के राजनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हित शामिल हैं। रूसी तेल के आयात को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का यही एक बड़ा कारण है। दुनिया की ऊर्जा पर निर्भरता, तेल आधारित महंगाई और बाजार नियंत्रण के साथ राजनीतिक दबाव का प्रमुख जरिया होने के कारण ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश तेल के कारोबार पर अपना नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए आर्थिक प्रतिबंधों और निर्यात बाधित करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल करते हैं।

तेल का महत्व

- **आर्थिक :** तेल सबसे बड़ी कमोडिटी है और इसका उपयोग परिवहन, विनिर्माण, और बिजली उत्पादन सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- **राजनीतिक :** तेल भंडार वाले देशों का वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, तेल की कीमतें अक्सर देशों के बीच तनाव और सहयोग का कारण बनती हैं।
- **भू-राजनीतिक :** तेल की उपलब्धता और पहुंच अक्सर देशों के बीच संघर्ष और सहयोग का कारण बनती है, खासकर मध्य पूर्व और अन्य तेल समृद्ध क्षेत्रों में।

प्रमुख तेल उत्पादक

- वेनेजुएला, सऊदी अरब, कनाडा, ईरान और इराक जैसे देश सबसे बड़े तेल भंडार हैं और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में भूमिका निभाते हैं।

पश्चिमी देशों का रुख

- अमेरिका समेत पश्चिमी देश अर्थव्यवस्था, राजनीतिक दबाव और महंगाई पर नियंत्रण के लिए दुनिया भर में तेल के कारोबार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।
- अमेरिका जैसे देशों का विपरीत परिस्थितियों में अपने विशाल तेल भंडार खोलकर पूरी दुनिया में तेल कीमतों को नियंत्रित करने का पुराना हथकंडा है।
- प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण का भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस-ईरान जैसे देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उनका तेल निर्यात सीमित किया गया है।

रूस की ताकत बना तेल

- रूस की बजट आमदनी का 40% से अधिक हिस्सा तेल और गैस से आता है। युद्ध के समय यह आय हथियारों और सेना के खर्च में लगाई जा रही है।
- यूरोप द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद रूस ने भारत, चीन, तुर्किए जैसे देशों को रियायती दर पर तेल बेचना शुरू किया जिससे उसकी आय बरकरार रही।
- कई देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह रूस से रिश्ता नहीं तोड़ सके जैसे जर्मनी और हंगरी यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत में।

ओपेक

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसमें 13 देश शामिल हैं। ये दुनिया के तेल उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा नियंत्रित करता है और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तेल ने बनाया अर्थशक्ति

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने सॉवरेन वेल्थ फंड में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यूएई ने तेल के पैसे से दुबई और अबूधाबी को वैश्विक आर्थिक हब में बदल दिया। कुवैत-कतर जैसे छोटे देश प्रति व्यक्ति आय में उच्चस्तर पर है और कई सामाजिक कल्याण कार्यक्रम भी चला रहे हैं। नॉर्वे दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया है।

अमेरिका में विदेशी पर्यटकों को 15000 डॉलर का देना होगा बांड

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रुकने वालों के लिए बना नियम**

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

मंत्रालय ने कहा, व्यापार या मौज मस्ती के लिए अस्थाई आगंतुक के रूप में वीजा आवेदक और मंत्रालय द्वारा चिह्नित ऐसे विदेशी जिनका वीजा अवधि से अधिक दिन ठहरने का इतिहास रहा है, अथवा निवेश के जरिए नागरिकता की पेशकश करने वाले व्यक्ति और ऐसे विदेशी जिन्होंने बिना आवश्यकता के नागरिकता प्राप्त की हो, वे इस प्रायोगिक कार्यक्रम के अधीन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के दायरे में आने वाले देशों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपीन सहमत

मोदी ने कहा- भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपीन तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है। मोदी ने कहा, "यह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है। भारत और फिलीपीन दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत-फिलीपीन के बीच नौ समझौतों पर हुए हस्ताक्षर।

दोनों देशों ने किए नौ समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और फिलीपीन ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है। मोदी ने कहा कि फिलीपीन भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, "हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

- मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपीन सरकार का आभार जताया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं।

फिलीपीन में त्वरित परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, आज जब फिलीपीन के राष्ट्रपति भारत में हैं, तब भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फिलीपीन में किसी नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा, व्यापार संबंधों को और मजबूत करने के लिए, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की जल्द समीक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करने का भी फैसला लिया है। मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और खनिज क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विषाणु विज्ञान से लेकर एआई और 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' (3-डी प्रिंटिंग) तक, संयुक्त अनुसंधान किए जा रहे हैं।

जज के आपराधिक मामले सुनने पर सुप्रीम रोक, कहा- न्याय का मजाक बना दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को कार्यकाल समाप्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब न्यायाधीश ने एक दीवानी विवाद में त्रुटिपूर्वक आपराधिक प्रकृति के समन को बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उनकी सेवानिवृत्ति तक उनके रोस्टर से आपराधिक मामलों को हटाने का निर्देश दिया और उन्हें एक खंडपीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का कार्य सौंपा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने एक कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट के समन आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। इस कंपनी पर दीवानी प्रकृति के एक व्यापारिक लेनदेन में शेष राशि का भुगतान न करने का आरोप था।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि शिकायतकर्ता को राशि वसूलने के लिए दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना अनुचित है, क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि शिकायतकर्ता को शेष राशि की वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश उनके न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल के दौरान देखने में आया सबसे खराब और सबसे त्रुटिपूर्ण आदेशों में से एक था।

- **हाईकोर्ट के जज ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम**
- **सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे**

समझना मुश्किल, यह अज्ञानता या कोई बाहरी प्रभाव

पीठ ने कहा, न्यायाधीश ने न केवल खुद के लिए अपमानजनक स्थिति उत्पन्न की है, बल्कि न्याय का मजाक भी बना दिया है। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय के स्तर पर भारतीय न्यायपालिका के साथ क्या समस्या है। कभी-कभी हमें आश्चर्य होता है कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी प्रभाव में दिए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और त्रुटिपूर्ण आदेश पारित करना अक्षम्य है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'मेसर्स शिखर केमिकल्स' द्वारा वाणिज्यिक लेनदेन के एक मामले में समन आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस मामले में, शिकायतकर्ता (ललिता टेक्सटाइल्स) ने 'शिखर केमिकल्स' को 52.34 लाख रुपये मूल्य का धागा बेचा था, जिसमें से 47.75 लाख रुपये का भुगतान किया गया लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

दोषी एमपी-एमएलए पर ताउम्र पाबंदी पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सीजेआई करेंगे फैसला**

आपराधिक मामलों में दोषी सांसदों और विधानसभा सदस्यों को स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने की मांग एक याचिका पर वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर फैसले के लिए सीजेआई बीआर गवई के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मंगलवार को इस मामले का उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर यह जनहित याचिका, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है, जो वर्तमान में दोषी विधायकों को सजा पूरी करने के बाद केवल छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकती है।

पीठ ने मामले की तात्कालिकता को स्वीकार किया और निर्देश दिया कि मामले को आगे के निर्देशों के लिए सीजेआई के समक्ष रखा जाए। इस याचिका पर अंतिम सुनवाई 20 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार जता चुकी है विरोध

फरवरी 2025 में केंद्र सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आजीवन अयोग्यता संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है, न्यायपालिका को इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। केंद्र ने जवाब में कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत किसी प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, लेकिन याची द्वारा सुझाए गए छह वर्ष के स्थान पर आजीवन शब्द का प्रयोग करने के लिए कानून को फिर से नहीं लिख सकता।

ब्राजील : पूर्व राष्ट्रपति जेयर को नजरबंद करने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। श्री बोल्सोनारों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कथित साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चल रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोमवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा कि बोल्सोनारो अदालत की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का उपयोग भी शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि बोल्सोनारो ने अन्य यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के लिए भाषण रिकॉर्ड किए थे। यह तीसरे पक्ष के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए साक्षात्कारों या सार्वजनिक या निजी भाषणों के दुरुपयोग पर रोक लगाने वाले आदेश का उल्लंघन है।

पलटवार: भारतीय सेना ने अमेरिका के चेहरे से मुखौटा उतारा

यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के ट्रंप के आरोपों के बाद पाकिस्तान को हथियार देने वाली पुरानी खबर साझा की

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से भारत की आलोचना और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच भारतीय सेना ने मंगलवार को अगस्त 1971 की एक समाचार क्लिप साझा की, जिसमें 1954 से पाकिस्तान को हथियार देने में अमेरिका की भूमिका को उजागर किया गया है। यह समाचार क्लिप सेना की पूर्वी कमान द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में साझा की गई।

पोस्ट में हैशटैग भारतीयसेना, पूर्वीकमान, विजयवर्ष, 'लिबरेशन ऑफ बांग्लादेश' और 'मीडिया हाइलाइट्स' के साथ ही इसमें नोफैक्ट्स (तथ्यजानें) हैशटैग के साथ 'इस दिन उस वर्ष' युद्ध की तैयारी - 05 अगस्त 1971 का भी उल्लेख किया गया है। यह समाचार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुआ था। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। इस खबर में तत्कालीन समय से पिछले लगभग दो दशकों में पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराने में अमेरिका की भूमिका के बारे में बताया गया था। इसका शीर्षक था, 'यूएस आर्म्स वर्थ डॉलर2 बिलियन शिप्ड टू पाकिस्तान सिंस 54' यानी '1954 से अब तक दो अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर और अधिक शुल्क लगाने की धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने मॉस्को के साथ नयी दिल्ली के ऊर्जा संबंधों की आलोचना को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

- **1954 से 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को की थी दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई**

तत्कालीन रक्षामंत्री ने खोली थी पोल

खबर में तत्कालीन रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला का हवाला दिया गया है, जिन्होंने उस अवधि के दौरान आपूर्ति किए गए हथियारों के अनुमानित मूल्य के बारे में राज्यसभा को बताया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट नई दिल्ली द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर वाशिंगटन की बढ़ती आलोचना के बीच आया है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 13.12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

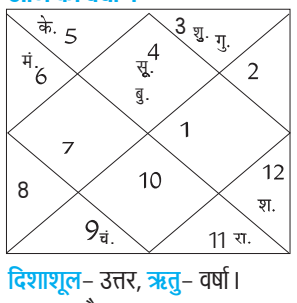

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल और ताराबल
ताराबलअश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष आज आपके कामकाज की सराहना होगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी दिन उत्तम है। निवेश के लिए नए अवसर मिल सकते हैं।

वृष आपके लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आप संयम से काम लें। घर में किसी मुद्दे पर वाद-विवाद संभव है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा। पैसों की लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही से बचें।

मिथुन आज के दिन आप नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता या नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। घर में खुशी का माहौल रहेगा और परवार के लोगों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए पुराने पूरे हो सकते हैं।

कर्क आज का दिन मानसिक रूप से कुछ उतार-चढ़ाव वाला है। किसी पुराने दोस्त से गलतफहमी हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में नए अनुबंध मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और खान-पान का समय दुरुस्त रखें। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह आजका दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा और लोग आपके सुझावों को अहमितयत देंगे। साझेदारी में किया गया काम सफल रहेगा। आपको समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या आज आप रचनात्मक और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। पेट संबंधी समस्याएं आज उभर सकती हैं।

तुला आपका आज का दिन भाग्यशाली है। किसी खास आदमी से मुलाकात फायदा पहुंचाएगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन का आगमन होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ेगा।

वृश्चिक आपको अपनी योजनाओं को लेकर गोपनीयता बरतने की जरूरत है। करियर में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। आज घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान का सहारा लें।

धनु आजका दिन आपके लिए विशेष है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत मिलेंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे प्रभावित होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर आपको धैर्य और समझदारी से आज आगे बढ़ना होगा। आपके कार्यों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में संयम रखने की जरूरत है। आज अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ आपके विचारों में आज सकारात्मकता रहेगी। योजनाओं पर गंभीरता से काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन आपका आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

सुडोकू-61

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 60 का हल

4	2	7	6	8	1	5	9	3
3	8	1	5	9	2	6	7	4
9	6	5	4	3	7	2	8	1
8	4	3	9	5	6	1	2	7
1	7	6	8	2	4	3	5	9
5	9	2	1	7	3	8	4	6
6	5	8	3	4	9	7	1	2
7	1	9	2	6	5	4	3	8
2	3	4	7	1	8	9	6	5

जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। **- सुनील गावस्कर**

स्टेडियम

अयोध्या, बुधवार, 6 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थके भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश रवाना

लंदन : ओवल में सीरीज बराबर करने वाली ऐतिहासिक जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद थी लेकिन भारतीय टीम के सदस्यों ने मंगलवार सुबह स्वदेश के लिए रवाना होने से पहले शांति से समय बिताने का फैसला किया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के कई सदस्य लंबी और थकाऊ श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट में नाटकीय जीत के 24 घंटे से भी कम समय बाद एमिरेट्स की उड़ान से रवाना हुए। टीम के सदस्य मंगलवार शाम को दुबई पहुंचेंगे और फिर भारत में अपने-अपने गृहनगरों के लिए उड़ान भरेंगे। अंतिम टेस्ट में जीत के सूत्रधार सिराज दुबई पहुंचने के बाद हैदराबाद के लिए अगली उपलब्ध उड़ान लेंगे। अर्शदीप सिंह और शारदुल ठाकुर भी स्वदेश लौटने वालों में शामिल हैं। कुछ ने इंग्लैंड में ही रुकने का फैसला किया है।

एशिया कप टीम में चुने जा सकते हैं गिल

नई दिल्ली : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन भारत की एशिया कप टीम में चयन की दौड़ में हैं जिसे अगस्त के तीसरे सप्ताह में चुने जाने की उम्मीद है। जायसवाल और टेस्ट कप्तान गिल व्यस्त कार्यक्रम के कारण पिछले कुछ टी20 मैचों में नहीं खेले हैं लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद एक महीने के आराम के कारण वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा में कल से

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है।

कनाडाई किशोरी मबोको सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव अंतिम चार में

टोरंटो : शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मुकाबला रूस के कारेन या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

सब-जूनियर तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु : कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम ने उम्मीद से बढ़कर किया प्रदर्शन, पूरी श्रृंखला रही रोमांचक

लंदन, एजेंसी

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी, लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंदी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है।

भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को भी दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह उन्होंने दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां व अंतिम मैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी। एजेंसी

बड़े मौकों पर छूटे कैच

- **लंदन :** यह सीरीज सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में भी शीर्ष पर रही। कुल 41 कैच छूट गए, जो गेंद-दर-गेंद के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से (2018 के बाद से) किसी भी सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। दोनों टीमों ने कैच छोड़ने की साख भी बना ली है। सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में शीर्ष चार सीरीज में से तीन भारत और इंग्लैंड के बीच हैं, जिनमें से अन्य दो तब हुई थीं जब भारत ने 2021/22 (37) और 2018 (32) में इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौरे पर, भारत ने 23 मौके गंवाए, जो एक सीरीज में उनके लिए सबसे ज़्यादा हैं - 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की तुलना में सात ज्यादा।

खराब रिव्यू

- इस सीरीज में दोनों टीमों द्वारा अंपायर के फ़ैसलों को 63 बार चुनौती दी गई, जिनमें से 44 रिव्यू असफल रहे। इस तरह, 69.8% रिव्यू बर्बाद हो गए, जिससे पता चलता है कि अंपायरों ने ज्यादातर सही फैसले दिए। भारत ने 24 असफल रिव्यू लिए (जिसमें एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर कॉल के फैसले शामिल हैं), जो एक सीरीज में उनके लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, ड्रॉप कैच की तरह, 2018 के दौरे से शुरू होकर इंग्लैंड में हर सीरीज में भारत के असफल रिव्यु की संख्या भी बढ़ी है, जबकि इंग्लैंड के रिव्यू में सुधार हुआ है। गेंदबाजी करते समय एलबीडब्ल्यू फैसलों की समीक्षा करने की बात आती है, तो इन पांचों टेस्ट मैचों में दोनों टीमें मैदान पर लिए गए फैसले को केवल दो बार ही पलट सकीं।

करीबी श्रृंखलाएं : जब गेंद और बल्ले के संघर्ष व रणनीति की हुई परीक्षा

- **नई दिल्ली :** भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पीटीआई भाषा ने पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

- **ओवल भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 :** संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।
- **भारत बनाम श्रीलंका, 2015 :** इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी।
- **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 :** यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा।
- **भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 :** अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।
- **ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 :** यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाज़ थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था। यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू श्रृंखला में पहली हार थी।
- **न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 :** जैसे ही न्यूज़ीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।
- **भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 :** यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

सितारों के मर्जी से मैच चुनने पर लग सकती लगाम

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर हमेशा से भारतीय क्रिकेट में मेगा स्टार संस्कृति के खिलाफ रहे हैं, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज के लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारत के मुख्य कोच को अब अपने हिसाब से टीम कल्चर बनाने का मौका मिल गया है। इंग्लैंड से श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर टीम में जरूर ऐसा माहौल बनाना चाहेंगे जिसमें सभी को बराबर माना जाए। समझा जाता है कि चयन समिति, गंभीर और भारतीय क्रिकेट के आला अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और श्रृंखला खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर एकमत हैं।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, खास तौर पर उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चुनने का कल्चर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा इसके यह मायने नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है लेकिन इसकी आड़ में खिलाड़ी अहम मैचों से बाहर नहीं रह सकते। इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185.3 ओवर डाले जिसके अलावा नेट्स पर गेंदबाजी और फील्डिंग अलग। उन्होंने फिटनेस के नये मानदंड कायम किए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढ़कर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल डाले। इससे यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कार्यभार प्रबंधन को अपनी सहूलियत के हिसाब से ढाल बनाया जाता है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में जीत के बाद अपने स्टाफ सदस्यों के साथ जमकर जश्न मनाया। एजेंसी

- **कार्यभार प्रबंधन के अधिकार पर गौर कर सकता है बीसीसीआई**

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन शब्द गायब हो जाएगा : गावस्कर

- **लंदन :** भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। उन्होंने कहा, आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी

लंदन : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते जाते रहें। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2-2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई।

उन्होंने कहा हमें बेहतर होते रहना है। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे। लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा शुभकानायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो।

पूरी सीरीज अपनी बारी का इंतजार करते रहे स्पिनर कुलदीप यादव। एजेंसी

जस्सी भाई की कमी खली, वह होते तो खास होता : सिराज

लंदन, एजेंसी

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए।

मोहम्मद सिराज। एजेंसी

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता : वॉन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे।

वॉन ने कहा बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा उन्हें बस एक साझेदारी की ज़रूरत थी। हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। फिलहाल ये ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीरीज के लिए अच्छी तैयारी है।

वनडे क्रिकेट | इंग्लैंड में युवा भारतीय ब्रिगेड के धमाकेदार प्रदर्शन से सीनियर खिलाड़ियों की चुनौती बढ़ गई

कोहली और रोहित की राह हुई मुश्किल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का बेहद कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोकना टीम में शामिल नए क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और देश तथा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने की निडरता का जश्न था। मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला।

वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए और साई सुदर्शन ने अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता की झलक दिखाई। लेकिन इस शानदार प्रयास का एक और आयाम भी है। इससे सवाल उठता है कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा चोटों से जूझने वाले जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का क्या होगा। कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवतः ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलेंगे। इसके बाद इन दोनों को जनवरी-जुलाई 2026 के बीच न्यूजीलैंड (स्वदेश) और इंग्लैंड (विदेश में) के खिलाफ छह एकदिवसीय मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन क्या ये मुकाबले 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की उनकी तैयारी के लिए हैं? क्या यह दिग्गज जोड़ी सिर्फ एक प्रारूप और आईपीएल के दम पर इतने लंबे समय तक खेलना चाहेगी? एक सूत्र ने बताया हां, इस पर जल्द ही चर्चा होगी। अगले विश्व कप (नवंबर 2027) के लिए हमारे पास अभी भी दो साल से अधिक का समय है।

कोहली और रोहित दोनों तब तक 40 के करीब हो जाएंगे इसलिए इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए एक स्पष्ट योजना होनी चाहिए क्योंकि हमने पिछला खिताब 2011 में जीता था। हमें समय रहते कुछ युवाओं को भी आजमाने की जरूरत है। कोहली और रोहित ने 2024 में विश्व कप जीत के साथ टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा लेकिन इन दोनों का टेस्ट संन्यास काफी शांत रहा।

विराट कोहली व रोहित शर्मा। एजेंसी

घरेलू मैच खेलना जरूरी है

- बीसीसीआई के मौजूदा नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होने पर घरेलू मैच नहीं छोड़ सकता है और घरेलू मुकाबले में नहीं खेलने पर उसे राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा सकता है। कोहली और रोहित के लिए मैच के समय की कमी है क्योंकि ये दोनों इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं और नवंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 और उसके बाद दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी से पहले सीमित ओवरों के क्रिकेट की कोई घरेलू प्रतियोगिता भी नहीं है। हालांकि कोहली और रोहित को उनके कद को देखते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से छूट मिल सकती है।